वर्ष-14 - अंक 127
पृष्ट-08 मूल्य : 02 रुपया

सीतापुर
शनिवार, 15 अगस्त 2026

RNI.No. UHIN/2012/43078

स्वतंत्र प्रभात दैनिक अख़बार तथा ऑनलाइन चैनल से सीधा जुड़ने के लिए संपर्क करें.....
9511151254

राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक

# स्वतंत्र प्रभात

swatantraprabhat.com

epaper.swatantraprabhat.com

जो लिखेगा, वही टिकेगा

लखनऊ से प्रकाशित एंव अयोध्या ,प्रयागराज ,मिर्जापर ,गोरखपुर , बरेली ,बुंदेलखंड , उत्तराखंड , देहरादून गाजियाबाद , दिल्ली ,पंजाब , हरियाणा ,चंडीगढ़ , झारखण्ड , बिहार , मध्य प्रदेश ,असम, तेलंगाना आदि जनपदो में प्रसारित

इफको फूलपुर में 'सहकार से समृद्धि' तक किसान गोष्ठी ..... 3
इफको फूलपुरः कृषि उत्कृष्टता को प्रेरित करना, भारत के भविष्य ..... 4
एक माह से सचिव विहीन कटेहरी बसंतपुर क्लस्टर, ग्रामीण बेहाल..... 08

# 15 अगस्त समारोह से पहले दिल्ली में हाई अलर्ट, लाल किले के आसपास ट्रैफिक डायवर्जन लागू

**नई दिल्ली (एजेंसी)।** 15 अगस्त के स्वतंत्रता दिवस समारोह से पहले राष्ट्रीय राजधानी में सुरक्षा व्यवस्था बेहद कड़ी कर दी गई है। लाल किले के आसपास व्यापक सुरक्षा इंतजाम किए गए हैं। इसके तहत कई मार्गों पर यातायात डायवर्जन लागू किए गए हैं, भारी वाहनों की आवाजाही पर प्रतिबंध लगाया गया है और हजारों सुरक्षाकर्मियों को तैनात किया गया है। आईएएनएस से बात करते हुए सेंट्रल रेंज के डीसीपी ट्रैफिक निशांत गुप्ता ने कहा कि 15 अगस्त को प्रधानमंत्री लाल किले से राष्ट्र को संबोधित करेंगे और बड़ी संख्या में वीआईपी अतिथि आएंगे। इसलिए, नेताजी सुभाष मार्ग, लोथियन रोड, निषादराज मार्ग, श्यामा प्रसाद मुखर्जी मार्ग, एस्प्लेनेड रोड, किला घाट रोड और रिंग रोड/मोएट रोड सहित लाल किले के आसपास की सड़कें सुबह 4 बजे से 11 बजे तक आम यातायात के लिए बंद रहेंगी। डीसीपी ट्रैफिक निशांत गुप्ता ने कहा कि 14 अगस्त की रात 10 बजे से 15 अगस्त की सुबह 11 बजे तक दिल्ली की सड़कों पर भारी वाहनों को चलने की अनुमति नहीं होगी। उन्होंने कहा, 'इस अवधि के दौरान प्रभावित मार्गों पर डीटीसी की बसें या कोई अन्य बसें नहीं चलेंगी। डीटीसी बसों के लिए मार्ग परिवर्तन किया जाएगा और उनके समापन बिंदु रामलीला मैदान और तीस हजारी कोर्ट में स्थानांतरित

कर दिए जाएंगे।' गुप्ता ने कहा कि आमंत्रित मेहमानों के लिए पार्किंग व्यवस्था को गूगल मैप्स के साथ एकीकृत कर दिया गया है, ताकि उन्हें आसानी से आने-जाने में सुविधा हो। उन्होंने कहा, 'आमंत्रित मेहमानों के लिए निर्धारित पार्किंग स्थल गूगल मैप्स पर चिह्नित कर दिए गए हैं। पार्किंग और यातायात व्यवस्था से संबंधित अपडेट के लिए लोग दिल्ली ट्रैफिक पुलिस के आधिकारिक एक्स अकाउंट को भी फॉलो कर सकते हैं।' आम जनता के लिए लागू प्रतिबंधों का जिक्र करते हुए गुप्ता ने कहा कि लाल किले के आसपास यातायात का मार्ग परिवर्तन सुबह 4 बजे से 11 बजे तक लागू रहेगा और उसके बाद इसे हटा दिया जाएगा। उन्होंनेकहा, 'प्रतिबंध के दौरान चांदनी चौक क्षेत्र की सड़कें बंद रहेंगी। हालांकि, दुकानों, बाजारों या शॉपिंग मॉल पर कोई प्रतिबंध नहीं है।' इस बीच, सेंट्रल के डीसीपी रोहित राजबीर सिंह ने कहा कि लाल किले के अंदर और आसपास व्यापक सुरक्षा उपाय लागू किए गए हैं, जिसे स्वतंत्रता दिवस समारोह के दौरान सबसे संवेदनशील स्थानों में से एक माना जाता है। रोहित राजबीर सिंह ने समाचार एजेंसी आईएएनएस से बातचीत में कहा, 'हमने बड़ी संख्या में सुरक्षाकर्मियों को तैनात किया है। दिल्ली पुलिस ही नहीं, बल्कि अन्य एजेंसियों के बल भी तैनात किए गए हैं। जनशक्ति के अलावा हमने कई तकनीकी उन्नयन भी किए हैं। हम हर साल नए उपाय लागू करते हैं और इस साल हमने ड्रोन रोधी प्रणाली में नए फीचर जोड़े हैं।' उन्होंने बताया कि सुरक्षा अभियान के तहत संवेदनशील क्षेत्र में रहने या काम करने वाले 20,000 से अधिक लोगों की जांच और सत्यापन किया गया है। उन्होंने कहा, 'इस अत्यंत संवेदनशील क्षेत्र और इसके आसपास के इलाकों में हमने 20,000 से अधिक लोगों की जांच और सत्यापन किया है। आपराधिक गतिविधियों में संलिप्त होने के संदेह वाले लोगों के खिलाफ आवश्यक एहतियाती उपाय भी किए गए हैं।' देश के अन्य हिस्सों में भी सुरक्षा बढ़ा दी गई है। असम के डिब्रूगढ़ में पुलिस और सीआरपीएफ कर्मियों ने 80वें स्वतंत्रता दिवस समारोह से पहले जन जागरूकता और तैयारियों को बढ़ाने के लिए एक विशेष मोटरसाइकिल रैली का आयोजन किया। जम्मू और कश्मीर में नरबल-गुलमर्ग राजमार्ग पर सुरक्षा बढ़ा दी गई है और कई चौकियों पर वाहनों और यात्रियों की कड़ी जांच की जा रही है।

# इफको किसान हितों के प्रति समर्पित संस्था है : दिलीप संघाणी

## इफको अध्यक्ष सपत्नीक का इफको फूलपुर इकाई आगमन पर भव्य स्वागत

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

**ब्यूरो प्रयागराज।** इफको अध्यक्ष दिलीप संघाणी सपत्नीक गीताबेन संघाणी का इफको फूलपुर इकाई आगमन पर भव्य स्वागत किया गया। इफको अध्यक्ष श्री दिलीप संघाणी इफको कोर्डेट में किसान संगोष्ठी में मुख्य अतिथि के तौर पर शामिल हुए, उन्होंने किसान को सम्बोधित किया तथा कहा कि इफको किसान हितों के प्रति समर्पित संस्था है। इस दौरान वह इफको ऑफिसर्स एसोसिएशन गए जहाँ उनका भव्य स्वागत किया गया एवं उन्हें सम्मानित किया गया। इफको इम्पलाइज संघ भवन में यूनियन पदाधिकारियों ने उनका भव्य स्वागत किया। गीताबेन संघाणी ने इफको रिक्रिएशन क्लब स्थित तरणताल का उद्घाटन किया। इसके उपरांत इफको फूलपुर में स्थित श्री राम मंदिर में भजन संध्या का आयोजन हुआ में दिलीप संघाणी एवं गीताबेन संघाणी बतौर मुख्य अतिथि के तौर पर शामिल हुए। भजन संध्या में कलाकारों ने शानदार भजन प्रस्तुत किए। इफको फूलपुर में इफको अध्यक्ष दिलीप संघाणी 80 वें स्वतंत्रता दिवस समारोह में मुख्य अतिथि एवं द्य गीताबेन संघाणी विशिष्ट अतिथि होंगे। इस दौरान वरिष्ठ महाप्रबंधक (इकाई प्रमुख) पी.के.सिंह, सरिता सिंह,यूपीपीसीएफ चेयरमैन वाल्मिकी त्रिपाठी, महाप्रबंधक क्रमशः पी.के.पटेल, रत्नेश कुमार, डॉ अनीता मिश्र, ए.के.गुप्ता,अरूण कुमार, संयुक्त महाप्रबंधक क्रमशः आर.पी.यादव, एस.के.सिंह, पी.के.त्रिपाठी, संदीप गोयल, डॉ सत्य प्रकाश, आशीष कुमार, संजय कुमार, शैलेश शेरकर, विनय विक्की, विभागाध्यक्ष मानव संसाधन शम्भू शेखर, इफको ऑफिसर्स एसोसिएशन के अध्यक्ष अनुराग तिवारी व महामंत्री स्वयम् प्रकाश, इफको इम्पलाइज संघ के अध्यक्ष पंकज पाण्डेय व महामंत्री विजय कुमार यादव मौजूद रहे।

## संक्षिप्त ख़बरें

### पीएम मोदी ने भारतीय-अमेरिकी समुदाय की भूमिका की सराहना की, बोले-हर क्षेत्र में बनाई पहचान

**वाशिंगटन/नई दिल्ली ।** भारत के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने अलग-अलग क्षेत्रों में भारतीय-अमेरिकी समुदाय की उपलब्धियों की सराहना की। पीएम मोदी ने कहा कि भारत की सांस्कृतिक विरासत के साथ इसका लगातार जुड़ाव देश के लिए ताकत का जरिया बना हुआ है। नेशनल अलायंस ऑफ इंडियन ऑर्गनाइजेशन्स (एनएआईओ) को भेजे गए एक संदेश में पीएम मोदी ने कहा कि भारत के 80वें स्वतंत्रता दिवस और अमेरिका की 250वीं सालगिरह का जश्न दोनों लोकतांत्रिक देशों के बीच करीबी संबंध को दिखाता है। पीएम मोदी ने 13 अगस्त के भेजे गए संदेश में कहा, 'यह जानकर खुशी हो रही है कि नेशनल अलायंस ऑफ इंडियन ऑर्गनाइजेशन्स (एनएआईओ) भारत का 80वां स्वतंत्रता दिवस और संयुक्त राज्य अमेरिका की 250वीं वर्षगांठ मना रहा है। 'पीएम मोदी ने कहा कि साथ मिलकर मनाया जा रहा ये जश्न उन मूल्यों को दिखाता है, जो नई दिल्ली और वाशिंगटन को जोड़ते हैं। उन्होंने कहा, 'ये जश्न भारत और अमेरिका के बीच करीबी संबंधों को दिखाते हैं, जो हमारे साझा लोकतांत्रिक मूल्यों पर आधारित हैं।

### प्रयागराज में सात एसीपी के कार्यक्षेत्र में बदलाव, पुलिस कमिश्नरेट ने जारी किया फेरबदल।

**प्रयागराज।** कमिश्नरेट प्रयागराज में पुलिस व्यवस्था को और अधिक प्रभावी बनाने के उद्देश्य से सात सहायक पुलिस आयुक्त (एसीपी) के कार्यक्षेत्र में फेरबदल किया गया है। फेरबदल के क्रम में रवि कुमार गुप्ता को धूमनगंज/साइबर अपराध की जिम्मेदारी सौंपी गई है। उनके कार्यक्षेत्र में धूमनगंज क्षेत्र के साथ साइबर अपराध से जुड़े मामलों की निगरानी भी शामिल होगी। वहीं निकिता श्रीवास्तव को कोतवाली/महिला अपराध/यूपी-112 का दायित्व दिया गया है। महिला अपराधों से संबंधित मामलों की प्रभावी निगरानी के साथ यूपी-112 की व्यवस्था को बेहतर बनाए रखने की जिम्मेदारी भी उनके पास होगी। इसी क्रम में कुंजलता को करछना एसीपी का दायित्व सौंपा गया है। करछना क्षेत्र में कानून-व्यवस्था, अपराध नियंत्रण और पुलिसिंग व्यवस्था की निगरानी अब उनके जिम्मे होगी। अरुण कुमार पराशर को झूंसी क्षेत्र की जिम्मेदारी दी गई है। अजेंद्र यादव को थरवई क्षेत्र का एसीपी बनाया गया है। उन्हें क्षेत्र में अपराध नियंत्रण, कानून-व्यवस्था और पुलिस टीमों के पर्यवेक्षण की जिम्मेदारी दी गई है।

## विराम खण्ड-5 में जनकल्याण समिति ने निकाली भव्य 'हर घर तिरंगा यात्रा'

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

**लखनऊ।** राजधानी लखनऊ में 14 अगस्त 2026 स्वतंत्रता दिवस के उपलक्ष्य में विराम खण्ड-5 जनकल्याण समिति द्वारा देशभक्ति एवं राष्ट्रप्रेम की भावना को जन-जन तक पहुँचाने के उद्देश्य से 'हर घर तिरंगा यात्रा' का आयोजन किया गया। यात्रा का शुभारम्भ समिति के अध्यक्ष डॉ. भरत राज सिंह ने राम भवन चौराहे से किया। तिरंगा यात्रा राम भवन चौराहे से प्रारम्भ होकर विराम खण्ड-5 के प्रमुख मार्गों से गुजरती हुई आगे बढ़ी। इस दौरान समिति के पदाधिकारियों एवं क्षेत्रीय निवासियों ने हाथों में राष्ट्रीय ध्वज लेकर भारत माता की जय और देशभक्ति के नारों के साथ नागरिकों को अपने-अपने घरों पर तिरंगा फहराने तथा स्वतंत्रता दिवस

को राष्ट्रीय गौरव एवं एकता के पर्व के रूप में मनाने के लिए जागरूक किया। यात्रा का समापन जीवन प्लाजा, विराम खण्ड-5 में जनजागरण कार्यक्रम के साथ हुआ। इस अवसर पर समिति के अध्यक्ष डॉ. भरत राज सिंह ने कहा कि तिरंगा केवल राष्ट्रीय ध्वज नहीं, बल्कि भारत की स्वतंत्रता, एकता, अखंडता, त्याग और गौरव का प्रतीक है। 'हर घर तिरंगा' अभियान के माध्यम से समाज में राष्ट्रप्रेम की भावना को और मजबूत करने का संदेश दिया गया। कार्यक्रम में समिति के सचिव एवं अधिवक्ता नित्यानंद पाण्डेय, प्रचार सचिव आनंद प्रकाश, मनोज शर्मा, प्रवीण मिश्रा, डॉ. आर.पी. शर्मा, हरी सिंह, राकेश तिवारी, अरुण त्रिवेदी, प्रभात श्रीवास्तव, प्रतिभा शाही, आर.डी. मौर्या, सुनील निगम, के.एन. पाण्डेय, विकास मिश्र, ममता, अतुल जौहरी, भगवान यादव, मनोज पाण्डेय, अरविन्द पंत, राज कमल, अतुल पंत, अनिल कुमार श्रीवास्तव सहित बड़ी संख्या में समिति के पदाधिकारी एवं क्षेत्रवासी उपस्थित रहे। समिति ने सभी नागरिकों से स्वतंत्रता दिवस के अवसर पर अपने घरों पर सम्मानपूर्वक तिरंगा फहराने और राष्ट्र की एकता, अखंडता एवं गौरव को सुदृढ़ करने में सहभागी बनने का आह्वान किया।

## ऑयल ग्रीन एनर्जी में कई पदों पर भर्ती, 12 सितंबर तक करें आवेदन

**नई दिल्ली।** ऑयल ग्रीन एनर्जी लिमिटेड (ओजीईएल) ने संविदा के आधार पर लीगल ऑफिसर समेत कई पदों पर भर्ती के लिए आवेदन आमंत्रित किए हैं। योग्य अभ्यर्थी 12 सितंबर 2026 तक आवेदन कर सकते हैं। आवेदन प्रक्रिया 13 अगस्त से शुरू हो चुकी है। भर्ती के तहत फाइनेंस ऑफिसर, लीगल ऑफिसर, एग्जीक्यूटिव ऑफिसर से सीईओ, सिविल इंजीनियर और कंपनी सेक्रेटरी के एक-एक पद तथा कॉन्ट्रैक्ट एंड प्रोक्योरमेंट ऑफिसर के दो पद शामिल हैं। फाइनेंस ऑफिसर के लिए सीए, सीएमए या वित्त विषय में एमबीए, लीगल ऑफिसर के लिए न्यूनतम 60 प्रतिशत अंकों के साथ एलएलबी या एलएलएम, सिविल इंजीनियर के लिए सिविल इंजीनियरिंग में बीई/बीटेक और कंपनी सेक्रेटरी के लिए आईसीएसआई की सीएस फाइनल परीक्षा उत्तीर्ण होना जरूरी है। कॉन्ट्रैक्ट एंड प्रोक्योरमेंट ऑफिसर के लिए इंजीनियरिंग डिग्री या एमबीए के साथ वाणिज्य में स्नातक तथा एग्जीक्यूटिव ऑफिसर से सीईओ पद के लिए संबंधित विषय में स्नातकोत्तर डिग्री मांगी गई है। सभी पदों के लिए संबंधित क्षेत्र में कम से कम दो से तीन वर्ष या अधिक का अनुभव आवश्यक है। आवेदकों की न्यूनतम आयु 18 वर्ष और अधिकतम 45 वर्ष निर्धारित है। आयु की गणना आवेदन की अंतिम तिथि के आधार पर होगी।

## पालिका परिषद अध्यक्ष पुष्पू जायसवाल के नेतृत्व में निकली भव्य तिरंगा यात्रा

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

**बिसवां, सीतापुर।** स्वतंत्रता दिवस की पूर्व संध्या पर नगर पालिका परिषद बिसवां की ओर से अध्यक्ष पुष्पू जायसवाल के नेतृत्व में भव्य तिरंगा यात्रा निकाली गई। यात्रा में बड़ी संख्या में पालिका कर्मियों और नगरवासियों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। यात्रा का मुख्य आकर्षण करीब 200 मीटर लंबा विशाल तिरंगा रहा, जिसे नागरिक हाथों में थामकर रैली के आगे-आगे चल रहे थे। 'भारत माता की जय' और 'वंदे मातरम्' के जयघोष से पूरा नगर गुंजायमान हो उठा।

तिरंगा यात्रा नगर के मुख्य मार्गों से होती हुई निकली, जहां जगह-जगह नागरिकों ने यात्रा का उत्साहपूर्वक स्वागत किया। लोगों ने तिरंगे के प्रति सम्मान व्यक्त करते हुए देशभक्ति के नारों से माहौल को राष्ट्रप्रेम से सराबोर कर दिया। यात्रा को लेकर नगरवासियों में खासा उत्साह देखने को मिला। यात्रा में पालिका कर्मियों के साथ बड़ी संख्या में नगरवासी शामिल रहे।

## मतदाता सूची में नाम जरूर जांचें, 30 अगस्त तक दर्ज करा सकेंगे दावे-आपत्तियां

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

**चंडीगढ़।** हरियाणा के मुख्य निर्वाचन अधिकारी ए. श्रीनिवास ने नागरिकों से अपील की है कि वे विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर-2026) के तहत जारी प्रारंभिक मतदाता सूची में अपना और परिवार के सभी पात्र सदस्यों का नाम अवश्य जांच लें। प्रारंभिक मतदाता सूची 31 जुलाई 2026 को प्रकाशित की जा चुकी है। नाम जुड़वाने, संशोधन कराने अथवा आपत्ति दर्ज कराने की अंतिम तिथि 30 अगस्त 2026 निर्धारित की गई है। उन्होंने बताया कि पात्र व्यक्ति का नाम सूची में नहीं होने पर आवश्यक दस्तावेज और घोषणा-पत्र के साथ प्रपत्र-6 के माध्यम से दावा किया जा सकता है। अब तक 25,315 प्रपत्र-6 प्राप्त हुए हैं। नाम, पता, आयु, फोटो अथवा अन्य विवरण में संशोधन के लिए प्रपत्र-8 भरा जा सकता है, जिसके 27,426 आवेदन अब तक मिले हैं। वहीं अपात्र, मृत, स्थानांतरित अथवा अन्य स्थान पर पहले से पंजीकृत मतदाता का नाम हटाने के लिए प्रपत्र-7 के माध्यम से आपत्ति दर्ज की जा सकती है। इसके तहत अब तक 1,078 आवेदन प्राप्त हुए हैं। मतदाता सूची के सत्यापन के दौरान पिछली मतदाता सूची से मैपिंग नहीं होने वाले 18,56,138 मामले तथा विभिन्न विसंगतियों वाले 26,31,312 मामले सामने आए हैं। कुल 44,88,795 मामलों में निर्धारित प्रक्रिया के तहत जांच की जा रही है। संबंधित मतदाताओं को पक्ष रखने और आवश्यक दस्तावेज प्रस्तुत करने का अवसर देने के लिए सुनवाई नोटिस जारी किए जा रहे हैं। 14 अगस्त तक 19,35,126 नोटिस जारी किए जा चुके हैं। मुख्य निर्वाचन अधिकारी ने स्पष्ट किया कि सुनवाई नोटिस मिलना मतदाता का नाम सूची से हटाए जाने का अंतिम निर्णय नहीं है। यह सत्यापन और सुनवाई प्रक्रिया का हिस्सा है। विशेष रूप से अनमैप्ड मामलों में मतदाता अपने, परिवार, माता-पिता अथवा संबंधित पुराने अभिलेखों से जुड़े उपलब्ध दस्तावेज प्रस्तुत कर सकते हैं। दस्तावेजों के आधार पर अधिकारी रिकॉर्ड का सत्यापन कर नियमानुसार निर्णय लेंगे। नागरिक अपने दावे और आपत्तियां संबंधित ईआरओ/एईआरओ कार्यालय में जमा करा सकते हैं। इसके अलावा निर्धारित प्रक्रिया के तहत ऑनलाइन आवेदन voters.eci.gov.in के माध्यम से भी किया जा सकता है। मुख्य निर्वाचन अधिकारी ने नागरिकों से अपील की कि वे मतदाता सूची में अपना नाम और अन्य विवरण जांच लें तथा नोटिस मिलने पर निर्धारित तिथि पर आवश्यक दस्तावेजों के साथ उपस्थित होकर सत्यापन प्रक्रिया में सहयोग करें।

# देहरा में 10 नई इलेट्रिक बसों को हरी झंडी, स्वच्छ एवं हरित परिवहन को मिलेगा बढ़ावा

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

**देहरा।** देहरा क्षेत्र में सार्वजनिक परिवहन व्यवस्था को सुदृढ़ करने तथा स्वच्छ एवं हरित परिवहन को बढ़ावा देने की दिशा में महत्वपूर्ण पहल करते हुए आज देहरा में 10 नई इलेक्ट्रिक बसों के फ्लैग ऑफ समारोह का आयोजन किया गया। समारोह में ज्वालामुखी विधानसभा क्षेत्र के विधायक संजय रतन मुख्य अतिथि तथा देहरा विधानसभा क्षेत्र की विधायक कमलेश ठाकुर विशिष्ट अतिथि के रूप में उपस्थित रहीं। हिमाचल प्रदेश कांग्रेस कमेटी के महासचिव सुरेंद्र सिंह मनकोटिया भी विशेष रूप से उपस्थित रहे। मुख्य अतिथि संजय रतन तथा विशिष्ट अतिथि कमलेश ठाकुर

ने 10 नई इलेक्ट्रिक बसों को हरी झंडी दिखाकर विभिन्न निर्धारित रूटों के लिए रवाना किया। इस अवसर पर विधायक संजय रतन ने कहा कि इलेक्ट्रिक बसों का संचालन प्रदेश सरकार की स्वच्छ एवं हरित परिवहन व्यवस्था की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है। उन्होंने कहा कि इससे पर्यावरण संरक्षण को बढ़ावा मिलने के साथ-साथ आम जनता को आधुनिक, सुरक्षित, सुविधाजनक एवं बेहतर सार्वजनिक परिवहन सुविधा उपलब्ध होगी। उन्होंने कहा कि स्वच्छ एवं हरित परिवहन व्यवस्था को सुदृढ़ करना 'मॉडल हिमाचल' के निर्माण की दिशा में महत्वपूर्ण पहल है। विधायक कमलेश ठाकुर ने कहा कि देहरा तथा आसपास के क्षेत्रों के लिए 10 नई इलेक्ट्रिक बसों का संचालन एक महत्वपूर्ण सौगात है। उन्होंने कहा कि इन बसों से विद्यार्थियों, कर्मचारियों, महिलाओं, वरिष्ठ नागरिकों तथा आम यात्रियों को सुगम एवं सुविधाजनक परिवहन सुविधा मिलेगी। इससे ग्रामीण एवं शहरी क्षेत्रों के बीच बेहतर कनेक्टिविटी भी सुनिश्चित होगी। नई इलेक्ट्रिक बसों का संचालन देहरा-धार धंगड़, देहरा-ज्वाली, देहरा-चिंतपूर्णी, देहरा-सुजानपुर, देहरा-नंदपुर तथा देहरा-पालमपुर सहित देहरा, ज्वालामुखी एवं प्रागपुर विधानसभा क्षेत्रों के विभिन्न प्रमुख रूटों पर किया जाएगा। इससे क्षेत्र के लोगों को सार्वजनिक परिवहन की बेहतर सुविधा उपलब्ध होगी। बसों के सुचारू संचालन के लिए देहरा, हरिपुर तथा चिंतपूर्णी में चार्जिंग सुविधाएं उपलब्ध करवाई गई हैं। आवश्यकता के अनुसार भविष्य में अन्य स्थानों पर भी चार्जिंग स्टेशन स्थापित किए जाएंगे, ताकि इलेक्ट्रिक बसों का नियमित एवं निर्बाध संचालन सुनिश्चित किया जा सके।

## राष्ट्रपिता स्मारक इंटर कॉलेज द्वारा कुश्ती प्रतियोगिता का हुआ आयोजन

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

**लखनऊ।** राजधानी लखनऊ में जनपदीय माध्यमिक विद्यालयीय कुश्ती प्रतियोगिता 2026-27 का आयोजन राष्ट्रपिता स्मारक इण्टर कालेज, इटौंजा जनपद-लखनऊ में हुआ। यह प्रतियोगिता अण्डर 14, 17, 19 बालक बालिका वर्ग में आयोजित की गयी जिसमें जनपद के विभिन्न यू0पी0 बोर्ड द्वारा संचालित विद्यालयों के 150 से अधिक प्रतिभागियों ने प्रतिभाग किया प्रतियोगिता का शुभारम्भ मुख्य अतिथि ब्रह्म बख्सी का तालाब विकास कुमार पाण्डेय ने किया अपने उद्बोधन में मुख्य अतिथि ने सभी खिलाडियों को स्वस्थ शरीर में स्वस्थ मस्तिष्क की अवधारणा को धारण करने के साथ नशा मुक्त भारत बनाने की अपील भी की। प्रतियोगिता के परिणाम निम्नवत हैं।

अण्डर 14 बालक वर्गसभी विजेता खिलाडियों को विद्यालय के प्रधानाचार्य डा0 राधामोहन मिश्रा द्वारा मेडल पहनाकर सम्मानित किया गया तथा आगामी मण्डलीय प्रतियोगिता के लिए शुभकामनाएं दी। इस अवसर पर विप्लवन्चौधरी सुनील कुमार, राकेश कुमार, अंकुर पाण्डेय, अतुल सोनी, हिमांशू शुक्ला, प्रवीण सिंह, बच्चू लाल, भारती प्रीली, नवप्रीत, एवं अन्य अध्यापकगण उपस्थित रहे अन्त में विद्यालय के शारीरिक शिक्षा एवं खेल कूद विभाग के अध्यक्ष प्रवीण शर्मा ने सभी को धन्यवाद ज्ञापित किया।

# वकीलों के चैंबर पर चला बुलडोजर, नगर निगम ने की ध्वस्तीकरण कार्रवाई

## निगम की टीम ने कचहरी के पास बुलडोजर चलाकर वकीलों के अस्थायी चैंबर ध्वस्त कर दिए

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

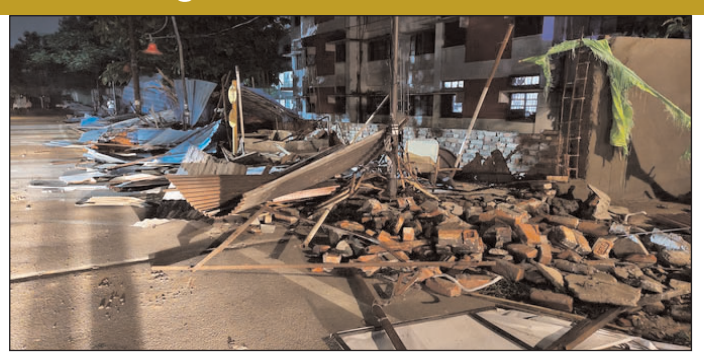

**बरेली।** नगर निगम की टीम ने बृहस्पतिवार रात साढ़े दस बजे कचहरी के पास बुलडोजर चलाकर वकीलों के अस्थायी चैंबर व अन्य अतिक्रमण को ध्वस्त कर दिया। पुलिस टीम की मौजूदगी में आसपास का रास्ता और बिजली आपूर्ति बंद कर यह कार्रवाई की गई। अधिकारियों को काफी समय से कचहरी के आसपास अतिक्रमण की शिकायतें मिल रही थीं। बताया जा रहा है कि वकीलों ने रोड किनारे स्थायी चैंबर बना लिए थे। इससे वहां दिनभर जाम लगता था। स्थिति से निपटने के लिए रात में दो बुलडोजर के साथ टीम मौके पर पहुंची।

**डेढ़ घंटे तक चली कार्रवाई**

वकीलों के हंगामे की आशंका के चलते सुरक्षा के पुख्ता इंतजाम किए गए थे। डेढ़ घंटे तक चली कार्रवाई के दौरान सभी कब्जों को ध्वस्त कर दिया गया। कचहरी के पास का यह क्षेत्र वीआईपी इलाका है। यहां वनमंत्री डॉ. अरुण कुमार के अलावा मंडलायुक्त, एसएसपी और सीडीओ के आवास भी हैं। इसके बावजूद यहां अतिक्रमण फैला हुआ था। कार्रवाई के बाद कई वकील भी मौके पर पहुंचे, लेकिन तब तक टीम जा चुकी थी। सीओ प्रथम आशुतोष शिवम ने बताया कि नगर निगम की टीम ने कार्रवाई की है। सुरक्षा के लिए पुलिस टीम तैनात रही। बार काउंसिल ऑफ उत्तर प्रदेश के पूर्व अध्यक्ष शिरीष कुमार मेहरोत्रा ने बताया कि बेहद अफसोस की बात है। वैकल्पिक व्यवस्था होने तक ध्वस्तीकरण को टोला जा सकता था। ऑफिसर ऑफ द कोर्ट की परिकल्पना मात्र जुमला प्रतीत होती है। सहायक नगर आयुक्त मयंक ने बताया कि कचहरी के पास रोड के किनारे किए गए अतिक्रमण को ध्वस्त किया गया है, ताकि वहां जाम न लगे और लोगों आवागमन में सहूलियत हो।

**सरकारी जमीन पर लगाया कॉलोनी का गेट, निगम ने चलाया बुलडोजर**

नगर निगम ने बृहस्पतिवार को प्रेम नगर क्षेत्र की कीर्ति नगर कॉलोनी के गेट नंबर चार को ध्वस्त कर दिया।

यह कार्रवाई सरकारी जमीन पर अतिक्रमण के चलते की गई। कॉलोनी के निवासियों ने इस अचानक हुई कार्रवाई पर रोष जताया है। उनका कहना है कि उन्हें पहले कोई सूचना या नोटिस नहीं दिया गया। कॉलोनी निवासी एसएस चौधरी ने बताया कि सूचना मिलने पर वे स्वयं गेट हटा लेते। स्थानीय लोगों ने इस तोड़फोड़ को नगर निगम की तानाशाही और अवैधानिक बताया। वे अब इसे अपनी सुरक्षा के लिए खतरा मान रहे हैं। नगर आयुक्त संजीव कुमार मौर्य ने कहा कि गेट अतिक्रमण में था। उन्होंने बताया कि कॉलोनी वालों को इसे हटाने के लिए पहले ही कहा गया था। चेतावनी के बाद भी गेट न हटाने पर यह कार्रवाई की गई।

# नाबालिग चला रहा था स्कूल बस, पेड़ से टकराई; 13 बच्चे घायल

## स्वजनों ने नाबालिग चालक व स्कूल लापरवाही का आरोप लगाया

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

**बरेली।** भोजीपुरा कस्बे के न्यू इंग्लैंड डिकोनस स्कूल की बस जटऊ पट्टी गांव के समीप लिंक मार्ग पर अनियंत्रित होकर पेड़ से जा टकराई। बस में कुल 31 बच्चे सवार थे, जिनमें से 13 बच्चे घायल हो गए। शुक्रवार सुबह तकरीबन 6:30 बजे हुई इस दुर्घटना के बाद हड़कंप मच गया। आनन-फानन सभी घायल बच्चों को इलाज के लिए राममूर्ति मेडिकल कॉलेज में भर्ती कराया गया। पुलिस ने हादसे की जांच शुरू कर दी है। बताया जा रहा है कि स्कूल बस का चालक नाबालिग है।

**स्कूल प्रबंधन पर लगाए आरोप**

हादसे की खबर मिलते ही अभिभावक मेडिकल कॉलेज पहुंच गए। अभिभावकों ने स्कूल प्रबंधन पर गंभीर लापरवाही के आरोप लगाए हैं। परिजनों का आरोप है कि एक नाबालिग स्कूल की खस्ताहाल बस को चला रहा था, जिससे यह हादसा हुआ। एक अभिभावक ने बताया कि उन्होंने कई बार स्कूल प्रबंधन से बस बदलने और नाबालिग चालक को हटाने की शिकायत की थी, लेकिन स्कूल प्रबंधन ने हर बार उनकी शिकायतों को अनसुना कर दिया।

**परिजनों ने की कार्रवाई की मांग**

इस मनमानी का खमियाजा आज मासूम बच्चों को भुगतना पड़ा है। घटना के बाद से इलाके के लोगों और अभिभावकों में स्कूल प्रबंधन के खिलाफ भारी गुस्सा है। परिजनों ने मांग की है कि स्कूल प्रबंधन के खिलाफ सख्त से सख्त कानूनी कार्रवाई की जाए, ताकि भविष्य में इस तरह की लापरवाही से किसी अन्य बच्चे की जान जोखिम में न पड़े।

**घायल बच्चों के नाम**

घायल बच्चों में वसीम राजा पुत्र राशिद रजा (कक्षा आठ), अक्सी नूर पुत्री इम्तियाज (कक्षा चार), अबुसर पुत्र रिजवान (नर्सरी), असलान पुत्र माजिद (कक्षा दो), आकिब पुत्र माजिद (कक्षा दो), मोहम्मद आसिफ, मोहम्मद असलम और आसिफ राजा शामिल बताए गए हैं।

# कांग्रेस की बैठक में भिड़े कार्यकर्ता, पर्यवेक्षक के सामने धक्का-मुक्की और गाली-गलौज

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

**बरेली।** आंवला में कांग्रेस की गुटबाजी बृहस्पतिवार को केंद्रीय पर्यवेक्षक जयेंद्र रमोला के सामने खुलकर सामने आ गई। संगठन सृजन अभियान के तहत आयोजित बैठक में दो पक्षों के बीच नोकझोंक के बाद धक्का-मुक्की और गाली-गलौज शुरू हो गई। हंगामा बढ़ने पर दोनों पक्ष सड़क तक पहुंच गए। मौके पर मौजूद कार्यकर्ताओं ने किसी तरह मामला शांत कराया। बाद में पर्यवेक्षक ने दोनों पक्षों से बंद कमरे में वार्ता कर उनकी शिकायतें शीर्ष नेतृत्व तक पहुंचाने का आश्वासन दिया। घेर अन्नू खां स्थित कांग्रेस कार्यालय में शाम करीब चार बजे आयोजित बैठक में जिलाध्यक्ष और महानगर अध्यक्ष पद के लिए आए आवेदनों पर चर्चा चल रही थी। इसी दौरान गुड्डू मलिक, अतुल गुप्ता, रामचंद्र मौर्य, राजीव गुप्ता, फरीद अहमद, विष्णु अवतार गुप्ता और सुदेश शर्मा सहित कई कार्यकर्ता पहुंचे। उन्होंने पार्टी में उपेक्षा किए जाने का आरोप लगाया। कार्यकर्ताओं का कहना था कि वे लंबे समय से पार्टी से जुड़े हैं, लेकिन पिछले सात वर्षों से उन्हें बैठकों और कार्यक्रमों की सूचना तक नहीं दी जाती। कार्यकर्ताओं ने आरोप लगाया कि कुछ पदाधिकारियों ने संगठन को निजी संपत्ति समझ लिया है। उन्होंने 2022 के विधानसभा चुनाव में पार्टी प्रत्याशी को मिले कम मतों का हवाला देते हुए कहा कि क्षेत्र में कांग्रेस की स्थिति लगातार कमजोर हुई है। इसी दौरान निवर्तमान नगर अध्यक्ष सरफराज बेग ने आरोपों का विरोध किया, जिसके बाद उनकी गुड्डू मलिक से नोकझोंक हो गई। देखते ही देखते मामला हाथापाई तक पहुंच गया। गाली-गलौज और हंगामा होते देख कार्यकर्ता भी सकते में आ गए। दोनों पक्ष सड़क पर पहुंचकर आपस में उलझते रहे। मामला बढ़ता देख राजेश्वर दयाल उर्फ बब्बन महाराज और नितिन महाराज ने बीचबचाव कर दोनों पक्षों को शांत कराया। कांग्रेस जिलाध्यक्ष अशफाक सकलैनी ने कहा कि बैठक के दौरान प्रभारी और वह कक्ष के अंदर थे और वहां कोई विवाद नहीं हुआ। बाद में बाहर कुछ लोगों के बीच झगड़े की जानकारी मिली। उन्होंने कहा कि मामले की जांच के लिए कमेटी गठित की जाएगी। यदि कोई कांग्रेस कार्यकर्ता अनुशासनहीनता या अराजकता करता पाया गया तो उसके खिलाफ कार्रवाई की जाएगी।

# भदपुरा की तिरंगा यात्रा में उमड़ा जनसैलाब, यात्रा में शामिल छात्र-छात्राओं को किया सम्मानित

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

**बरेली/**विकासखंड भदपुरा में आज तिरंगा यात्रा का आयोजन किया गया इस यात्रा का नेतृत्व भदपुरा के ब्लॉक प्रमुख रवि शंकर गंगवार यहां की खंड विकास अधिकारी ईशा हर्षिता अग्निहोत्री के द्वारा की गई इस तिरंगा यात्रा में हजारों की संख्या में कर्मचारी छात्र-छात्राओं ने भाग लिया। यह यात्रा ब्लॉक प्रांगण से प्रारंभ होकर क्योलड़िया की मुख्य तिराहे से होते हुए क्योलडिया गांव में भ्रमण करते हुए पुनः ब्लॉक कार्यालय वापस लौटे इसके बाद विद्यालय के छात्र-छात्राओं द्वारा सांस्कृतिक कार्यक्रम आयोजन किए गए इस तिरंगा यात्रा में शिक्षा विभाग से खंड शिक्षा अधिकारी विजय कुमार सहित तमाम लोग मौजूद रहे । यहीं पर यहां के प्रतिष्ठित विद्यालय एस एस टी पब्लिक इंटर कालेज के प्रबंधक सुरेंद्र वीर गंगवार भारी संख्या में छात्र-छात्र समय उपस्थित रहे यहीं पर आंगनबाड़ी कार्यकर्त्तरी सुपरवाइजर कंचन गंगवार मौजूद रही विकासखंड के ग्राम प्रधान संघ अध्यक्ष राम प्रताप गंगवार के साथ समस्त ग्राम प्रधान मौजूद रहे इसके तहत सफाई कर्मचारी संघ के मंडल अध्यक्ष रविंद्र कुमार कश्यप के साथ। समस्त सफाई कर्मचारी प्रभारी निरीक्षक वेद सिंह तमाम पुलिस फोर्स इस तिरंगा यात्रा में सम्मिलित हुए हजारों की भीड़ में गंगा यात्रा रैली का आयोजन किया गया जिसे देखकर लोग स्तंभ भरे गए जब के सुबह से हो रही वर्षा के कारण कुछ असुविधाए भी भी सामने रही अन्यथा इस भीड़ का विस्तार और बड़ा होता तिरंगा यात्रा समाप्त होने के बाद विद्यालय की छात्रों को एवं आंगनवाड़ी केंटो से आए शिशुओं को ब्लॉक प्रमुख रवि शंकर गंगवार द्वारा खंड विकास अधिकारी की उपस्थिति में पुरुष कृति किया गया जो एक मिसाल है यहां पर सभी को सूक्ष्म जलपान भी कराया गया।

# विभाजन का दर्द कभी भुलाया नहीं जा सकता, विस्थापित परिवारों का संघर्ष देश के लिए प्रेरणा: प्रतिभा शुक्ला

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

**कानपुर।** विभाजन विभीषिका स्मृति दिवस पर शुक्रवार को छत्रपति शाहू जी महाराज विश्वविद्यालय के वीरांगना लक्ष्मीबाई प्रेक्षागृह में आयोजित कार्यक्रम में वर्ष 1947 के विभाजन की त्रासदी झेलने वाले लाखों विस्थापितों तथा इस दौरान जान गंवाने वाले लोगों को श्रद्धांजलि अर्पित की गई। कार्यक्रम की मुख्य अतिथि प्रदेश सरकार की मंत्री प्रतिभा शुक्ला रहीं। विधायक सुरेंद्र मैथानी, विधायक नीलिमा कटियार, विधान परिषद सदस्य अरुण पाठक, जिलाधिकारी जितेंद्र प्रताप सिंह तथा मुख्य विकास अधिकारी अभिनव जे जैन उपस्थित रहे। मुख्य अतिथि सहित जनप्रतिनिधियों एवं अधिकारियों ने वीरांगना रानी लक्ष्मीबाई की प्रतिमा पर पुष्पांजलि अर्पित कर उन्हें नमन किया। इसके बाद उन्होंने राजकीय अभिलेखागार द्वारा संरक्षित दुर्लभ चित्रों की प्रदर्शनी का अवलोकन किया। कार्यक्रम में एक लघु फिल्म भी दिखाई गई, जिसमें विभाजन के कारण विस्थापित हुए लाखों लोगों की पीड़ा, पलायन के दौरान झेली गई कठिनाइयों और उनके संघर्ष को मार्मिक ढंग से दर्शाया गया। प्रदर्शनी में देश के विभाजन में मुस्लिम लीग और तत्कालीन ब्रिटिश सरकार की भूमिका से जुड़े ऐतिहासिक अभिलेखों के साथ नोआखली तथा कलकत्ता में भड़के सांप्रदायिक दंगों की विभीषिका को प्रदर्शित किया गया। दंगों का दर्द झेलने वाले परिवारों की त्रासदी, घर-बार छोड़कर पलायन करते शरणार्थियों की बेबसी तथा तत्कालीन प्रेस में प्रकाशित हृदयविदारक तस्वीरों ने विभाजन के अनेक अनकहे दर्द को जीवंत कर दिया। दुर्लभ चित्रों के माध्यम से सामने आई मानवीय पीड़ा ने प्रदर्शनी का अवलोकन करने वालों को भावुक कर दिया। इसके साथ ही स्वतंत्रता आंदोलन से जुड़ी पुस्तकों की प्रदर्शनी भी लगाई गई। वर्ष 1947 का ऐतिहासिक विभाजन मानव इतिहास की सबसे बड़ी विस्थापन त्रासदियों में से एक था। इस दौरान करीब छह मिलियन यानी 60 लाख गैर-मुस्लिम आबादी को अपना घर-बार छोड़कर भारत आना पड़ा। पलायन की इस पीड़ादायक यात्रा में लोगों ने अनगिनत कठिनाइयां और अमानवीय अत्याचार झेले। करीब पांच लाख लोगों ने इस विभीषिका में अपना जीवन गंवा दिया। यह केवल देश की सीमाओं का विभाजन नहीं था, बल्कि असंख्य परिवारों, रिश्तों और स्मृतियों के बिखरने की त्रासदी थी। मुख्य अतिथि बाल विकास एवं पुष्टाहार विभाग की राज्य मंत्री प्रतिभा शुक्ला ने कहा कि विभाजन का दर्द कभी भुलाया नहीं जा सकता। देश का विभाजन केवल भूभाग का बंटवारा नहीं था। उसने असंख्य परिवारों को उनकी जड़ों, घरों और अपनों से अलग कर दिया। विभाजन की पीड़ा सहने वाले लोगों का संघर्ष और धैर्य देश के लिए प्रेरणा है। इतिहास के इस पीड़ादायक अध्याय से सीख लेते हुए सामाजिक सद्भाव और राष्ट्रीय एकता को और मजबूत करना होगा।

## नामकरण संस्कार की खुशियां मातम में बदलीं

**फिरोजाबाद।** मोहिनीपुर गांव में गुरुवार दोपहर सिलिंडर से गैस का रिसाव होने के कारण घर में आग लग गई। हादसे में भतीजे के नामकरण संस्कार के लिए खाना बना रही युवती की जलकर मृत्यु हो गई। लपटों के बीच घिरी युवती ने जान बचाने के लिए बरामदे से नीचे कूदने का प्रयास भी किया, लेकिन सफल नहीं हो सकी। इस बीच सिलिंडर फटने की अफवाह से गांव में दहशत फैल गई। फायर ब्रिगेड ने आधा घंटे के प्रयास के बाद आग पर काबू पाया। घटना दोपहर 12.30 बजे की है। मोहिनीपुर निवासी रमेशचंद्र कुशवाह के बेटे मुकेश की पत्नी ने सात दिन पहले बेटे को जन्म दिया था। गुरुवार को घर में नामकरण संस्कार का आयोजन था। कुछ रिश्तेदार आ चुके थे, कुछ शाम को दावत में आने वाले थे। 20 वर्षीय बेटी कल्पना मकान की पहली मंजिल पर स्थित बरामदे में दावत के लिए खाना बना रही थीं। सिलिंडर से गैस का रिसाव होने से अचानक आग लग गई। कुछ ही पल में आग ऊपरी मंजिल पर फैल गई। लपटों के बीच कल्पना घिर गई। उस की चीखपुकार सुनकर घर के नीचे वाले हिस्से में मौजूद स्वजन व ग्रामीण ऊपर की और दौड़े, लेकिन आग के कारण पहुंच नहीं पाए। कल्पना ने भी बरामदे से कूदने का प्रयास किया, लेकिन कूद नहीं सकी। इस दौरन सबमर्सिबल चलाकर आग बुझाने का प्रयास शुरू किया। किसी तरह कल्पना को जली हुई अवस्था में बाहर निकाला गया। एसडीएम राजेश कुमार शुक्ला, सीओ शेखर सेंगर, मक्खनपुर थानाध्यक्ष चमन शर्मा और फायर ब्रिगेड टीम मौके पर पहुंची। आधा घंटे के प्रयास के बाद आग पर पूरी तरह से काबू पाया।


## कार्यालय, निदेशक, हृदय रोग संस्थान, कानपुर

### वर्तमान उपलध सेवायें

1. आयुष्मान भारत प्रधानमंत्री जन आरोग्य योजना में अबतक (माह जुलाई 2026) कुल 8620 हृदय रोगियों भर्ती कर उपचार किया गया है। 2. असाध्य रोग निःशुल्क उपचार योजना के अन्तर्गत संस्थान में वित्तीय वर्ष 2013-14 से अभी तक (माह जूलाई 2026) कुल 32231 निर्धन रोगियों का निःशुल्क (फ्री) उपचार किया। 3. आकस्मिक सेवायें (24×7). 4. सभी रक्त परीक्षण लिपिड प्रोफाइल तथा ट्राप-टी सहित, 4. सी0टी0 एन्जियो 128 स्लाइस, 5. एक्स-रे तीनों मंजिलों पर बेड साइड एक्स-रे सहित, 6. ई0सी0जी0, 7. होल्टर मानीटरिंग, 8. ईकोकार्डियोग्राफी- आउटडोर, इन्डोर तथा ओ0टी0 में, 9. एंजियोग्राफी एलेक्टिव तथा इमरजेन्सी, 10. एंजियोप्लास्टी तथा बी0 एम0वी0 (बैलूनिंग). 11. पेसमेकर इम्प्लान्टेशन, 12. कार्डियक सर्जरी, बीटिंग हार्ट बाईपास सर्जरी, ओपेन हार्ट सर्जरी, बीटिंग हार्ट वाल्व प्रत्यारोपण सर्जरी आदि, 13. लेजर सर्जरी वैरीकोज वेन्स, 14. वीडियो ब्रांकोस्कोपी, वीडियो इन्डोस्कोपी तथा फॉरेनबाडी रिमूवल, 15. वैस्कुलर सर्जरी सभी प्रकार की, 16. थोरैसिक सर्जरी सभी प्रकार की, 17. सूक्ष्म छिद्र प्रणाली सर्जरी (वैट्स), 18. फिजियोथिरैपी एवं कार्डियक रिहैबिलिटेशन 19. प्रथम 24 घण्टे समस्त उपचार निःशुल्क 20. हार्ट अटैक के रोगियों को जीवन रक्षक आकस्मिक सेवायें निःशुल्क राउन्ड द क्लाक 21. कैथलैब में बेहतर टेस्टिंग हेतु I.V.U.S तथा F.F.R. की सुविधा 22. सर्जिकल आइसीयू में पोस्ट आपरेटिव हृदय रोगियों के लिये CRRT मशीन की सुविधा 23. डिवाइस क्लोजर (बच्चों के दिल के छेद को बिना आपरेशन बन्द किये जाने) की सुविधा 24. इन्टेन्सिव कोरोनरी केयर तथा सर्जिकल आईसीयू की शैय्याओं की संख्या में उत्तरोत्तर वृद्धि। 25. भर्ती प्रत्येक रोगी व एक तीमारदार को निःशुल्क भोजन (दोनों समय चाय नाश्ता सहित)

### वर्ष 2026 की उपलधियाँ

1. मेडिकल आफिसर, मैट्रन, नर्सिंग आफिसर हेतु 32 फ्लैट का निर्माण। 2. डे-केयर ब्लाक का निर्माण प्रारम्भजिसमें आपरेशन थियेटर एवं कैथलैब की सुविधा उपलब्ध होगी। 3. संस्थान में 33 के0वी0ए0 सबस्टेशन की स्थापना, जिससे निरन्तर निर्बाद्ध विद्युत आपूर्ति की जा सके। 4. संस्थान के मुख्य भवन में 60 नई शैय्याओं के संचालन की व्यवस्था, 5. हृदय रोगियों को उच्चतम स्तर की सेवायें देने हेतु शिक्षण / प्रशिक्षण पर विशेष बल। 6. संस्थान के उत्कृष्ट शैक्षणिक एवं उपचार कार्य के परिणामस्वरूप एम0सीएच0 सी0वी0टी0एस0- 12 सीट तथा डी0एम0 (कार्डियोलाजी)- 12 सीट तथा डीएम (कार्डियक एनेस्थीसिया) सीट 6 सीट के साथ सुपरस्पेशियलटी कोर्स का संचालन किया जा रहा है, 7. डीएनबी वैस्कुलर सर्जरी 2 सीट, डीएनबी थोरैसिक सर्जरी 1 सीट के साथ संचालित है।, 8. संस्थान में एमएससी कार्डियो थोरैसिक नर्सिंग 20 सीट एवं बीएससी ओटीटी 20 सीट, ओटी टेक्नीशियन 40 सीट एवं कार्डियक टेक्नीशियन 40 सीट के साथ पैरामेडिकल कोर्सेज संचालित है। 9. सम्पूर्ण संस्थान भवन एवं प्राँगण का एलईडी लाइट एवं हरे पौधों द्वारा सौन्दर्याकारण, 10. रोगियों की सुविधा हेतु 24×7 इजरजेन्सी कन्ट्रोल रूम का संचालन, 11. बाउण्ड्रीवाल तथा भव्य प्रवेश द्वार का निर्माण। 12. संस्थान अब NABH मान्यता प्राप्त संस्थान बन गया है।

**आयुष्मान योजना के अन्तर्गत प्रथम आयुष्मान लाभार्थी के उपचार करने का गौरव तथा असाध्य रोग नियमावली के अन्तर्गत विगत वर्षों में सर्वाधिक लाभार्थियों को निःशुल्क उपचार प्रदान करने का गौरव हृदय रोग संस्थान, कानपुर को प्राप्त है।**

**संस्थान में प्रधानमंत्री जन आरोग्य आयुष्मान योजना, पं0 दीन दयाल उपाध्याय कैशलेस योजना एवं असाध्य रोग (हृदय रोग) नियमावली के अन्तर्गत हृदय रोगियों का पूर्णतः निःशुल्क उपचार किया जाता है।**

(डा0 राकेश कुमार वर्मा)
निदेशक


## विहिप ने मनाया अखंड भारत संकल्प दिवस

**कोंच(जालौन)-** विहिप एवं बजरंग दल के तत्वावधान में शुक्रवार को एसआरपी इंटर कॉलेज और ज्ञान मंदिर स्कूल में अखंड भारत संकल्प दिवस कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम में विहिप जिला मंत्री साकेत शांडिल्य ने छात्र-छात्राओं को अखंड भारत के संकल्प और देश विभाजन की त्रासदी के बारे में जानकारी दी। उन्होंने कहा कि 14 अगस्त को भारत विभाजन विभीषिका स्मृति दिवस के साथ अखंड भारत संकल्प दिवस के रूप में भी मनाया जाता है। वर्ष 1947 में देश के विभाजन को इतिहास की दुखद घटना बताते हुए उन्होंने कहा कि विभाजन के दौरान बड़ी संख्या में लोगों को जान गंवानी पड़ी और लाखों परिवारों को अपना घर-बार छोड़कर विस्थापित होना पड़ा। कार्यक्रम में सुमित अग्रवाल, बजरंग दल नगर संयोजक कुलदीप सोनी, मातृशक्ति की शैलजा श्रीवास्तव, मंजू अग्रवाल, कमलेश निरंजन, अवधेश पटेल पचीपुरी सहित विद्यालयों के छात्र-छात्राएं मौजूद रहे।

## तिरंगा अभियान राष्ट्र के प्रति जिम्मेदारी और स्वच्छता का संदेश देता है: विधायक

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

**कोंच(जालौन)-** हर घर तिरंगा अभियान के तहत शुक्रवार को भाजपा कार्यकर्ताओं ने नगर के सरोजनी नायडू पार्क में स्वच्छता अभियान चलाया। भाजपा नगर अध्यक्ष अंजू अग्रवाल के नेतृत्व में कार्यकर्ताओं ने पार्क परिसर सहित महापुरुषों की प्रतिमाओं और स्मारकों के आसपास साफ-सफाई कर स्वच्छता का संदेश दिया। अतिथि के रूप में माधौगढ़ विधायक मूलचंद्र निरंजन ने भी कार्यकर्ताओं के साथ अभियान में सहभागिता की। उन्होंने कहा कि हर घर तिरंगा अभियान केवल तिरंगा फहराने तक सीमित नहीं है, बल्कि यह राष्ट्र के प्रति जिम्मेदारी और अपने आसपास के वातावरण को स्वच्छ रखने का संदेश भी देता है। उन्होंने नागरिकों से स्वतंत्रता दिवस पर अपने घरों पर तिरंगा फहराने और देशहित में एकजुट होकर कार्य करने का आह्वान किया। अभियान के दौरान विधायक सहित कार्यकर्ताओं ने पार्क एवं प्रतिमाओं के आसपास जमा कचरा हटाया। साथ ही लोगों से सार्वजनिक स्थलों को स्वच्छ रखने और महापुरुषों के प्रति सम्मान की भावना बनाए रखने की अपील की गई। इस मौके पर अनिल कपूर, राजेंद्र दुबे, बाबूराम पाल, महेंद्र सोनी, सुशील दूरवार, प्रदीप वर्मा, नरेश कुशवाहा, नरेंद्र विश्वकर्मा, अतुल मिश्रा, इल्यास मकरानी, सभासद विनोद सोनी, अनिल वर्मा सहित कई कार्यकर्ता मौजूद रहे।

## कमिश्नरेट पुलिस द्वारा हर घर तिरंगा यात्रा का शुभारंभ

**कानपुर।** पुलिस आयुक्त कार्यालय से 'हर घर तिरंगा यात्रा 2026' का शुभारंभ किया गया। हाथों में तिरंगा और दिल में देश के लिए सम्मान के साथ पुलिस अधिकारियों एवं कर्मचारियों ने इस अभियान की शुरुआत की। इस अवसर पर पुलिस आयुक्त रघुबीर लाल द्वारा तिरंगा यात्रा को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया। कार्यक्रम में अपर पुलिस आयुक्त कानून-व्यवस्था डॉ. विपिन ताडा, अपर पुलिस आयुक्त संकल्प शर्मा, पुलिस उपायुक्त मुख्यालय दिनेश त्रिपाठी, अपर पुलिस उपायुक्त मुख्यालय स्नेहा तिवारी, अपर पुलिस उपायुक्त योगेश कुमार, अपर पुलिस उपायुक्त अर्चना सिंह, आरआई पुलिस लाइन सहित अन्य अधिकारी एवं कर्मचारीगण उपस्थित रहे। पुलिस आयुक्त रघुवीर लाल ने कहा कि तिरंगा हमारे लिए सिर्फ एक ध्वज नहीं, बल्कि हमारे वीर जवानों के बलिदान, देश की एकता और करोड़ों भारतीयों के गौरव की पहचान है।

# इफको फूलपुर में 'सहकार से समृद्धि' तक किसान गोष्ठी का सफल आयोजन

## इफको अध्यक्ष दिलीप संघानी ने किसानों को किया संबोधित; नैनो उर्वरकों एवं कृषि यंत्रों का वितरण।

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

दया शंकर त्रिपाठी।

**ब्यूरो प्रयागराज।** इफको की सहयोगी संस्था कोऑपरेटिव रूरल डेवलपमेंट ट्रस्ट (CORDET), फूलपुर में 'सहकार से समृद्धि' (संवाद ज समाधान ज समृद्धि) विषय पर एक भव्य किसान गोष्ठी का आयोजन किया गया। इस कार्यक्रम की अध्यक्षता एवं मुख्य अतिथि के रूप में इफको (IFFCO) के अध्यक्ष दिलीप संघानी उपस्थित रहे। ष्संस्थान में आगमन पर वरिष्ठ अधिकारियों, कर्मचारियों एवं किसान प्रतिनिधियों द्वारा मुख्य अतिथि दिलीप संघानी का विशाल पुष्पहार तथा पारंपरिक तिलक लगाकर भव्य एवं आत्मीय स्वागत किया गया। 'सहकारिता ही भारतीय कृषि और ग्रामीण अर्थव्यवस्था की असली ताकत है। इफको का मुख्य ध्येय न केवल

उर्वरक आपूर्ति करना है, बल्कि नैनो टेक्नोलॉजी (नैनो यूरिया एवं नैनो डीएपी) जैसी आधुनिक तकनीकों के माध्यम से खेती की लागत घटाना और किसानों की आय में वृद्धि करना है। ' श्री दिलीप संघानी,ने कृषि यंत्रों एवं नैनो उर्वरकों का वितरण कार्यक्रम के दौरान मुख्य अतिथि द्वारा उपस्थित किसानों को आधुनिक कृषि किट प्रदान किए गए: इफको नैनो उर्वरक किटः किसानों को नैनो यूरिया एवं नैनो डीएपी के उपयोग के प्रति प्रोत्साहित करते हुए किट का वितरण किया गया। कोरडेट बैटरी स्प्रेयरः किसानों को खेतों में सुगमता एवं प्रभावशीलता से छिड़काव करने हेतु आधुनिक स्प्रेयर मशीनें सौंपी गईं। डेयरी एवं गौ-संवर्धन इकाई का निरीक्षण गोष्ठी के पश्चात माननीय अध्यक्ष ने कोरडेट परिसर स्थित डेयरी एवं पशुधन विकास इकाई का भ्रमण व निरीक्षण किया। उन्होंने उन्नत नस्ल की गायों को हरा चारा खिलाया तथा कोरडेट द्वारा किसानों को दिए जा रहे उन्नत पशुपालन व जैविक कृषि प्रशिक्षण प्रयासों की सराहना की। इस अवसर पर इफको एवं कोरडेट के वरिष्ठ अधिकारी, कृषि वैज्ञानिक, स्थानीय जनप्रतिनिधि तथा बड़ी संख्या में क्षेत्र के किसान उपस्थित रहे। कोरडेट (CORDET) के बारे में: कोऑपरेटिव रूरल डेवलपमेंट ट्रस्ट (CORDET) इफको द्वारा स्थापित एक सामाजिक एवं ग्रामीण विकास संस्था है, जो किसानों को आधुनिक कृषि तकनीक, पशुपालन, मृदा परीक्षण एवं व्यावहारिक प्रशिक्षण प्रदान कर ग्रामीण भारत को सशक्त बनाने के लिए निरंतर कार्य कर रही है।

# महिला से गाली-गलौज और जान से मारने की धमकी, मुकदमा दर्ज

राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक
स्वतंत्र प्रभात
www.swatantraprabhat.com
जो लिखेगा, वही टिकेगा
पुलिस
112
आपात सेवाएं

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

**मोहनलालगंज, लखनऊ।** मोहनलालगंज कोतवाली क्षेत्र के सिसेंडी गांव में शुक्रवार देर रात महिला और उसके परिवार के साथ गाली-गलौज व जान से मारने की धमकी देने का मामला सामने आया है। पीड़िता की तहरीर पर पुलिस ने एक नामजद समेत तीन अज्ञात लोगों के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। सिसेंडी गांव निवासी कीर्ति सिंह पुत्री महादेव सिंह ने पुलिस को दी तहरीर में आरोप लगाया कि शुक्रवार देर रात मोहल्ले का मोहित पुत्र हरी बाथम अपने तीन अज्ञात साथियों के साथ उसके घर के पास पहुंचा। आरोप है कि सभी ने पीड़िता और उसके परिवार के साथ अभद्रता करते हुए गाली-गलौज की और जान से मारने की धमकी दी। पीड़िता के मुताबिक, आरोपियों की हरकत से परिवार में भय का माहौल बन गया। उसने तत्काल डायल 112 पर पुलिस को सूचना दी। पुलिस के मौके पर पहुंचने की भनक लगते ही नामजद आरोपी मौके से भाग निकला। इसके बाद पीड़िता ने मोहनलालगंज कोतवाली पहुंचकर पुलिस को लिखित शिकायत दी। तहरीर के आधार पर पुलिस ने मोहित और तीन अज्ञात आरोपियों के खिलाफ संबंधित धाराओं में मुकदमा दर्ज कर लिया। पुलिस का कहना है कि मामले की जांच की जा रही है। घटनास्थल और आसपास के लोगों से जानकारी जुटाने के साथ ही नामजद आरोपी की तलाश की जा रही है। जल्द आवश्यक कार्रवाई की जाएगी।

# जिला कारागार में निकली तिरंगा यात्रा, बंदियों ने पुष्पवर्षा कर किया स्वागत

## .....हर घर तिरंगा' अभियान के तहत वरिष्ठ अधीक्षक ने 15 अगस्त को घरों पर झंडा फहराने के दिए निर्देश।

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

**मोहनलालगंज, लखनऊ।** स्वतंत्रता दिवस से पहले जिला कारागार लखनऊ में शुक्रवार को देशभक्ति का माहौल देखने को मिला। वरिष्ठ अधीक्षक आरके जायसवाल के नेतृत्व में कारागार परिसर में तिरंगा यात्रा निकाली गई। यात्रा में कारागार के अधिकारी, कर्मचारी और बंदियों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया।

कारागार प्रशासन के अनुसार तिरंगा यात्रा का शुभारंभ द्वितीय द्वार से हुआ। यात्रा गिरदा प्रांगण से होते हुए चक्र संख्या-5, 3, 2, 1 और 4 से होकर महिला परिसर पहुंची। इसके बाद यात्रा कारागार के मुख्य द्वार पर पहुंचकर समाप्त हुई। यात्रा के दौरान विभिन्न चक्रों में बंदियों ने पुष्पवर्षा कर तिरंगे का स्वागत किया। 'भारत माता की जय' और

'वंदे मातरम' के नारों से पूरा कारागार परिसर गूंज उठा। बंदियों में देशभक्ति और उत्साह दिखाई दिया। यात्रा के समापन पर वरिष्ठ अधीक्षक आरके जायसवाल ने अधिकारियों और कर्मचारियों को संबोधित किया।

उन्होंने 'हर घर तिरंगा' अभियान को सफल बनाने के लिए सभी को 15 अगस्त के अवसर पर अपने-अपने घरों पर तिरंगा फहराने के निर्देश दिए। उन्होंने राष्ट्रीय एकता और अखंडता की भावना को मजबूत करने का आह्वान किया। इस दौरान जेलर ऋतिक प्रियदर्शी, सुनील दत्त मिश्र, अभय कुमार शुक्ल समेत सभी डिप्टी जेलर, बंदीरक्षक और बड़ी संख्या में बंदी मौजूद रहे। कारागार प्रशासन के अनुसार ऐसे आयोजनों से बंदियों में सकारात्मक सोच और देशभक्ति की भावना को बढ़ावा मिलता है।

# नगर आयुक्त ने हरिहरपुर और हसनपुर खेवली में नगर निगम की भूमि का किया

## दिव्यांग पार्क का निर्माण कार्य को जल्द से जल्द पूरा कराने के निर्देश

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

**लखनऊ।** नगर आयुक्त गौरव कुमार ने शुक्रवार को जोन-8 क्षेत्र के हरिहरपुर और हसनपुर खेवली में नगर निगम की भूमि तथा विभिन्न विकास परियोजनाओं का स्थलीय निरीक्षण कर प्रगति की समीक्षा की। इस दौरान उन्होंने नगर निगम की भूमि को सुरक्षित रखने के साथ ही निर्माणाधीन परियोजनाओं को निर्धारित समय-सीमा में पूरा कराने के निर्देश संबंधित अधिकारियों को दिए।निरीक्षण के दौरान नगर आयुक्त श्री गौरव कुमार के साथ अपर नगर आयुक्त पंकज श्रीवास्तव, सरोजनीनगर के एसडीएम श्री अभिषेक कुमार सिंह, संपत्ति प्रभारी श्री रिपुदमन सिंह, राजस्व विभाग की टीम तथा संबंधित क्षेत्र के लेखपाल मौजूद रहे। हरिहरपुर में नगर निगम एवं राजस्व विभाग की संयुक्त भूमि का अधिकारियों ने स्थलीय निरीक्षण किया।

निरीक्षण के दौरान भूमि की वर्तमान स्थिति और उपलब्ध रकबे की जानकारी ली गई। नगर आयुक्त ने अपर नगर आयुक्त को निर्देश दिए कि नगर निगम के हिस्से की भूमि का स्पष्ट रूप से चिह्नांकन कराया जाए और उसकी सुरक्षा के लिए फेंसिंग/तार-बाड़ कराई जाए, ताकि भूमि पर किसी प्रकार का अतिक्रमण न हो सके।इसके बाद फ्रेंड कॉलोनी के पास स्थित नगर निगम की अन्य भूमि का भी निरीक्षण किया गया। इस भूमि पर पहले से बाउंड्री वॉल का निर्माण हो चुका है। अधिकारियों ने मौके पर भूमि की वर्तमान स्थिति का जायजा लेते हुए आवश्यक व्यवस्थाओं की समीक्षा की। नगर आयुक्त ने दिव्यांग पार्क में चल रहे निर्माण कार्यों का भी निरीक्षण किया। पार्क का निर्माण कार्य अंतिम चरण में पाया गया। परियोजना के शेष कार्यों की प्रगति की समीक्षा करते हुए नगर आयुक्त ने अपर नगर आयुक्त श्री पंकज श्रीवास्तव को कार्य में तेजी लाने और जल्द निर्माण कार्य पूर्ण कराने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि परियोजना से जुड़े शेष कार्यों को प्राथमिकता के आधार पर पूरा किया जाए, ताकि पार्क को जल्द से जल्द उपयोग के लिए तैयार किया जा सके।दिव्यांग पार्क के समीप निर्माणाधीन साहित्यिक पार्क का भी नगर आयुक्त ने निरीक्षण किया। उन्होंने मौके पर चल रहे विकास एवं निर्माण कार्यों की प्रगति देखी तथा संबंधित अधिकारियों से कार्य की स्थिति की जानकारी ली। नगर आयुक्त ने अधिकारियों को निर्देशित किया कि साहित्यिक पार्क के निर्माण कार्यों में आवश्यक तेजी लाई जाए और सभी कार्यों को गुणवत्ता के साथ निर्धारित समय-सीमा में पूरा कराया जाए। उन्होंने परियोजनाओं की नियमित निगरानी करते हुए कार्यों की प्रगति सुनिश्चित करने के भी निर्देश दिए।

### संवेदहीनता की पराकाष्ठा, लखनऊ में अर्थी पर पिता का शव और सादे कागज पर अंगूठा लगवाता रहा बेटा

**लखनऊ।** राजधानी के रहीमाबाद थाना क्षेत्र से संवेदहीनता की पराकाष्ठा का एक वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हो रहा है। संपत्ति के लिए रिश्तों को शर्मसार करने वाला मामला खड़ौहा गांव से सामने आया है। ग्रामीणों ने इस पूरी घटना का चोरी-छिपे वीडियो बना लिया, जो अब सामने आने के बाद क्षेत्र में चर्चा का विषय बना हुआ है। संपत्ति के लालच में इकलौते बेटे ने पिता की मौत के बाद उनके अंतिम संस्कार से पहले शव से अंगूठे का निशान सादे कागजों पर लगवा लिया। बेटे के इस कृत्य में उसका चचेरा भाई भी मददगार बना। ग्रामीणों ने पूरी घटना का वीडियो बनाकर इंटरनेट मीडिया पर प्रसारित कर दिया। पुलिस ने गुरुवार को मामले का संज्ञान लेकर जांच शुरू कर दी है।खड़ौहा के 76 वर्षीय छत्रपाल का इकलौते बेटे महेंद्र और बहू लक्ष्मी से विवाद चल रहा था। पारिवारिक कलह के चलते 2023 में बुजुर्ग दंपती घर छोड़कर बेटियों के पास रहने लगे थे। छत्रपाल ने करीब साढ़े पांच बीघा जमीन में से तीन बीघा जमीन बेटियों सुमन, राजरानी व रामरानी के नाम बैनामा कर दी थी। बेटियों ने बाद में जमीन बेच दी। महेंद्र और उसकी पत्नी इसका विरोध कर रहे थे। मृतक की बेटी सुमन के मुताबिक, सात जुलाई को पिता की तबीयत खराब हुई तो महेंद्र इलाज कराने की बात कहकर उन्हें ले गया।

# अघईया गांव में गूंजा भोलेनाथ का जयकारा, भव्य पूजन में उमड़ा आस्था का सैलाब

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

**मोहनलालगंज, लखनऊ।** सावन मास के पावन अवसर पर क्षेत्र में जगह-जगह भगवान भोलेनाथ की आराधना, पूजन-अर्चन और रुद्राभिषेक का आयोजन किया जा रहा है। इसी क्रम में अघईया गांव में दिलीप तिवारी द्वारा भगवान भोलेनाथ का भव्य पूजन एवं विशेष आरती का आयोजन कराया गया। धार्मिक आयोजन में क्षेत्र के बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं ने पहुंचकर भगवान शिव का पूजन किया और उनका आशीर्वाद प्राप्त किया। पूजन के दौरान श्रद्धालुओं ने भगवान भोलेनाथ के जयकारे लगाए, जिससे पूरा वातावरण भक्तिमय हो गया। श्रद्धालुओं ने विधि-विधान से पूजा-अर्चना कर क्षेत्र की सुख-समृद्धि और खुशहाली की कामना की। इस अवसर पर दिलीप तिवारी ने भगवान भोलेनाथ से प्रार्थना करते हुए कहा कि गांव में सुख, शांति और आपसी एकता बनी रहे तथा क्षेत्र के सभी लोगों के जीवन में खुशहाली और समृद्धि आए। आयोजन के दौरान श्रद्धालुओं में विशेष उत्साह और भक्ति का माहौल देखने को मिला।

# योगी सरकार की नई पहल, 'उन्नति' से बदलेगी शिक्षकों के प्रशिक्षण की तस्वीर

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

**लखनऊ।** प्राथमिक शिक्षा के बुनियादी ढांचे को मजबूत करने के बाद अब योगी आदित्यनाथ सरकार ने शिक्षकों के क्षमता-विकास और प्रशिक्षण प्रक्रिया में ऐतिहासिक सुधार की दिशा में कदम बढ़ाया है। राज्य के प्राथमिक विद्यालयों के शिक्षकों एवं शिक्षामित्रों को दी जाने वाली अकादमिक ट्रेनिंग को अधिक गुणवत्तापूर्ण, प्रभावी और परिणामोन्मुख बनाने के लिए 'उन्नति' व्यवस्था की शुरुआत की गई है। इस मॉडल के जरिए यह सुनिश्चित किया जा रहा है कि प्रशिक्षण का वास्तविक लाभ सीधे कक्षाओं और बच्चों के सीखने के स्तर (Learning Outcomes) तक पहुंचे।

**कैस्केड लॉस पर लगेगा ब्रेक, मूल अवधारणाएं नहीं होंगी कमजोर**

प्रशिक्षण कार्यक्रमों की सबसे बड़ी चुनौती यह रहती है कि राज्य स्तर से जिला और ब्लॉक स्तर तक पहुंचते-पहुंचते प्रशिक्षण का मुख्य संदेश और गुणवत्ता कमजोर पड़ जाती है, जिसे तकनीकी भाषा में 'कैस्केड लॉस' कहा जाता है। 'उन्नति' पोर्टल इस कैस्केड लॉस को न्यूनतम करने वाली एक अत्याधुनिक ऑनलाइन पर्यवेक्षण प्रणाली है। ऑनलाइन निगरानी के माध्यम से यह सुनिश्चित किया जाएगा कि विशेषज्ञ द्वारा तैयार की गई शिक्षण पद्धतियां, शैक्षणिक समझ और नवाचार अंतिम स्तर के शिक्षक तक बिना किसी बदलाव के अपनी मूल प्रभावशीलता के साथ पहुंचे।

**एफएलएन और एनसीईआरटी की पाठ्यपुस्तकों पर विशेष जोर**

'उन्नति' के अंतर्गत प्राथमिक स्तर के शिक्षकों को बुनियादी साक्षरता एवं संख्यात्मकता (FLN) तथा एनसीईआरटी की नई पाठ्यपुस्तकों के प्रभावी उपयोग के लिए 5-दिवसीय गहन प्रशिक्षण दिया जा रहा है। इस दौरान शिक्षकों को केवल किताबी ज्ञान देने के बजाय, कक्षा की व्यावहारिक जरूरतों के अनुरूप गतिविधियों, टीएलएम और बाल-केंद्रित प्रक्रियाओं से जोड़ा जा रहा है। इसका मुख्य उद्देश्य भाषा और गणित की बुनियादी समझ को खेल-खेल में बच्चों तक पहुंचाने की क्षमता विकसित करना है।

**हाई-टेक्नोलॉजी से लैस होंगे ट्रेनिंग हॉल: लगेंगे वेबकैम और माइक**

प्रशिक्षण की लाइव मॉनिटरिंग के लिए राज्य परियोजना कार्यालय के अधिकारी और विषय-विशेषज्ञ सीधे वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से सत्रों में जुड़ेंगे। पारदर्शिता और गुणवत्ता सुनिश्चित करने के लिए प्रदेश के हर ट्रेनिंग हॉल में हाई-रिजॉल्यूशन वेबकैम, साउंड सिस्टम/माइक्रोफोन तथा हाई-स्पीड इंटरनेट कनेक्शन अनिवार्य कर दिया गया है। इससे राज्य स्तर पर बैठे विशेषज्ञ सीधे शिक्षकों से संवाद कर सकेंगे और उनकी शंकाओं का मौके पर ही समाधान कर सकेंगे।

**हर बैच का बनेगा अलग डिजिटल लिंक, बीईओ करेंगे समन्वय**

प्रशिक्षण प्रणाली को अनुशासित और व्यवस्थित रखने के लिए प्रत्येक प्रशिक्षण बैच का एक पृथक ऑनलाइन लिंक तैयार किया जाएगा। यह लिंक संबंधित खंड शिक्षा अधिकारी (ब्लॉक) द्वारा प्रशिक्षण शुरू होने से ठीक दो दिन पूर्व जनरेट कर सभी संबंधित प्लेटफार्म्स पर साझा किया जाएगा। इससे प्रत्येक बैच की गतिविधियों की नियमित उपस्थिति, सत्र संचालन और समयबद्धता पर रियल-टाइम निगरानी रखी जा सकेगी। बेसिक शिक्षा राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार) संदीप सिंह ने इस व्यवस्था पर विश्वास व्यक्त करते हुए कहा कि, 'योगी सरकार का प्राथमिक लक्ष्य शिक्षक प्रशिक्षण को एक औपचारिक कार्यक्रम तक सीमित न रखकर उसकी गुणवत्ता का सीधा लाभ बच्चों के शिक्षण स्तर तक पहुंचाना है। 'उन्नति' के माध्यम से ऑनलाइन निगरानी मजबूत होने से न केवल शिक्षकों की शैक्षणिक दक्षता बढ़ेगी, बल्कि यह प्रयास बेसिक शिक्षा के समग्र सुधार में मील का पत्थर साबित होगा। '

# शराब के नशे में गाली-गलौज कर रहे बेटे को पिता ने डांटा, चाकू से गर्दन पर किया वार

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

**मोहनलालगंज।** सिसेंडी के उत्तरगांव में शुक्रवार को शराब के नशे में गाली-गलौज कर रहे बेटे को डांटना बुजुर्ग पिता को भारी पड़ गया। आरोप है कि नाराज बेटे ने चाकू से पिता की गर्दन पर वार कर दिया। हमले में किसान गंभीर रूप से घायल हो गया। परिजन उसे मोहनलालगंज के एक निजी अस्पताल ले गए, जहां हालत नाजुक होने पर डॉक्टरों ने ट्रॉमा सेंटर रेफर कर दिया। घटना के बाद आरोपी मौके से फरार हो गया। उत्तरगांव निवासी बाबूलाल का बेटा शिव कुमार शुक्रवार को शराब के नशे में घर पर गाली-गलौज कर रहा था। ग्रामीणों के मुताबिक, शिव कुमार शराब पीने का आदी है और आए दिन नशे में हंगामा करता है। शुक्रवार को भी वह घर में गाली-गलौज कर रहा था। घर में मां, बेटी और बहू के सामने इस तरह गाली-गलौज करने पर बाबूलाल ने उसे डांटते हुए ऐसा करने से मना किया। आरोप है कि पिता की डांट से नाराज शिव कुमार ने चाकू उठाकर उनकी गर्दन पर वार कर दिया। चाकू लगते ही बाबूलाल लहूलुहान होकर जमीन पर गिर पड़े। वारदात के बाद आरोपी मौके से भाग निकला। पिता को घायल देखकर छोटे बेटे अजीत ने आसपास के लोगों की मदद से उन्हें मोहनलालगंज के निजी अस्पताल पहुंचाया। वहां प्राथमिक उपचार के बाद हालत गंभीर देखते हुए डॉक्टरों ने उन्हें ट्रॉमा सेंटर रेफर कर दिया। इंस्पेक्टर रामबाबू ने बताया कि घटना की जानकारी मिली है।

**हमले में किसान गंभीर रूप से घायल हो गया। परिजन उसे मोहनलालगंज के एक निजी अस्पताल ले गए, जहां हालत नाजुक होने पर डॉक्टरों ने ट्रॉमा सेंटर रेफर कर दिया। घटना के बाद आरोपी मौके से फरार हो गया। उत्तरगांव निवासी बाबूलाल का बेटा शिव कुमार शुक्रवार को शराब के नशे में गाली-गलौज कर रहा था।**

### विभाजन की विभीषिका देख भावुक हुए लोग

**ललितपुर।** स्वतंत्रता दिवस की पूर्व संध्या पर शुक्रवार 14 अगस्त को हर घर तिरंगा अभियान-2026 के अंतर्गत कल्याण सिंह सभागार में विभाजन विभीषिका स्मृति दिवस का आयोजन किया गया। जिलाधिकारी सत्य प्रकाश की अध्यक्षता में आयोजित कार्यक्रम में वर्ष 1947 के विभाजन के दौरान देशवासियों द्वारा झेली गई पीड़ा, विस्थापन और हिंसा को डॉक्यूमेंट्री, अभिलेखीय प्रदर्शनी तथा सांस्कृतिक प्रस्तुतियों के माध्यम से प्रदर्शित किया गया। विभाजन पर आधारित डॉक्यूमेंट्री देखकर सभागार में मौजूद लोग भावुक हो उठे और देश के बलिदानियों को श्रद्धांजलि अर्पित की। कार्यक्रम में सदर विधायक रामरतन कुशवाहा, जिला पंचायत अध्यक्ष कैलाश नारायण, जिलाध्यक्ष हरीशचन्द्र रावत, सहित अन्य जनप्रतिनिधियों की गरिमामयी उपस्थिति रही।

# मुख्य सचिव से रेलवे के प्रशिक्षु अधिकारियों ने की शिष्टाचार भेंट

**लखनऊ।** मुख्य सचिव एसपी गोयल से शुक्रवार को योजना भवन में इंडियन रेलवे मैनेजमेंट सर्विस (आईआरएमएस) और इंडियन रेलवे प्रोटेक्शन फोर्स सर्विस (आईआरपीएफएस) के प्रशिक्षु अधिकारियों ने शिष्टाचार भेंट की। मुख्य सचिव ने कहा कि रेलवे देश की आर्थिक और सामाजिक प्रगति का महत्वपूर्ण आधार है। भारतीय रेलवे प्रतिदिन बड़ी संख्या में नागरिकों को सुरक्षित, सुगम और समयबद्ध परिवहन सुविधा उपलब्ध कराता है। उन्होंने कहा कि महाकुंभ जैसे बड़े आयोजनों और कोविड-19 महामारी के चुनौतीपूर्ण दौर में भी रेलवे ने नागरिकों को सुरक्षित उनके गंतव्य तक पहुंचाने के साथ आवश्यक वस्तुओं की आपूर्ति बनाए रखने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। उन्होंने रेलवे सेवा में चयनित होने पर प्रशिक्षु अधिकारियों को बधाई देते हुए उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की। साथ ही अधिकारियों से अपने दायित्वों का निर्वहन पूरी निष्ठा, अनुशासन, संवेदनशीलता और समर्पण के साथ करने की अपेक्षा जताई। इस दौरान मुख्य सचिव ने प्रशिक्षु अधिकारियों से उनके प्रशिक्षण, अनुभव, कार्यक्षेत्र की चुनौतियों और सेवाकाल के दौरान आने वाली जिम्मेदारियों पर संवाद किया तथा उनके प्रश्नों के उत्तर दिए।

# संपादकीय

## आजादी का अमृत और आम आदमी

देश 79वें स्वतंत्रता दिवस की दहलीज पर खड़ा है। तिरंगा हर तरफ दिखाई दे रहा है, देशभक्ति के गीत वातावरण में गूंज रहे हैं और आजादी के संघर्ष की स्मृतियां फिर से हमारे सामने हैं। इन 79 वर्षों में भारत ने निस्संदेह लंबा सफर तय किया है। कभी खाद्यान्न के लिए दूसरे देशों पर निर्भर रहने वाला देश आज दुनिया की बड़ी अर्थव्यवस्थाओं में शामिल है। अंतरिक्ष से लेकर डिजिटल तकनीक तक भारत ने अपनी क्षमता का परिचय दिया है। सड़क, रेल, बिजली, बैंकिंग, मोबाइल और इंटरनेट जैसी सुविधाओं ने करोड़ों लोगों के जीवन को बदला है। लेकिन स्वतंत्रता दिवस केवल उपलब्धियों का उत्सव मनाने का अवसर नहीं है। यह आत्ममंथन का दिन भी है। सवाल यह नहीं कि भारत ने कितनी बड़ी इमारतें बनाईं, कितने किलोमीटर सड़कें बनाई या अर्थव्यवस्था कितनी बड़ी हुई। असली सवाल यह है कि इन उपलब्धियों का लाभ उस सामान्य नागरिक तक कितना पहुंचा, जिसके नाम पर विकास की पूरी राजनीति खड़ी की जाती है? किसी देश की वास्तविक प्रगति का सबसे विश्वसनीय पैमाना उसकी राजधानी के चमकते रास्ते नहीं, बल्कि छोटे शहर के दुकानदार, गांव के किसान, कारखाने के मजदूर, नौकरी तलाशता युवा, बच्चों की पढ़ाई के लिए संघर्ष करता परिवार और बीमारी के समय अस्पताल का खर्च उठाने वाला आम आदमी है। यही वह कसौटी है जिस पर आजादी के 79 वर्षों के सफर को परखना होगा। विकास की चमक और जिंदगी की वास्तविकता भारत में विकास दिखाई देता है। महानगरों में एक्सप्रेसवे हैं, नए हवाई अड्डे हैं, मेट्रो रेल है, डिजिटल भुगतान है और आधुनिक कारोबारी केंद्र हैं। छोटे शहर भी बदल रहे हैं। गांवों में सड़क और बिजली की पहुंच पहले की तुलना में बेहतर हुई है। मोबाइल फोन और इंटरनेट ने सूचना को लगभग हर हाथ तक पहुंचा दिया है। लेकिन विकास की यह तस्वीर पूरी कहानी नहीं है। एक तरफ भारत में तकनीक तेजी से आगे बढ़ रही है और दूसरी तरफ बड़ी संख्या में परिवार आज भी स्थायी और पर्याप्त आय की तलाश में हैं। एक तरफ डिजिटल अर्थव्यवस्था का विस्तार है और दूसरी तरफ रोजगार की गुणवत्ता, नियमित आमदनी और सामाजिक सुरक्षा की चिंता बनी हुई है। यही विरोधाभास आज के भारत की सबसे बड़ी चुनौती है। देश की अर्थव्यवस्था का आकार बढ़ना महत्वपूर्ण है, लेकिन नागरिक की आर्थिक सुरक्षा उससे भी अधिक महत्वपूर्ण है। अगर किसी परिवार की आय बढ़ती महंगाई के सामने लगातार कमजोर पड़ रही है, अगर शिक्षा और स्वास्थ्य का खर्च उसके बजट को हिला देता है, अगर पढ़ा-लिखा युवा रोजगार के लिए वर्षों इंतजार करता है, तो केवल सकल आर्थिक वृद्धि के आंकड़े उसकी चिंता को समाप्त नहीं कर सकते। आम आदमी के लिए विकास का मतलब क्या है? सरकारों के लिए विकास के अनेक पैमाने हो सकते हैं। सकल घरेलू उत्पाद, औद्योगिक उत्पादन, निर्यात, विदेशी निवेश, सड़क निर्माण, रेलवे परियोजनाएं और डिजिटल लेन-देन—ये सभी विकास की तस्वीर के महत्वपूर्ण हिस्से हैं। लेकिन आम आदमी के लिए विकास की परिभाषा कहीं सरल है। उसके लिए विकास का अर्थ है—घर में पर्याप्त आमदनी, बच्चों के लिए अच्छी शिक्षा, बीमारी में सस्ता और गुणवत्तापूर्ण इलाज, सुरक्षित रोजगार, सम्मानजनक जीवन, न्याय तक आसान पहुंच और भविष्य को लेकर भरोसा। एक किसान के लिए विकास का अर्थ केवल आधुनिक कृषि तकनीक नहीं, बल्कि उसकी उपज का उचित मूल्य और खेती को टिकाऊ बनाने वाली व्यवस्था भी है। एक मजदूर के लिए विकास का अर्थ केवल औद्योगिक परियोजना नहीं, बल्कि नियमित काम, उचित मजदूरी और सामाजिक सुरक्षा है। एक युवा के लिए विकास का अर्थ केवल स्टार्टअप या डिजिटल इंडिया नहीं, बल्कि अपनी योग्यता के अनुसार नौकरी या व्यवसाय का वास्तविक अवसर है। एक छोटे व्यापारी के लिए विकास का अर्थ केवल बड़े बाजार नहीं, बल्कि ऐसा कारोबारी वातावरण है जिसमें वह बिना अनावश्यक दबाव के अपना व्यवसाय चला सके। और एक सामान्य परिवार के लिए विकास का सबसे बड़ा अर्थ है—महीने के अंत में घर का बजट न बिगड़े। आजादी के 79 वर्षों में भारत की सबसे बड़ी उपलब्धियों में एक विशाल युवा आबादी का निर्माण भी है। भारत का युवा वर्ग देश की सबसे बड़ी ताकत बन सकता है। लेकिन यही युवा वर्ग अगर रोजगार और अवसरों की कमी से निराश होता है तो यही ताकत चुनौती में बदल सकती है। शिक्षा प्राप्त करने के बाद नौकरी की तलाश में वर्षों भटकता युवा केवल अपना समय नहीं खोता, बल्कि उसका आत्मविश्वास भी प्रभावित होता है। सरकारी नौकरियां सीमित हैं और निजी क्षेत्र में भी हर नौकरी स्थायी सुरक्षा नहीं देती। 79 साल बाद सवाल वही है 79 साल पहले भारत ने विदेशी शासन की बेड़ियां तोड़ी थीं। आज हमारे सामने बेड़ियों का स्वरूप अलग है—गरीबी, बेरोजगारी, असमानता, महंगाई, भ्रष्टाचार, न्याय में देरी, अवसरों की असमानता और व्यवस्था के प्रति नागरिक का अविश्वास। इनसे लड़ाई किसी एक सरकार, दल या विचारधारा की जिम्मेदारी नहीं है। यह पूरे राष्ट्र की जिम्मेदारी है।आज जब हम तिरंगे को सलाम करेंगे तो हमें अपनी उपलब्धियों पर गर्व जरूर करना चाहिए। लेकिन गर्व के साथ आत्ममंथन भी जरूरी है। क्योंकि स्वतंत्रता दिवस का अर्थ केवल यह याद करना नहीं कि हम आजाद हुए थे। इसका अर्थ यह पूछना भी है कि क्या देश का अंतिम नागरिक अपने जीवन में उस आजादी को महसूस कर पा रहा है? भारत ने 79 वर्षों में बहुत कुछ हासिल किया है। अब चुनौती यह है कि विकास की चमक और आम आदमी की जिंदगी के बीच की दूरी कम की जाए। जब देश की आर्थिक प्रगति का लाभ शहर से गांव तक, उद्योग से मजदूर तक, तकनीक से सामान्य नागरिक तक और सरकारी योजना से अंतिम व्यक्ति तक पहुंचेगा, तभी विकास का दावा वास्तविक अर्थ में सफल माना जाएगा। आजादी का अमृत तभी सार्थक होगा, जब उसका स्वाद देश के हर नागरिक की जिंदगी में महसूस हो। तिरंगा केवल आसमान में ऊंचा न हो—हर भारतीय का जीवन भी सम्मान, अवसर और सुरक्षा के साथ उतना ही ऊंचा उठे। यही स्वतंत्रता के अगले पड़ाव की सबसे बड़ी परीक्षा है।




**मेष**-मेष राशि के जातकों के लिए आज का दिन सक्रियता और तेजी से काम पूरा करने वाला हो सकता है। आपकी आक्रामक कार्यशैली कई महत्वपूर्ण कामों को समय से पहले पूरा कराने में मदद करेगी, लेकिन बहुत अधिक कठोर रवैया अपनाने से आसपास के लोगों से दूरी भी बढ़ सकती है।

**वृषभ**-वृषभ राशि के जातकों के लिए आज बदलावों का दिन रह सकता है। पुरानी कार्यप्रणाली या परंपरागत सोच में परिवर्तन करने की आवश्यकता महसूस होगी।

**मिथुन**-मिथुन राशि के जातकों को आज अपनी मेहनत का परिणाम मिलने से संतोष महसूस होगा। लंबे समय से किए जा रहे किसी प्रयास में प्रगति दिखाई दे सकती है।

**कर्क**-कर्क राशि के जातकों के लिए मिल-जुलकर किए गए कार्यों में सफलता मिलने की संभावना है। सहयोगियों या परिवार के लोगों के साथ सामंजस्य बनाकर चलेंगे तो कई काम अपेक्षा से जल्दी पूरे हो सकते हैं।

**सिंह**-सिंह राशि के जातकों के लिए आज महत्वपूर्ण कार्यों को प्राथमिकता देकर पूरा करने का समय है। परिस्थितियां आपके पक्ष में रह सकती हैं, इसलिए उपलब्ध अवसरों का समझदारी से उपयोग करना लाभकारी रहेगा।

**कन्या**-कन्या राशि के जातकों के लिए आज छोटी यात्राओं के योग बन सकते हैं। पर्यटन, धार्मिक गतिविधियों या पारिवारिक कारणों से यात्रा करनी पड़ सकती है। आर्थिक आवश्यकताओं को पूरा करने के लिए कुछ समय के लिए ऋण लेने की आवश्यकता महसूस हो सकती है, इसलिए अपनी वित्तीय क्षमता को ध्यान में रखकर ही निर्णय लें।

**तुला**-तुला राशि के जातकों के लिए आज अपनी सुविधाओं और कार्यक्षमता को बेहतर बनाने का समय है। काम करने का वातावरण अनुकूल बनाने से आपकी उत्पादकता बढ़ सकती है।

**वृश्चिक**-वृश्चिक राशि के जातकों को आज अपने लक्ष्य पर पूरी तरह ध्यान केंद्रित रखने की आवश्यकता होगी। एक साथ कई काम हाथ में लेने से आपकी एकाग्रता प्रभावित हो सकती है और महत्वपूर्ण कामों में देरी हो सकती है।

**धनु**-धनु राशि के जातकों के लिए आज राहत देने वाला दिन हो सकता है। लंबे समय से चली आ रही कुछ परेशानियों का समाधान मिलने की संभावना है और आर्थिक स्थिति में सुधार के संकेत दिखाई दे सकते हैं।

**मकर**-मकर राशि के जातकों को आज कामकाज में विशेष सतर्कता बरतनी होगी। पुराने सहयोगियों या साथ काम करने वाले लोगों पर आवश्यकता से अधिक भरोसा करने से बचना उचित रहेगा।

**कुंभ**-कुंभ राशि के जातकों के लिए आज जिम्मेदारियों को पूरा करने में समय और संसाधन दोनों खर्च हो सकते हैं। कई काम एक साथ सामने आने के कारण व्यस्तता बढ़ेगी, लेकिन योजनाबद्ध तरीके से काम करने पर आप सभी जिम्मेदारियों को संभाल पाएंगे।

**मीन**-मीन राशि के जातकों को आज न्यायालय या विवाद से जुड़े मामलों में विशेष सावधानी रखनी होगी। किसी कानूनी विषय में अपना पक्ष मजबूती से रखने के लिए पहले से पूरी तैयारी करना जरूरी होगा।

# इफको फूलपुर: कृषि उत्कृष्टता को प्रेरित करना, भारत के भविष्य को मजबूत करना



इंडियन फार्मर्स फर्टिलाइजर कोऑपरेटिव लिमिटेड (इफको) एक प्रमुख बहु-राज्य सहकारी संस्था है जिसकी स्थापना 1967 में 57 सहकारी समितियों द्वारा भारतीय कृषि को मजबूत करने, किसानों की समृद्धि बढ़ाने और देश की खाद्य सुरक्षा में योगदान करने के मिशन के साथ की गई थी। पिछले कुछ वर्षों में, इफको दुनिया के सबसे बड़े सहकारी संगठनों में से एक के रूप में विकसित हुआ है, जो देश भर में 35,600 से अधिक सहकारी समितियों के व्यापक नेटवर्क के माध्यम से 5 करोड़ से अधिक किसानों की सेवा कर रहा है।लगभग छह दशकों से, इफको ने गुणवत्तापूर्ण उर्वरक वितरित करके, टिकाऊ कृषि पद्धतियों को बढ़ावा देकर कृषि उत्पादकता को आगे बढ़ाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है। नवाचार के प्रति अपनी प्रतिबद्धता को मजबूत करते हुए, इफको ने नैनो उर्वरकों के विकास का बीड़ा उठाया है, जिसमें नैनो यूरिया (तरल), नैनो डीएपी (तरल) और नैनो एनपीके (दानेदार ) के साथ-साथ नैनो एनपीके (तरल) जैसे क्रांतिकारी उत्पाद पेश किए गए हैं। ये अत्याधुनिक उर्वरक पोषक तत्वों के उपयोग की दक्षता को बढ़ाते हैं, पारंपरिक उर्वरकों की खपत को कम करते हैं, कृषि के पर्यावरणीय प्रभाव को कम करते हैं और टिकाऊ फसल उत्पादन का समर्थन करते हैं। इफको का नैनो तरल उर्वरक, केवल 20-50 नैनोमीटर के कणों के आकार के साथ, पत्तेदार स्प्रे या मिट्टी के अनुप्रयोग के माध्यम से सीधे पौधे के तनों और जड़ों में प्रवेश करता है। फसलें तुरंत 80-90 प्रतिशत पोषक तत्वों को अवशोषित कर लेती हैं, जिससे विकास, क्लोरोफिल सामग्री और प्रकाश संश्लेषण को 20-30 प्रतिशत तक बढ़ाया जाता है, जैसा कि 13 राज्यों में 15,000 से अधिक किसान परीक्षणों में यह साबित हुआ है। पिछले साल भारत में लगभग 2.5 लाख करोड़ रुपये के आयातित उर्वरकों की खपत हुई थी, इफको नैनो उर्वरक के उपयुक्त उपयोग और अनुप्रयोग में हमारे विदेशी भंडार की रक्षा करने और आयातित उर्वरकों पर देश की निर्भरता को कम करने की क्षमता है। इफको ने अपने नैनो उर्वरकों को दक्षिण पूर्व एशिया, अफ्रीका और उत्तरी अमेरिका के देशों में निर्यात करके उनकी वैश्विक पहुंच का विस्तार किया है। हाल ही में, कंपनी को कोलंबिया को नैनो उर्वरकों के निर्यात के लिए आवश्यक नियामक अनुमोदन प्राप्त हुआ, जिससे इसकी अंतरराष्ट्रीय उपस्थिति और मजबूत हुई। अपने उत्पादों के निर्यात के अलावा, इफको अपनी पेटेंट की गई नैनो उर्वरक तकनीक को भागीदार देशों के साथ भी साझा कर रहा है, जिससे दुनिया भर के किसान टिकाऊ कृषि पद्धतियों को अपनाने और अभिनव और पर्यावरण के अनुकूल समाधानों के माध्यम से फसल उत्पादकता में सुधार करने में सक्षम हो सकते हैं। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के दूरदर्शी मार्गदर्शन एवं माननीय श्री अमित शाह जी के नेतृत्व में, सहकारिता मंत्रालय ने स्थापना के गौरवशाली 5 वर्ष पूरे किए हैं। इफको 'सहकार से समृद्धि', 'आत्मनिर्भर भारत' और 'आत्मनिर्भर कृषि' के राष्ट्रीय दृष्टिकोण के साथ मजबूती से जुड़ा हुआ है। 'समृद्ध किसान, समृद्ध राष्ट्र' की सहकारी भावना से निर्देशित, इफको सहकारी आंदोलन को मजबूत करने और पूरे भारत में लाखों किसानों के जीवन को बेहतर बनाने की दिशा में काम करना जारी रखे हुए है। गुणवत्तापूर्ण कृषि इनपुट प्रदान करके, नवीन तकनीकों को अपनाकर और किसान-केंद्रित पहलों को लागू करके, इफको फसल उत्पादकता में सुधार करने में मदद करता है, ग्रामीण विकास का समर्थन करता है और भारत की खाद्य सुरक्षा और कृषि आत्मनिर्भरता में योगदान देता है।वर्ष 2025-26 में, इफको ने पूरे भारत में अपनी पांच अत्याधुनिक विनिर्माण सुविधाओं से लगभग 91 लाख मीट्रिक टन पारंपरिक उर्वरकों का उत्पादन किया, जो देश के फॉस्फेटिक उर्वरकों में लगभग 27 प्रतिशत और नाइट्रोजनयुक्त उर्वरकों में 20 प्रतिशत का योगदान देता है। पिछले साल इफको उर्वरक की बिक्री 121 लाख मीट्रिक टन से अधिक पारंपरिक उर्वरकों की थी।इफको के व्यापक उत्पाद पोर्टफोलियो - जिसमें नाइट्रोजन, फॉस्फेटिक, जैव उर्वरक, पानी में घुलनशील विशेष उत्पाद नैनो उर्वरक ने कृषि उत्पादकता और स्थिरता को बढ़ाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है। पिछले वित्तीय वर्ष में नैनो उर्वरक की बिक्री 288 लाख बोतलों की हुई थी। इफको की इंडियन पोटाश लिमिटेड में 34 प्रतिशत हिस्सेदारी है जो भारत सरकार के लिए रणनीतिक महत्व रखता है। आईपीएल भारत की अग्रणी उर्वरक कंपनियों में से एक और देश के खाद्य सुरक्षा मिशन में एक प्रमुख भागीदार के रूप में विकसित हुआ है। इफको फूलपुर इकाई में 1981 से यूरिया का व्यावसायिक उत्पादन किया गया था और तब से इफको फूलपुर इकाई भारत के उर्वरक पारिस्थितिकी तंत्र में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रही है। वित्त वर्ष 2025-26 के दौरान, यूनिट ने 19.47 लाख मीट्रिक टन से अधिक नीम लेपित यूरिया का उत्पादन किया। स्थापना के बाद से, फूलपुर इकाई ने 548.5 लाख मीट्रिक टन से अधिक यूरिया उर्वरक का उत्पादन किया है, जो राष्ट्रीय खाद्य सुरक्षा में महत्वपूर्ण योगदान दे रहा है। अब तक, फूलपुर इकाई ने नैनो यूरिया प्लस लिक्विड की 244.8 लाख बोतलें और नैनो डीएपी लिक्विड की 12.1 लाख बोतलें (प्रत्येक 500 मिलीलीटर) का उत्पादन किया है। कुल मिलाकर, ये लगभग 11.5 लाख मीट्रिक टन पारंपरिक उर्वरकों के बराबर हैं, जो टिकाऊ कृषि में इफको फूलपुर के महत्वपूर्ण योगदान और अगली पीढ़ी की उर्वरक प्रौद्योगिकियों में इसके नेतृत्व को उजागर करते हैं। उर्वरक विभाग, भारत सरकार द्वारा संशोधित ऊर्जा मानदंडों के कार्यान्वयन के साथ, परिचालन विश्वसनीयता बढ़ाना और ऊर्जा दक्षता में सुधार करना उर्वरक विनिर्माण इकाइयों के लिए महत्वपूर्ण प्राथमिकताएं बन गई हैं। फूलपुर-I के लिए नए ऊर्जा मानकों को 6.5 गीगा कैलोरी/मैट्रिक टन से घटाकर 6.278 गीगा कैलोरी/मैट्रिक टन और फूलपुर-II में 5.5 गीगा कैलोरी/मैट्रिक टन से घटाकर 5.376 गीगा कैलोरी/मैट्रिक टन कर दिया गया है। नीति में इस एकल बदलाव के साथ; इससे लगभग 110 करोड़ रुपये का वित्तीय प्रभाव पड़ेगा। अप्रैल 2025 में त्रिभुवन सहकारी विश्वविद्यालय अधिनियम के दिशानिर्देशों के तहत, भारत का पहला राष्ट्रीय सहकारी विश्वविद्यालय त्रिभुवन सहकारी विश्वविद्यालय (TSU) गुजरात के आनंद में स्थापित किया गया है। जिसका लक्ष्य सहकार से समृद्धि के दृष्टिकोण को साकार करने एवं सहकारी आंदोलन को मजबूत करने के लिए कुशल कार्यबल का निर्माण करना है। नवाचार इफको के दृष्टिकोण के केंद्र में रहता है। एआई-संचालित किसान ड्रोन ने नैनो उर्वरकों के अनुप्रयोग में सटीकता का एक नया स्तर पेश किया है, जो एक समान छिड़काव सुनिश्चित करता है, पोषक तत्वों के उपयोग दक्षता में सुधार करता है, लागत को कम करता है और कृषि उत्पादकता में वृद्धि करता है। साथ ही, प्रौद्योगिकी ग्रामीण युवाओं और उद्यमियों के लिए आजीविका के नए अवसर पैदा कर रही है। इफको महिलाओं को ड्रोन संचालन और रखरखाव में प्रशिक्षित करके भारत सरकार की नमो ड्रोन दीदी पहल का भी समर्थन कर रहा है, जिससे वे कृषि क्षेत्र में कुशल सेवा प्रदाता और उद्यमी बन सकें। यह पहल ग्रामीण क्षेत्रों में आय के स्थायी स्रोत बनाते हुए आधुनिक खेती में महिलाओं की भागीदारी बढ़ाने में मदद कर रही है। इफको फूलपुर इकाई को उत्पादन, ऊर्जा संरक्षण, पर्यावरण संरक्षण और सुरक्षा में उत्कृष्टता के लिए लगातार प्रशंसा मिली है। कैलेंडर वर्ष में प्राप्त उल्लेखनीय पुरस्कारों में शामिल हैंः ष्इफको फूलपुर ने 2025 के दौरान अच्छे स्वास्थ्य और सुरक्षा प्रबंधन के लिए एक मजबूत प्रतिबद्धता प्रदर्शित करने के लिए ब्रिटिश सुरक्षा परिषद के अंतर्राष्ट्रीय सुरक्षा पुरस्कार 2026 में प्रतिष्ठित 'डिस्टिंक्शन अवार्ड' प्राप्त करके वैश्विक मान्यता प्राप्त की है। पुरस्कार समारोह 21 मई 2026 को मुंबई में आयोजित किया गया था। इफको फूलपुर इकाई को 'ग्रो केयर इंडिया एनवायरनमेंट एक्सीलेंस अवार्ड्स - 2025' के लिए उर्वरक क्षेत्र में स्वर्ण पुरस्कार मिला है। इस पुरस्कार को 17 जनवरी 2026 को नई दिल्ली में सम्मानित किया गया। इफको फूलपुर इकाई को ग्रो केयर इंडिया पर्यावरण उत्कृष्टता पुरस्कार-2025 के उर्वरक क्षेत्र में स्वर्ण पुरस्कार मिला है। इस पुरस्कार को 17 जनवरी 2026 को नई दिल्ली में सम्मानित किया गया। इफको का यह मानना है कि असली सफलता ग्रामीण भारत की प्रगति और कल्याण में निहित है। कॉर्डेट (कोआपरेटिव रूरल डेवलपमेंट ट्रट) एवं यहाँ स्थापित मोतीलाल नेहरू किसान प्रशिक्षण संस्थान किसानों को आधुनिक और टिकाऊ कृषि पद्धतियों में प्रशिक्षण प्रदान करता है। इफको फूलपुर इकाई स्थानीय समुदायों से प्राप्त नीम के बीज का उपयोग करके नीम लेपित यूरिया ,जैव-उर्वरक और नीम के तेल का भी उत्पादन करती है, जिससे स्थायी कृषि और ग्रामीण आजीविका दोनों का समर्थन होता है। इफको फूलपुर इकाई केंद्रीय विद्यालय कल्याण कार्यक्रम, समन्वित ग्रामीण विकास कार्यक्रम (आईआरडीपी), महिला चेतना क्लब और ओम कल्याण समिति जैसी पहलों के माध्यम से सामुदायिक विकास में सक्रिय रूप से योगदान देती है। ये कार्यक्रम स्वच्छता सुविधाएं, सुरक्षित पेयजल, सौर प्रकाश, स्वास्थ्य सेवाएं, शैक्षिक सहायता और आवश्यक आपूर्ति का वितरण प्रदान करके आस-पास के गांवों में जीवन की गुणवत्ता में सुधार करने पर ध्यान केंद्रित करते हैं।

# विभाजन की विभीषिका को स्मरण कर एकता का संकल्प



(आदर अदीब पावेल बन्धु)
जिला सूचना अधिकारी

भारत के इतिहास में स्वतंत्रता का क्षण जितना गौरवपूर्ण था, उसके साथ जुड़ी विभाजन की त्रासदी उतनी ही पीड़ादायक थी। 15 अगस्त 1947 को देश ने पराधीनता की बेड़ियां तोड़कर स्वतंत्रता का सूर्य देखा, लेकिन इसी कालखंड में लाखों लोगों ने अपने घर, परिवार, संपत्ति और जन्मभूमि से बिछुड़ने का असहनीय दर्द भी झेला। विभाजन केवल भारत के भूगोल का बंटवारा नहीं था, बल्कि यह करोड़ों मनुष्यों की भावनाओं, स्मृतियों और जीवन की दिशा को बदल देने वाली ऐतिहासिक त्रासदी थी। विभाजन के दौरान लाखों लोगों को अपना घर-बार छोड़कर अनजान स्थानों की ओर पलायन करना पड़ा। अनेक परिवार अपनों से बिछड़ गए, असंख्य लोगों ने अपने प्राण गंवाए और बड़ी संख्या में लोगों ने वर्षों तक विस्थापन की पीड़ा को अपने हृदय में संजोए रखा। यह पीड़ा केवल उस पीढ़ी तक सीमित नहीं रही, बल्कि उनकी स्मृतियों और अनुभवों के माध्यम से आने वाली पीढ़ियों तक पहुंची। इसलिए विभाजन की विभीषिका को स्मरण करना इतिहास के एक दुखद अध्याय को दोहराना नहीं, बल्कि उससे सीख लेकर भविष्य को सुरक्षित और बेहतर बनाने का संकल्प लेना है। इसी भाव और संवेदना के साथ मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के नेतृत्व में उत्तर प्रदेश सरकार द्वारा प्रत्येक वर्ष विभाजन विभीषिका स्मृति दिवस मनाया जाता है। इसका उद्देश्य विभाजन की त्रासदी में अपने प्राण गंवाने वाले लोगों को श्रद्धांजलि देना, विस्थापन का दंश झेलने वाले परिवारों के संघर्ष और साहस को सम्मान देना तथा नई पीढ़ी को उस दौर की पीड़ा से परिचित कराना है। यह दिवस राष्ट्रीय एकता, अखंडता और सामाजिक समरसता के महत्व को भी रेखांकित करता है। इस अवसर पर लखनऊ में सरदार पटेल पार्क में लौह पुरुष सरदार वल्लभभाई पटेल की प्रतिमा पर पुष्पांजलि अर्पित कर विभाजन की विभीषिका में पीड़ित हुए लोगों को श्रद्धापूर्वक नमन किया गया। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के नेतृत्व में दोनों उपमुख्यमंत्रियों तथा मंत्रिमंडल के सदस्यों ने सरदार पटेल की प्रतिमा पर पुष्पांजलि अर्पित की। इसके पश्चात सरदार पटेल पार्क से लोकभवन तक मौन यात्रा निकाली गई। मौन यात्रा उस पीड़ा के प्रति संवेदना की अभिव्यक्ति थी, जिसे शब्दों में व्यक्त करना संभव नहीं। यह मौन उन लाखों लोगों की स्मृतियों के सम्मान के साथ-साथ राष्ट्रीय एकता और अखंडता के प्रति सामूहिक संकल्प का प्रतीक बना। सरदार पटेल को श्रद्धांजलि अर्पित करने का अपना विशेष महत्व है। भारत की एकता और अखंडता को सुदृढ़ करने में सरदार वल्लभभाई पटेल का योगदान अतुलनीय रहा। उन्होंने अपनी दृढ़ इच्छाशक्ति और राष्ट्रहित के प्रति अटूट प्रतिबद्धता से देश को एकता के सूत्र में पिरोने का ऐतिहासिक कार्य किया। ऐसे महान राष्ट्रनायक की प्रतिमा के समक्ष पुष्पांजलि और उसके बाद निकली मौन यात्रा ने विभाजन की पीड़ा और राष्ट्रीय एकता के संकल्प को एक साथ जोड़ दिया। मौन यात्रा के पश्चात लोकभवन के सभागार में विभाजन की त्रासदी से प्रभावित विभिन्न धर्मों के लोगों ने अपने जीवन की पीड़ादायक स्मृतियां साझा कीं। उन्होंने बताया कि किस प्रकार विभाजन के दौरान उन्हें अपने घरों, परिचित परिवेश और प्रियजनों से बिछड़ना पड़ा। उनके अनुभवों में पीड़ा भी थी, संघर्ष भी था और विपरीत परिस्थितियों में जीवन को फिर से खड़ा करने का अदम्य साहस भी। सभागार में साझा की गईं ये आपबीती केवल व्यक्तिगत कहानियां नहीं थीं, बल्कि इतिहास के उस दौर की जीवंत स्मृतियां थीं, जिन्होंने उपस्थित लोगों को भावुक कर दिया। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने विभाजन पीड़ितों की आपबीती को संवेदनशीलता के साथ सुना और उनका सम्मान किया। विभाजन की पीड़ा झेलने वाले लोगों को सम्मानित करना उस पीढ़ी के साहस, धैर्य और संघर्ष को नमन करना है, जिसने विपरीत परिस्थितियों के बावजूद अपने जीवन को पुन: स्थापित किया और राष्ट्र निर्माण में महत्वपूर्ण योगदान दिया। उनके अनुभव यह बताते हैं कि मनुष्य का साहस किसी भी विपदा से बड़ा होता है और राष्ट्र की चेतना किसी भी त्रासदी के बाद पुन: उठ खड़ी होने की क्षमता रखती है। विभाजन की त्रासदी से पीड़ित विभिन्न धर्मों के लोगों का एक मंच पर अपनी पीड़ा साझा करना भारतीय समाज की उस सांस्कृतिक शक्ति का भी प्रतीक है, जिसमें विविधता के बावजूद एकता और मानवीय संवेदना सर्वोपरि है। विभाजन ने लोगों को बांटा था, लेकिन समय ने यह भी सिद्ध किया कि भारत की आत्मा को स्थायी रूप से विभाजित नहीं किया जा सकता। पीड़ितों की स्मृतियों को सम्मान देना इसी मानवीय एकता का संदेश देता है।वर्तमान सरकार द्वारा प्रत्येक वर्ष विभाजन विभीषिका स्मृति दिवस मनाया जाना इस बात का प्रमाण है कि इतिहास के इस पीड़ादायक अध्याय को विस्मृत नहीं होने दिया जा रहा है। स्मृति दिवस के माध्यम से युवा पीढ़ी को यह समझने का अवसर मिलता है कि राष्ट्रीय एकता और सामाजिक सौहार्द कितने महत्वपूर्ण हैं। इतिहास की गलतियों से सीख लेकर ही एक ऐसा भविष्य बनाया जा सकता है, जहां समाज में अविश्वास और वैमनस्य के लिए कोई स्थान न हो।विभाजन की पीड़ा हमें यह भी सिखाती है कि राष्ट्र की शक्ति केवल उसकी सीमाओं में नहीं, बल्कि नागरिकों के बीच विश्वास, सद्भाव और एकता में निहित होती है। भारत की विविधता उसकी कमजोरी नहीं, बल्कि उसकी सबसे बड़ी ताकत है। अलग-अलग धर्मों, भाषाओं, संस्कृतियों और परंपराओं के लोग जब राष्ट्रहित के एक सूत्र में बंधते हैं, तभी भारत की वास्तविक शक्ति प्रकट होती है।मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के नेतृत्व में आयोजित यह कार्यक्रम इसी व्यापक संदेश को सामने रखता है कि अतीत की पीड़ा को स्मरण करते हुए वर्तमान को सजग और भविष्य को सुरक्षित बनाया जाए। सरदार पटेल पार्क में पुष्पांजलि, लोकभवन तक मौन यात्रा और विभाजन पीड़ितों की आपबीती सुनना—इन सभी गतिविधियों ने मिलकर विभाजन विभीषिका स्मृति दिवस को संवेदना, श्रद्धा और राष्ट्रीय संकल्प का स्वरूप प्रदान किया। विभाजन की विभीषिका का दर्द हमारे इतिहास का ऐसा अध्याय है, जिसे भुलाया नहीं जा सकता और न ही भुलाया जाना चाहिए। लेकिन इस दर्द को स्मरण करने का उद्देश्य नफरत को जन्म देना नहीं, बल्कि प्रेम, भाईचारे, सामाजिक समरसता और राष्ट्रीय एकता को मजबूत करना होना चाहिए। विभाजन पीड़ितों के संघर्ष और बलिदान से प्रेरणा लेकर हमें ऐसा भारत बनाने का संकल्प लेना होगा, जहां हर नागरिक स्वयं को सुरक्षित, सम्मानित और राष्ट्र की विकास यात्रा का अभिन्न हिस्सा महसूस करे। आज आवश्यकता है कि हम विभाजन की स्मृतियों को संजोते हुए उनसे एकता का संदेश ग्रहण करें। विभाजन विभीषिका स्मृति दिवस हमें यही प्रेरणा देता है कि इतिहास की पीड़ा से सीख लेकर भविष्य की राह प्रशस्त की जाए। उन सभी ज्ञात-अज्ञात लोगों को नमन, जिन्होंने विभाजन की त्रासदी में अपने प्राण गंवाए, अपने घर खोए और विस्थापन का दर्द सहा। उनकी स्मृतियां हमारी राष्ट्रीय चेतना को सदैव यह संदेश देती रहें कि भारत की एकता, अखंडता और सामाजिक समरसता ही राष्ट्र की सबसे बड़ी शक्ति है।

# दांतों का पीलापन : बेकिंग सोडा से नींबू तक, जानिए किसका है फायदा और किससे हो सकता है नुकसान

नई दिल्ली। सफेद और चमकदार दांत हर किसी को अच्छे लगते हैं। हंसते समय साफ दांत चेहरे की खूबसूरती बढ़ाते हैं और आत्मविश्वास भी बढ़ाते हैं। यही वजह है कि आजकल सोशल मीडिया पर दांतों को जल्दी सफेद करने के कई घरेलू तरीके बताए जाते हैं। कोई बेकिंग सोडा से दांत साफ करने की सलाह देता है, तो कोई नींबू, हल्दी या सिरके का इस्तेमाल करने की बात करता है। कई वीडियो में तो यह तक दावा किया जाता है कि कुछ ही मिनटों में दांतों का पीलापन दूर किया जा सकता है। लेकिन दांतों का रंग बदलना इतना आसान नहीं होता। कुछ घरेलू चीजें दांतों के ऊपर जमा हल्के दाग को थोड़ी देर के लिए कम कर सकती हैं, लेकिन इससे दांत अंदर से सफेद नहीं होते। इसलिए दांतों को सफेद करने से पहले यह समझना जरूरी है कि उनका रंग क्यों बदलता है और अलग-अलग घरेलू चीजें दांतों पर क्या असर डालती हैं। दांतों के पीले दिखने की सबसे आम वजह खाने-पीने की चीजें हो सकती हैं। चाय, कॉफी, तंबाकू और कार्बोनेटेड पेय पदार्थों में मौजूद वर्णक दांतों की इनेमल सतह पर चिपक जाते हैं। नियमित रूप से मुंह और दांतों की उचित स्वच्छता न अपनाने पर यह वर्णक स्थायी रूप से पीले या भूरे दागों में बदल जाते हैं। उम्र बढ़ने के साथ भी दांतों का रंग बदलना सामान्य है। दांतों के बाहर एक मजबूत परत होती है, जिसे इनेमल कहते हैं। समय के साथ यह परत थोड़ी पतली हो जाती है। इसके नीचे डेंटिन नाम की परत होती है, जिसका रंग प्राकृतिक रूप से हल्का पीला होता है। इनेमल पतला होने पर डेंटिन ज्यादा दिखाई देता है और दांत पीले लग सकते हैं। ऐसी स्थिति में सिर्फ ऊपर से दाग साफ करने से दांत पूरी तरह सफेद नहीं होते। बात करें अगर बेकिंग सोडा की, तो बेकिंग सोडा दांतों को साफ करने वाले कई टूथपेस्ट में भी इस्तेमाल होता है। यह दांतों की सतह पर मौजूद कुछ दागों को हल्के तरीके से हटाने में मदद करता है, लेकिन दांत का प्राकृतिक रंग नहीं बदलता। कई लोग बेकिंग सोडा लेकर उसे बार-बार और जोर से दांतों पर रगड़ने लगते है। ज्यादा रगड़ने से दांतों की बाहरी परत घिस सकती है। इससे दांतों में ठंडा-गरम लगने की परेशानी यानी संवेदनशीलता बढ़ जाती है। इसलिए बेकिंग सोडा को दांत सफेद करने का चमत्कारी घरेलू उपाय समझना सही नहीं है।वहीं नींबू और सिरका दांतों के लिए नुकसानदायक हो सकते है। नींबू और सिरका खट्टे होते हैं। इनमें मौजूद एसिड दांतों की बाहरी परत को धीरे-धीरे कमजोर करता है। अगर कोई व्यक्ति इन्हें बार-बार दांतों पर लगाता है या इनसे दांत रगड़ता है, तो इनेमल को नुकसान पहुंच सकता है। इनेमल खराब होने के बाद वह पहले जैसा वापस नहीं बन पाता। इसके कमजोर होने पर दांतों में झनझनाहट की परेशानी हो सकती है। साथ ही नीचे मौजूद पीली परत ज्यादा दिखाई देने लगती है। दांत सफेद करने के चक्कर में उल्टा उनका पीलापन ज्यादा नजर आ सकता है।

दांतों को सफेद रखने के लिए कई वैज्ञानिक तरीके मौजूद है। दांतों को सफेद करने वाले कई वैज्ञानिक प्रोडक्ट्स में पेरोक्साइड नाम का पदार्थ इस्तेमाल होता है। यह दांतों में मौजूद उन कणों पर असर करता है, जिनकी वजह से दांत पीले दिखाई देते हैं। यह इन कणों को छोटे हिस्सों में तोड़ने में मदद करता है।बाजार में मिलने वाले सही तरीके से बने व्हाइटनिंग स्ट्रिप्स और जैल धीरे-धीरे असर दिखा सकते हैं। वहीं, डेंटिस्ट की देखरेख में होने वाली व्हाइटनिंग आमतौर पर ज्यादा सुरक्षित और बेहतर तरीके से की जाती है।

स्वामी-स्वतंत्र प्रभात मीडिया, मुद्रक एवं प्रकाशक प्रीती शुक्ला द्वारा अनवर ऑफसेट एम- 58, 59 बेसमेंट विकासदीप बिल्डिंग स्टेशन रोड लखनऊ से मुदित ई-4 सेक्टर-एम/29 अपोजिट उस्मान एन्क्लेव, अलीगंज-लखनऊ 226024 से प्रकाशित, सम्पादक रवि कुमार अवस्थी , मो0-9511151254
Mail: news@swatantraprabhat.com, R.NI NO. UPHIN/2012/43078 इस अंक में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं संपादन हेतु पी आर वी एक्ट के अंतर्गत उत्तरदायीं। किसी भी कानूनी विवाद का निपटारा न्यायलय जनपद लखनऊ ही होगा।

# स्वतंत्रता आंदोलन के अग्रदूत थे राजा मर्दन सिंह जू देव

## भारतगढ़ दुर्ग की प्राचीर से उठी थी 1857 की क्रांति की चिंगारी

**बानपुर से गढ़ाकोटा तक थी रियासत**

सुनील त्रिपाठी बाबा

स्वतंत्र प्रभात | तालबेहट







स्वतंत्रता आंदोलन के अग्रदूत और अमर शहीद राजा मर्दन सिंह जू देव का नाम बुंदेलखंड के इतिहास में वीरता, साहस और बलिदान के प्रतीक के रूप में दर्ज है। तालबेहट का ऐतिहासिक भारतगढ़ दुर्ग उनकी शौर्यगाथा और अंग्रेजी हुकूमत के खिलाफ छेड़े गए संघर्ष का जीवंत साक्षी है। कहा जाता है कि 1857 के स्वतंत्रता आंदोलन की रूपरेखा तैयार करने में भारतगढ़ दुर्ग की महत्वपूर्ण भूमिका रही थी।

राजा मर्दन सिंह की रियासत बानपुर, चंदेरी, तालबेहट और गढ़ाकोटा तक विस्तृत थी। अंग्रेजी हुकूमत के बढ़ते प्रभाव के बीच उन्होंने अपनी रियासतों को एकजुट करते हुए अंग्रेजों के खिलाफ संघर्ष की रणनीति तैयार की। भारतगढ़ दुर्ग में महारानी लक्ष्मीबाई सहित बुंदेलखंड के विभिन्न रियासतों के राजाओं के साथ बैठकें में अंग्रेजों के खिलाफ संघर्ष की रणनीति पर विचार-विमर्श किया गया।

1857 में मेरठ से स्वतंत्रता आंदोलन की चिंगारी भड़कने से पहले ही बुंदेलखंड में अंग्रेजों के खिलाफ वातावरण तैयार हो चुका था। भारतगढ़ दुर्ग की प्राचीर इस ऐतिहासिक दौर की गवाह बनी। महारानी लक्ष्मीबाई ने अंग्रेजों से मुकाबले के लिए अलग-अलग टोलियां गठित की थीं। इनमें चंदेरी रियासत के अंतिम राजा मर्दन सिंह और शाहगढ़ नरेश बखतबली सिंह ने महत्वपूर्ण जिम्मेदारी संभाली थी।

अंग्रेजी हुकूमत ने राजा मर्दन सिंह को दबाव और लालच देकर अपने पक्ष में करने का प्रयास किया, लेकिन उन्होंने इसे ठुकराते हुए महारानी लक्ष्मीबाई के साथ कंधे से कंधा मिलाकर अंग्रेजों के खिलाफ युद्ध लड़ा। ग्वालियर में महारानी लक्ष्मीबाई के बलिदान के बाद अंग्रेजों ने राजा मर्दन सिंह और शाहगढ़ नरेश बखतबली सिंह को बंदी बना लिया। उन्हें लाहौर जेल भेजा गया। बाद में राजा मर्दन सिंह को मथुरा जेल स्थानांतरित कर दिया गया।

मथुरा जेल में अंग्रेजों की क्रूर यातनाओं को सहते हुए 22 जुलाई 1879 को राजा मर्दन सिंह जू देव अमर हो गए। उनका जीवन और बलिदान आज भी बुंदेलखंड की धरती को गौरवान्वित करता है। उनके बलिदान दिवस पर चंदेरी, बानपुर, गढ़ाकोटा और तालबेहट के भारतगढ़ दुर्ग में उन्हें श्रद्धापूर्वक याद किया जाता है और उनकी वीरगाथा नई पीढ़ी को सुनाई जाती है।

आज भारतगढ़ दुर्ग की ऐतिहासिक प्राचीरें राजा मर्दन सिंह के अदम्य साहस और राष्ट्रभक्ति की गवाही देती हैं। स्वतंत्रता दिवस पर यह दुर्ग देशवासियों को याद दिलाता है कि आजादी केवल एक तारीख नहीं, बल्कि उन वीरों के त्याग और बलिदान का परिणाम है, जिन्होंने अपना सर्वस्व राष्ट्र के लिए न्योछावर कर दिया। राजा मर्दन सिंह का भारतगढ़ दुर्ग स्वतंत्रता आंदोलन के महानायकों की गौरवगाथा को सदैव जीवंत रखेगा।

# नाबालिग से दुष्कर्म के मामले में वांछित आरोपी गिरफ्तार



**» सौजना पुलिस ने पंडाखेरा निवासी राघवेन्द्र को पकड़ा**
**» न्यायालय में पेश कर भेजा न्यायिक अभिरक्षा में**

स्वतंत्र प्रभात | ललितपुर

नाबालिग से दुष्कर्म के मामले में वांछित चल रहे एक आरोपी को सौजना थाना पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया। पुलिस ने आरोपी को नियमानुसार गिरफ्तार करने के बाद न्यायालय के समक्ष पेश किया, जहां से उसे न्यायिक अभिरक्षा में भेजे जाने की कार्रवाई की गई। एसपी संजीव कुमार बाजपेई के निर्देशन में जनपद में अपराध एवं अपराधियों के विरुद्ध अभियान चलाया जा रहा है। इसी क्रम में एएसपी कालू सिंह एवं सीओ महरौनी अरविन्द कुमार पाण्डेय के निकट पर्यवेक्षण में सौजना पुलिस ने कार्रवाई की। पुलिस ने बताया कि थाना सौजना में दर्ज मुकदमा धारा 74, 65(1), 333, 351(2) बीएनएस तथा 3/4(2) पॉक्सो एक्ट के तहत मुकदमा दर्ज है। इसी मामले में वांछित आरोपी ग्राम पंडाखेरा निवासी राघवेन्द्र पुत्र कोमल अहिरवार को गिरफ्तार किया गया। पुलिस के मुताबिक आरोपी के विरुद्ध नाबालिग से संबंधित गंभीर आरोपों में कार्रवाई की गई है। गिरफ्तारी के बाद आरोपी को न्यायिक अभिरक्षा के लिए माननीय न्यायालय के समक्ष पेश किया जा रहा है। थानाध्यक्ष के नेतृत्व में हुई गिरफ्तारी करने वाली पुलिस टीम में थानाध्यक्ष सुधाकर पाण्डेय, थाना सौजना मय पुलिस टीम शामिल रही।

## संक्षिप्त खबरें

### पहले से पत्नी के नाम बेची जमीन का दोबारा बैनामा कर हड़पे ढाई लाख रुपये

ललितपुर। जमीन की खरीद-फरोख्त के नाम पर धोखाधड़ी कर ढाई लाख रुपये हड़पने का मामला सामने आया है। आरोप है कि एक व्यक्ति ने जिस जमीन का बैनामा वर्ष 2021 में अपनी पत्नी के नाम कर दिया था, उसी जमीन को बाद में दूसरे व्यक्ति को बेचकर दोबारा बैनामा करा दिया। मामले में पीड़ित की शिकायत पर न्यायालय के आदेश से महरौनी थाना पुलिस ने आरोपी पति-पत्नी केखिलाफ मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। थाना नाराहट के ग्राम बनयाना निवासी फूलचंद पुत्र पूरन कुर्मी ने अपर मुख्य न्यायिक मजिस्ट्रेट महरौनी के न्यायालय में प्रार्थना पत्र देकर बताया कि उसने ग्राम बछरई स्थित गाटा संख्या 691 की जमीन, जिसका रकबा 0.405 हेक्टेयर बताया गया, को जगत सिंह पुत्र रामचरन से 14 नवंबर 2025 को 2.50 लाख रुपये में खरीदा था। बैनामा कराते समय विक्रेता की पत्नी भुनेदी भी मौजूद थीं और सौदे का बैनामा उप निबंधक कार्यालय महरौनी में निष्पादित हुआ था। फूलचंद के मुताबिक जब उसने खरीदी गई जमीन के दाखिल-खारिज की प्रक्रिया शुरू कराई तो दस्तावेजों की जांच के दौरान कथित फर्जीवाड़े की जानकारी सामने आई। आरोप है कि इसी गाटा संख्या की जमीन का एक पूर्व बैनामा 29 मई 2021 को जगत सिंह ने अपनी पत्नी भुनेदी के नाम कर दिया था। आरोप है कि इसके बावजूद दोनों ने पूर्व बैनामे की जानकारी छिपाते हुए जमीन को दोबारा उसके पक्ष में बेच दिया और उससे ढाई लाख रुपये प्राप्त कर लिए। जानकारी सामने आने के बाद पीडित ने आरोपियों से मामले को लेकर बात की, लेकिन समाधान नहीं हुआ। फूलचंद का आरोप है कि मामले की शिकायत लेकर वह थाना महरौनी पहुंचा, लेकिन वहां मुकदमा दर्ज नहीं किया गया। इसके बाद उसने पुलिस अधीक्षक को भी रजिस्ट्री के माध्यम से प्रार्थना पत्र भेजकर कार्रवाई की मांग की, लेकिन कोई कार्रवाई न होने पर उसने न्यायालय की शरण ली। न्यायालय के आदेश के बाद थाना महरौनी पुलिस ने आरोपी थाना नाराहट के ग्राम बछरई निवासी जगत सिंह पुत्र रामचरन तथा उसकी पत्नी भुनेदी के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर लिया। पुलिस ने मामले में बीएनएस की धारा 318(4) सहित अन्य सुसंगत धाराओं में एफआईआर दर्ज की है।

# विभाजन की विभीषिका देख भावुक हुए लोग

**»बच्चों ने लघु नाटिका से बयां किया दर्द**
**»कल्याण सिंह सभागार में विभाजन विभीषिका स्मृति दिवस का आयोजन**
**»चित्र प्रदर्शनी में दिखाए गए बंटवारे के दौरान के हालात**

स्वतंत्र प्रभात | ललितपुर






स्वतंत्रता दिवस की पूर्व संध्या पर शुक्रवार 14 अगस्त को हर घर तिरंगा अभियान-2026 के अंतर्गत कल्याण सिंह सभागार में विभाजन विभीषिका स्मृति दिवस का आयोजन किया गया। जिलाधिकारी सत्य प्रकाश की अध्यक्षता में आयोजित कार्यक्रम में वर्ष 1947 के विभाजन के दौरान देशवासियों द्वारा झेली गई पीड़ा, विस्थापन और हिंसा को डॉक्यूमेंट्री, अभिलेखीय प्रदर्शनी तथा सांस्कृतिक प्रस्तुतियों के माध्यम से प्रदर्शित किया गया। विभाजन पर आधारित डॉक्यूमेंट्री देखकर सभागार में मौजूद लोग भावुक हो उठे और देश के बलिदानियों को श्रद्धांजलि अर्पित की। कार्यक्रम में सदर विधायक रामरतन कुशवाहा, जिला पंचायत अध्यक्ष कैलाश नारायण, जिलाध्यक्ष हरीशचन्द्र रावत, नपाध्यक्ष सोनाली जैन, प्रतिनिधि चन्द्रशेखर, दिनेश गोस्वामी, सहित अन्य जनप्रतिनिधियों की गरिमामयी उपस्थिति रही। इस दौरान एलईडी स्क्रीन पर 14 अगस्त 1947 को देश में विभाजन के कारण उत्पन्न परिस्थितियों पर आधारित डॉक्यूमेंट्री फिल्म का प्रदर्शन किया गया। फिल्म में विभाजन के दौरान लोगों के विस्थापन, संघर्ष और जान-माल की सुरक्षा के लिए किए गए प्रयासों को दिखाया गया। दृश्य देखकर सभागार में मौजूद लोग भावुक हो गए। सभी ने विभाजन के दौरान जान गंवाने वाले लोगों और देश के बलिदानियों को श्रद्धांजलि अर्पित की। सूचना विभाग की ओर से ऑडिटोरियम के बेसमेंट में विभाजन विभीषिका स्मृति दिवस से संबंधित अभिलेखीय प्रदर्शनी लगाई गई। अतिथियों ने प्रदर्शनी का अवलोकन कर उसमें प्रदर्शित ऐतिहासिक तथ्यों और चित्रों की सराहना की। प्रदर्शनी के माध्यम से स्वतंत्रता दिवस की पूर्व संध्या पर देश में घटित ऐतिहासिक घटनाओं और विभाजन के समय की परिस्थितियों को प्रदर्शित किया गया। विभिन्न विद्यालयों से आए छात्र-छात्राओं ने भी प्रदर्शनी का अवलोकन किया। कार्यक्रम स्थल पर बनाए गए हर घर तिरंगा सेल्फी प्वाइंट पर अतिथियों ने सेल्फी भी ली। राजकीय इंटर कॉलेज के छात्र-छात्राओं ने देशभक्ति गीतों और विभाजन की त्रासदी पर आधारित लघु नाटिकाओं की प्रभावी प्रस्तुति दी। बच्चों की प्रस्तुति ने दर्शकों को भावुक कर दिया। प्रस्तुति समाप्त होने के बाद जीआईसी हॉल तालियों की गडग़ड़ाहट से गूंज उठा। अतिथियों और मौजूद लोगों ने बच्चों का उत्साहवर्धन किया। सदर विधायक ने कहा कि स्वतंत्रता प्राप्ति से एक दिन पहले 14 अगस्त को देश में बेहद विषम परिस्थितियां थीं। बड़ी संख्या में लोगों को अपनी जान बचाने के लिए लाहौर से दिल्ली की ओर पलायन करना पड़ा और इस दौरान व्यापक हिंसा हुई। उन्होंने कहा कि विभाजन की त्रासदी से हमें सीख लेनी चाहिए कि बंटवारा किसी के लिए भी उचित नहीं हो सकता। भारत अनेकता में एकता का संदेश देने वाला देश है और इसकी अखंडता को बनाए रखना सभी की जिम्मेदारी है। जिला पंचायत अध्यक्ष ने कहा कि हमारे पूर्वजों और महापुरुषों ने मिलकर देश को अंग्रेजों की गुलामी से मुक्त कराने के लिए संघर्ष किया और अनेक लोगों ने अपने प्राणों की आहुति दी। उन्होंने बच्चों से कहा कि विभाजन की पीड़ा से सबक लेते हुए सभी को एकजुट रहना चाहिए और किसी के बहकावे या प्रभाव में नहीं आना चाहिए। राज्यमंत्री प्रतिनिधि ने कहा कि आजादी की लड़ाई में हिंदू और मुस्लिमों ने मिलकर संघर्ष किया था। उन्होंने कहा कि तत्कालीन परिस्थितियों और राजनीतिक कारणों से देश को विभाजन का दंश झेलना पड़ा। उन्होंने युवाओं से इतिहास से सीख लेने का आह्वान किया। नपाध्यक्ष सोनाली जैन ने कहा कि वर्तमान भारत में धर्म, जाति, पंथ, अमीरी या गरीबी के नाम पर समाज को बांटने की कोई जगह नहीं होनी चाहिए। राष्ट्र सर्वोपरि होना चाहिए और सभी को भारतीय बनकर एकजुट रहना चाहिए। उन्होंने कहा कि पूर्वजों ने विभाजन की पीड़ा झेली है, इसलिए हमारा दायित्व है कि ऐसी परिस्थितियां दोबारा उत्पन्न न हों। जिलाधिकारी सत्य प्रकाश ने सभी अतिथियों का आभार व्यक्त करते हुए स्वतंत्रता दिवस की अग्रिम शुभकामनाएं दीं। उन्होंने कहा कि आज हम स्वतंत्र वातावरण में जीवन जी रहे हैं, इसके पीछे हमारे पूर्वजों और महापुरुषों का त्याग और बलिदान है। उन्होंने कहा कि आज छोटी सी चोट भी हमें दर्द का अहसास करा देती है, जबकि हमारे पूर्वजों ने देश की स्वतंत्रता के लिए अपना जीवन तक न्योछावर कर दिया। डीएम ने कहा कि महापुरुषों को सच्ची श्रद्धांजलि यही होगी कि हम सभी अपने-अपने कर्तव्यों का ईमानदारी से निर्वहन करें। उन्होंने कहा कि स्वतंत्रता सेनानियों ने अपना बलिदान अपने लिए नहीं, बल्कि आने वाली पीढ़ियों के बेहतर भविष्य और मजबूत भारत के निर्माण के लिए दिया था। उन्होंने बच्चों से मन लगाकर पढ़ाई करने तथा शिक्षकों से बच्चों को बेहतर शिक्षा देकर उनके उज्ज्वल भविष्य की नींव मजबूत करने का आह्वान किया।

# तेज रफ्तार वाहन ने बाइक में मारी टक्कर

**» महिला, पति और नातिन घायल**
**» टेटा गांव के पास हादसा, घायल पति मौके पर हुए बेहोश**
**» इलाज में व्यस्त होने के कारण देर से दी तहरीर**

स्वतंत्र प्रभात | ललितपुर

थाना तालबेहट क्षेत्र के ग्राम टेटा के पास तेज रफ्तार और लापरवाही से वाहन चला रहे चालक ने बाइक सवार दंपती और उनकी नातिन को पीछे से टक्कर मार दी। हादसे में तीनों गंभीर रूप से घायल हो गए। राहगीरों की मदद से घायलों को एंबुलेंस से जिला अस्पताल ललितपुर भेजा गया। मामले में पुलिस ने करीब डेढ़ माह बाद तहरीर के आधार पर अज्ञात वाहन चालक के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। थाना बार के ग्राम जिरा हरबाई पत्नी सेवराज कुशवाह ने पुलिस को दी तहरीर में बताया कि वह 1 जुलाई 2026 की शाम करीब 6.30 बजे अपने पति सेवराज कुशवाह और नातिन कुनकुन के साथ तालबेहट से रिश्तेदारी से बाइक पर सवार होकर अपने घर लौट रही थीं। बताया गया कि जैसे ही वह ग्राम टेटा के पास पहुंचे, तभी पीछे से आए तेज रफ्तार वाहन ने उनकी मोटरसाइकिल में जोरदार टक्कर मार दी। शिकायत के अनुसार वाहन को ग्राम मुहारा, मोहल्ला चेनावारा निवासी सीताराम पुत्र रूपपा कुशवाह चला रहा था। टक्कर इतनी तेज थी कि बाइक सवार तीनों लोग सड़क पर गिर पड़े। हादसे में सेवराज कुशवाह मौके पर ही बेहोश हो गए, जबकि हरबाई और उनकी नातिन कुनकुन को भी गंभीर चोटें आईं। दुर्घटना के बाद चालक मौके से फरार हो गया।

राहगीरों की सूचना एवं मदद से घायलों को एंबुलेंस के माध्यम से जिला चिकित्सालय पहुंचाया गया, जहां उनका उपचार कराया गया। पुलिस को बताया कि हादसे के बाद वह स्वयं, अपने पति और नातिन के इलाज में व्यस्त रहीं। इसी कारण पुलिस को घटना की सूचना और तहरीर देने में विलंब हुआ। घटना के करीब डेढ़ माह बाद 13 अगस्त 2026 को तालबेहट पुलिस ने तहरीर के आधार पर मामला दर्ज किया। पुलिस ने आरोपी चालक के खिलाफ बीएनएस की धारा 125(बी) एवं 281 के तहत मुकदमा दर्ज किया है।

# बिजली आउटसोर्स कर्मचारियों की मौतों पर श्रद्धांजलि सभा, समस्याओं के समाधान की मांग

**»107 दिनों में 82 दुर्घटनाओं में 44 कर्मचारियों की मौत और 38 के गंभीर घायल होने का संगठन ने किया दावा**
**»ललितपुर में पूर्व महामंत्री अब्दुल हक के नेतृत्व में हुई शोकसभा**

स्वतंत्र प्रभात | ललितपुर



उत्तर प्रदेश पावर कॉरपोरेशन निविदा/संविदा कर्मचारी संघ के आह्वान पर शुक्रवार को प्रदेश के विभिन्न जनपदों के साथ ललितपुर में भी आउटसोर्स बिजली कर्मचारियों की दुर्घटनाओं में हुई मौतों पर श्रद्धांजलि सभा आयोजित की गई। ललितपुर में संगठन के पूर्व महामंत्री अब्दुल हक के नेतृत्व में हुई शोकसभा में संविदा कर्मचारियों ने मृतक कर्मचारियों की आत्मा की शांति के लिए दो मिनट का मौन रखकर श्रद्धांजलि अर्पित की। संगठन की ओर से जारी प्रेस विज्ञप्ति में दावा किया गया कि उत्तर प्रदेश पावर कॉरपोरेशन के अंतर्गत आउटसोर्सिंग के माध्यम से कार्य कर रहे कर्मचारियों के साथ पिछले 107 दिनों में 82 दुर्घटनाएं हुई हैं। इनमें 44 कर्मचारियों की मृत्यु तथा 38 कर्मचारी गंभीर रूप से घायल हुए हैं। संगठन ने इन घटनाओं को गंभीर बताते हुए प्रदेश सरकार और पावर कॉरपोरेशन प्रबंधन से कर्मचारियों की सुरक्षा और लंबित मांगों पर तत्काल कार्रवाई की मांग की। संगठन पदाधिकारियों ने आरोप लगाया कि पावर कॉरपोरेशन प्रबंधन द्वारा करीब 25 हजार बिजली आउटसोर्स कर्मचारियों की छंटनी किए जाने के कारण कार्यरत कर्मचारियों पर काम का अतिरिक्त भार बढ़ गया है। उनका कहना है कि इससे जहां कर्मचारियों के दुर्घटनाग्रस्त होने की घटनाएं बढ़ रही हैं, वहीं उपभोक्ताओं को भी बिजली संबंधी समस्याओं का सामना करना पड़ रहा है। पदाधिकारियों ने आरोप लगाया कि लेबर के अनुबंध के माध्यम से लाइनमैन और उपकेंद्र परिचालन जैसे जोखिमपूर्ण एवं तकनीकी कार्य कराए जा रहे हैं। कर्मचारियों की कमी के कारण कथित तौर पर अकुशल कर्मचारियों से भी नियमों के विपरीत लाइन संबंधी कार्य कराया जा रहा है, जिससे दुर्घटनाओं का खतरा बढ़ रहा है। संगठन ने कहा कि ऊर्जा मंत्री के निर्देश पर पावर कॉरपोरेशन प्रबंधन द्वारा आउटसोर्स कर्मचारियों के कार्य के अनुरूप अनुबंध, 18 हजार रुपये वेतन, घायल कर्मचारियों का कैशलेस उपचार, उपचार में खर्च हुई धनराशि की संविदाकारों के बिल से कटौती कर भुगतान तथा मार्च 2023 में हटाए गए कर्मचारियों को दोबारा कार्य पर लिए जाने संबंधी आदेश जारी किए गए थे। संगठन का आरोप है कि इन आदेशों का प्रभावी ढंग से पालन नहीं किया जा रहा है। पदाधिकारियों ने यह भी आरोप लगाया कि प्रदेश सरकार द्वारा गठित नए आउटसोर्स सेवा निगम में बिजली आउटसोर्स कर्मचारियों को शामिल किए जाने का पावर कॉरपोरेशन प्रबंधन विरोध कर रहा है। संगठन ने महिला कर्मचारियों को मूलभूत सुविधाएं नहीं मिलने तथा श्रमायुक्त द्वारा निर्धारित अवकाश का लाभ नहीं दिए जाने का भी आरोप लगाया। इसके अलावा मीटर रीडरों को अन्य आउटसोर्स कर्मचारियों की तरह वेतन, ईपीएफ और ईएसआई का लाभ देने की मांग की गई। संगठन पदाधिकारियों ने आउटसोर्स कर्मचारियों का कार्य के अनुरूप अनुबंध करने, वेतन 18 हजार रुपये निर्धारित करने अथवा समान कार्य के लिए समान वेतन देने, मानक के अनुरूप कर्मचारियों की तैनाती करने और दुर्घटनाओं पर प्रभावी अंकुश लगाने की मांग की। इसके साथ ही आउटसोर्स सेवा निगम में कर्मचारियों को शामिल किए जाने का विरोध नहीं करने, हटाए गए कर्मचारियों को वापस कार्य पर लेने, घायल कर्मचारियों का कैशलेस उपचार कराने, महिला कर्मचारियों को मूलभूत सुविधाएं उपलब्ध कराने, कर्मचारियों को 60 वर्ष की आयु तक कार्य करने की अनुमति, श्रमायुक्त द्वारा निर्धारित अवकाश देने तथा मीटर रीडरों को वेतन, ईपीएफ और ईएसआई का लाभ देने की मांग उठाई गई। संगठन पदाधिकारियों ने चेतावनी दी कि यदि पावर कॉरपोरेशन प्रबंधन ने समय रहते कर्मचारियों की समस्याओं का समाधान नहीं किया तो संगठन को बड़े पैमाने पर आंदोलन करने के लिए बाध्य होना पड़ेगा। ललितपुर में आयोजित श्रद्धांजलि सभा में संविदा कर्मी अभिनव राजपूत, शिवाजी राजा, शरद रजक, विश्व प्रताप सिंह, शाहिद खान, अभिषेक राजपूत सहित अन्य संविदा कर्मचारी मौजूद रहे। संगठन के प्रदेश महामंत्री देवेन्द्र कुमार पाण्डेय ने प्रदेशभर में श्रद्धांजलि सभाओं के आयोजन की जानकारी दी।

# नाबालिग से दुष्कर्म के दोषी को प्राकृतिक जीवनकाल तक कठोर कारावास

**ललितपुर कोर्ट ने 33 हजार रुपये के अर्थदंड से भी किया दंडित**

**पुलिस की प्रभावी पैरवी से मिली सजा**

ललितपुर। नाबालिग से दुष्कर्म के मामले में ललितपुर पुलिस की प्रभावी पैरवी के चलते न्यायालय ने आरोपी को दोषी करार देते हुए प्राकृतिक जीवनकाल तक कठोर कारावास की सजा सुनाई है। न्यायालय ने दोषी पर 33 हजार रुपये का अर्थदंड भी लगाया है। यह फैसला 13 अगस्त 2026 को विशेष न्यायालय एडीजे पॉक्सो द्वारा सुनाया गया। पुलिस के अनुसार कोतवाली ललितपुर में मु.अ.सं. 972/2023 के तहत आरोपी ग्राम महेशपुरा निवासी रामू पुत्र प्यारेलाल के विरुद्ध धारा 376(3), 323 भादवि एवं 3/4 पॉक्सो एक्ट के तहत अभियोग पंजीकृत किया गया था। मामला नाबालिग से दुष्कर्म से संबंधित था। पुलिस अधिकारियों के निर्देश पर प्रकरण की विवेचना के लिए डेडीकेटेड टीम गठित की गई थी। पुलिस के मुताबिक टीम ने वैज्ञानिक एवं तथ्यपरक साक्ष्यों के आधार पर समयबद्ध एवं गुणवत्तापूर्ण विवेचना पूरी करते हुए आरोपी के विरुद्ध आरोप पत्र न्यायालय में प्रेषित किया। मुकदमे की सुनवाई के दौरान ललितपुर पुलिस, पैरोकार, कोर्ट मोहर्रिर तथा अभियोजन पक्ष की ओर से प्रभावी पैरवी की गई। एसपी संजीव कुमार बाजपेई द्वारा भी प्रकरण की लगातार समीक्षा करते हुए संबंधित अधिकारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए गए। पुलिस के अनुसार प्रभावी पैरवी एवं प्रस्तुत साक्ष्यों के आधार पर एडीजे पॉक्सो न्यायालय ने 13 अगस्त 2026 को आरोपी रामू को दोषी पाया। न्यायालय ने उसे प्राकृतिक जीवनकाल के कठोर कारावास तथा 33 हजार रुपये के अर्थदंड से दंडित किया।

## साइबर ठगी के शक में चार बैंक खातों पर मुकदमा

**साइबर क्राइम पोर्टल पर खातों से जुड़ी 16 शिकायतें मिलने के बाद एफआईआर**

ललितपुर। साइबर अपराधों पर शिकंजा कसने के लिए ललितपुर कोतवाली पुलिस ने बड़ी कार्रवाई की है। भारत सरकार के नेशनल साइबर क्राइम रिपोर्टिंग पोर्टल से प्राप्त शिकायतों और संदिग्ध बैंक खातों की जांच के बाद पुलिस ने चार अलग-अलग मामलों में खाताधारकों के खिलाफ मुकदमे दर्ज किए हैं। पुलिस के मुताबिक संबंधित खातों का इस्तेमाल साइबर अपराध से जुड़ी रकम के लेनदेन में किए जाने की आशंका सामने आई है। सभी मामलों में विवेचना शुरू कर दी गई है। बीते दिन कोतवाली में चार अलग-अलग एफआईआर दर्ज की गईं। इनमें बीएनएस की धारा 49 एवं 317(5) के तहत अज्ञात खाताधारकों के विरुद्ध कार्रवाई की गई है। एफआईआर संख्या 0874 में उप निरीक्षक आलोक कुमार की ओर से शिकायत दर्ज कराई गई। जांच में पंजाब एंड सिंध बैंक के एक खाते के संबंध में साइबर क्राइम पोर्टल पर पांच शिकायतें दर्ज मिलीं। मामले की विवेचना उप निरीक्षक कुलदीप राणा को सौंपी गई है। एफआईआर संख्या 0875 में उप निरीक्षक ललित उज्ज्वल वादी हैं। पुलिस जांच में बैंक ऑफ महाराष्ट्र के संबंधित खाते के विरुद्ध साइबर क्राइम पोर्टल पर छह शिकायतें दर्ज पाई गईं। इस मामले की विवेचना उप निरीक्षक राजन बाबू कर रहे हैं। एफआईआर संख्या 0876 में उप निरीक्षक प्रशांत राणा की ओर से मुकदमा दर्ज कराया गया। सेंट्रल बैंक ऑफ इंडिया के संबंधित खाते के विरुद्ध पोर्टल पर तीन साइबर अपराध संबंधी शिकायतें दर्ज मिलीं। मामले की जांच उप निरीक्षक मनवेन्द्र सिंह परमार को दी गई है। एफआईआर संख्या 0877 में भी उप निरीक्षक प्रशांत राणा वादी हैं। इसी बैंक के संबंधित खाते से जुड़े अन्य मामलों में पोर्टल पर दो शिकायतें दर्ज मिलीं। मामले की विवेचना उप निरीक्षक राहुल द्वारा की जा रही है। पुलिस की ओर से दी गई जानकारी के अनुसार चारों मामलों में संबंधित बैंक खातों से जुड़े कुल 16 साइबर अपराध संबंधी शिकायतें पोर्टल पर दर्ज मिलीं। प्रारंभिक जांच में पुलिस को आशंका है कि इन बैंक खातों का इस्तेमाल साइबर अपराधियों द्वारा ठगी की रकम प्राप्त करने अथवा साइबर अपराध के लिए बैंकिंग सुविधा उपलब्ध कराने में किया गया हो सकता है। कोतवाली पुलिस ने सभी मामलों में मुकदमे दर्ज कर अग्रिम विवेचना शुरू कर दी है। जांच के दौरान खातों के वास्तविक धारकों, बैंक खातों में हुए लेनदेन, धनराशि के स्रोत एवं संबंधित लोगों की भूमिका की पड़ताल की जाएगी। पुलिस का कहना है कि जांच के आधार पर आगे की विधिक कार्रवाई की जाएगी।

# बारिश भी नहीं डिगा सकी व्यापारियों का उत्साह, निकली भव्य तिरंगा यात्रा

**» 165 फीट लंबे तिरंगे के साथ आजाद चौक तक गूंजे देशभक्ति के नारे**
**» व्यापारियों ने यात्रा निकालकर शहीदों और जवानों को किया नमन**

स्वतंत्र प्रभात | ललितपुर



स्वतंत्रता दिवस के अवसर पर उत्तर प्रदेश उद्योग व्यापार मंडल के तत्वावधान में शुक्रवार को भव्य तिरंगा यात्रा निकाली गई। स्टेशन रोड से शुरू हुई यह यात्रा वर्णी चौराहा, तुवन तिराहा, सुपर मार्केट, घंटाघर होते हुए आजाद चौक पहुंची। यात्रा के दौरान नगर में देशभक्ति का माहौल नजर आया और व्यापारियों ने राष्ट्रगीतों व देशभक्ति के नारों के साथ उत्साहपूर्वक भागीदारी की। तिरंगा यात्रा को सदर विधायक रामरतन कुशवाहा एड., एडीएम, ईओ नगर पालिका दिनेश कुमार, वाणिज्य कर अधिकारी हीरालाल, एमएलसी प्रतिनिधि केदारनाथ तिवारी सहित अन्य गणमान्य लोगों ने हरी झंडी दिखाकर रवाना किया। यात्रा के दौरान मार्ग में स्थापित महापुरुषों की प्रतिमाओं पर माल्यार्पण कर उन्हें नमन किया गया। नगर पालिका परिषद के सफाई एवं स्वास्थ्य विभाग के नायकों और कर्मचारियों के नेतृत्व में 165 फीट लंबे विशाल तिरंगे को कंधों पर लेकर सुपर मार्केट से आजाद चौक तक ले जाया गया। विशाल तिरंगे ने यात्रा के आकर्षण को और बढ़ा दिया। तिरंगा यात्रा के दौरान हुई बारिश भी व्यापारियों और युवाओं के उत्साह को कम नहीं कर सकी। व्यापार मंडल के पदाधिकारी एवं सदस्य देशभक्ति गीतों पर उत्साह के साथ आगे बढ़ते रहे। जगह-जगह लोगों ने यात्रा का स्वागत किया। यात्रा का स्वागत अनिल अंचल के आवास पर, सक्षम संस्था की ओर से राजकुमार द्वारा पूर्व नपाध्यक्ष डा. सुडेले के आवास पर तथा घंटाघर पर संजय रसिया द्वारा किया गया। व्यापारी नेताओं ने कहा कि स्वतंत्रता दिवस देश की आजादी के लिए अपने प्राणों की आहुति देने वाले शहीदों को याद करने का अवसर है। व्यापारिक समाज सभी शहीदों को नमन करता है तथा देश की सीमाओं पर तैनात वीर जवानों का अभिनंदन करता है। उन्होंने कहा कि देश की एकता, अखंडता और राष्ट्रभक्ति की भावना को मजबूत करने में ऐसे आयोजनों की महत्वपूर्ण भूमिका है। तिरंगा यात्रा में प्रदेश चेयरमैन महेंद्र जैन मयूर, जिलाध्यक्ष प्रदीप त्रिपाठी, अनिल जैन, महेश जैन, पंकज बिरधा, अक्षय टडैया, सनत जैन, नवीन सिंघई, अशोक अनौरा, संजय खन्ना, संजीव कप्तान, लायंस गवर्नर सन्मति सराफ, डा.प्रीतम सराफ, सतीश जैन, मनोज सोनी मज्जू, राजीव सुडेले, हेमंत रोड़ा, अवनीश जैन, पार्षद आलोक जैन मयूर, पार्षद रमेश गांधी, पार्षद अशोक पंथ, पूर्व पार्षद पंकज जैन, पार्षद अब्दुल बारी, सफाई इंस्पेक्टर महेंद्र यादव, स्वास्थ्य नायक संजय कप्तान सहित बड़ी संख्या में व्यापारी, जनप्रतिनिधि, नगर पालिका कर्मचारी एवं युवा मौजूद रहे।

# 13 से 15 अगस्त तक तिरंगा रोशनी से जगमगाएंगे सरकारी और गैरसरकारी भवन

**80वें स्वतंत्रता दिवस पर शहीदों और महापुरुषों की प्रतिमाओं पर होगा माल्यार्पण**

स्वतंत्र प्रभात | ललितपुर

80वें स्वतंत्रता दिवस समारोह को लेकर जनपद में तीन दिवसीय कार्यक्रम आयोजित किए जा रहे हैं। एडीएम दिनेश कुमार द्वारा जारी कार्यवृत्त के अनुसार 13 से 15 अगस्त तक जनपद के सरकारी एवं गैरसरकारी भवनों के साथ स्वतंत्रता संग्राम से जुड़े ऐतिहासिक स्मारकों को रात के समय तिरंगा रोशनी से प्रकाशमान किया जाएगा। स्वतंत्रता दिवस के मुख्य समारोह के तहत 15 अगस्त को सुबह 7.15 बजे घंटाघर पर राष्ट्रपिता महात्मा गांधी, चंद्रशेखर आजाद तथा घंटाघर के पास लौह पुरुष सरदार वल्लभ भाई पटेल और स्वतंत्रता संग्राम सेनानी बृजनन्दन किलेदार की प्रतिमाओं पर माल्यार्पण किया जाएगा। इसके बाद सुबह 7.25 बजे वीर सावरकर की प्रतिमा, 7.30 बजे जेल चौराहा, ब्याना नाले के पास डा.भीमराव आंबेडकर की प्रतिमा, 7.35 बजे जिला कारागार के सामने कर्पूरी ठाकुर की प्रतिमा तथा 7.40 बजे तुवन चौराहे के पास वीरांगना अवंतीबाई की प्रतिमा पर माल्यार्पण किया जाएगा। वहीं सुबह 7.45 बजे तुवन चौराहे पर महारानी लक्ष्मीबाई एवं पं. परमानंद की प्रतिमाओं पर भी माल्यार्पण किया जाएगा। माल्यार्पण कार्यक्रम के बाद सुबह 8 बजे जनपद के सभी सरकारी एवं गैरसरकारी कार्यालयों, संस्थाओं तथा शिक्षण संस्थानों में राष्ट्रीय ध्वज फहराया जाएगा। इसके साथ ही राष्ट्रगान का भावपूर्ण गायन किया जाएगा। स्वतंत्रता दिवस के अवसर पर संबंधित परिसरों में वृक्षारोपण भी किया जाएगा। स्वतंत्रता दिवस के अवसर पर सुबह 11 बजे जिला कारागार, राजकीय किशोर गृह दैलवारा, राजकीय सम्प्रेक्षण गृह सिद्दनपुरा तथा मदर टेरेसा आश्रम पनारी में फल वितरण कार्यक्रम आयोजित किया जाएगा। एडीएम दिनेश कुमार ने जनपदवासियों से स्वतंत्रता दिवस के कार्यक्रमों में उत्साहपूर्वक भाग लेने और राष्ट्रीय पर्व को गरिमापूर्ण ढंग से मनाने की अपील की है।

# तिरंगा बाइक रैली से गूंजा ललितपुर

**»एसपी संजीव कुमार बाजपेई ने दिया देशप्रेम का संदेश**
**» पुलिस लाइन से निकली रैली, शहर के प्रमुख मार्गों से गुजरी**
**» विभाजन विभीषिका स्मृति दिवस पर पुलिसकर्मियों ने रखा दो मिनट का मौन**

स्वतंत्र प्रभात | ललितपुर



80वें स्वतंत्रता दिवस के अवसर पर शासन के निर्देशानुसार चलाए जा रहे हर घर तिरंगा अभियान-2026 के तहत शुक्रवार को पुलिस विभाग की ओर से तिरंगा बाइक रैली निकाली गई। पुलिस अधीक्षक संजीव कुमार बाजपेई ने पुलिस बल के साथ रिजर्व पुलिस लाइंस से तिरंगा बाइक रैली का शुभारंभ किया। हाथों में तिरंगा लेकर पुलिसकर्मी बाइक पर सवार होकर शहरवासियों को देशभक्ति और राष्ट्रप्रेम का संदेश देते हुए आगे बढ़े। तिरंगा बाइक रैली रिजर्व पुलिस लाइंस से कलेक्ट्रेट चौराहा, घंटाघर, शनिचरा चौराहा, तुवन मंदिर, वर्णी चौराहा सहित शहर के प्रमुख मार्गों से होकर गुजरी। रैली के दौरान पुलिसकर्मियों ने राष्ट्रीय ध्वज के प्रति सम्मान और देश की एकता-अखंडता का संदेश दिया। शहर भ्रमण के बाद रैली का वापस पुलिस लाइन पहुंचकर समापन हुआ।

इसी क्रम में विभाजन विभीषिका स्मृति दिवस-2026 के अवसर पर एसपी संजीव कुमार बाजपेई ने पुलिस बल के साथ कार्यक्रम में प्रतिभाग किया। इस दौरान वर्ष 1947 के विभाजन की त्रासदी से प्रभावित लोगों के साहस, संघर्ष और बलिदान को स्मरण करते हुए पुलिसकर्मियों ने दो मिनट का मौन धारण कर श्रद्धांजलि अर्पित की। एसपी ने कहा कि विभाजन की त्रासदी से जुड़ी ऐतिहासिक एवं मानवीय स्मृतियों को याद करना वर्तमान और भावी पीढ़ी को उस दौर के संघर्ष और पीड़ा से अवगत कराने के साथ ही सामाजिक एकता का संदेश देता है। कार्यक्रम का उद्देश्य विभाजन के दौरान प्रभावित लोगों के संघर्ष, साहस एवं बलिदान को स्मरण करना तथा आपसी सौहार्द, एकता और सामाजिक समरसता की भावना को मजबूत करना रहा। तिरंगा बाइक रैली एवं विभाजन विभीषिका स्मृति दिवस कार्यक्रम में जनपद के समस्त राजपत्रित अधिकारी, थाना प्रभारी, शाखा प्रभारी तथा अन्य पुलिस अधिकारी एवं कर्मचारीगण मौजूद रहे। पुलिस विभाग की इस पहल से स्वतंत्रता दिवस से पहले शहर में राष्ट्रभक्ति का माहौल देखने को मिला।

## संक्षिप्त खबरें

### अब बच्चों के साथ बैठकर मिड-डे मील खाएंगे अधिकारी, रोजाना होगी स्कूलों की जांच; आदेश जारी

**महराजगंज।** मध्यान्ह भोजन योजना के तहत परिषदीय विद्यालयों में विद्यार्थियों को निर्धारित मानक एवं मेन्यू के अनुसार गर्म और गुणवत्तापूर्ण भोजन उपलब्ध कराने की व्यवस्था की अब और सख्ती से निगरानी होगी। जिलाधिकारी गौरव सिंह सोगरवाल ने जनपद एवं ब्लॉक स्तरीय टास्कफोर्स के सभी अधिकारियों को निर्धारित लक्ष्य के अनुसार विद्यालयों का नियमित निरीक्षण करने और विद्यार्थियों के साथ बैठकर भोजन ग्रहण करने का निर्देश दिया है। यह व्यवस्था तत्काल प्रभाव से लागू कर दी गई है। शासन के निर्देशानुसार जिले के 1710 परिषदीय विद्यालयों में मध्यान्ह भोजन योजना के पर्यवेक्षण के लिए जनपद एवं ब्लॉक स्तरीय टास्कफोर्स गठित है, जो अबतक माह भर में कुल पांच निरीक्षण ही करती रहीं हैं। जिलाधिकारी ने निर्देश दिया है, कि टास्कफोर्स के सभी अधिकारी निर्धारित लक्ष्य के अनुसार विद्यालयों का निरीक्षण करते हुए बच्चों के साथ बैठकर भोजन करेंगे।

### अब बच्चों के साथ बैठकर मिड-डे मील खाएंगे अधिकारी, रोजाना होगी स्कूलों की जांच; आदेश जारी

**महराजगंज।** मध्यान्ह भोजन योजना के तहत परिषदीय विद्यालयों में विद्यार्थियों को निर्धारित मानक एवं मेन्यू के अनुसार गर्म और गुणवत्तापूर्ण भोजन उपलब्ध कराने की व्यवस्था की अब और सख्ती से निगरानी होगी। जिलाधिकारी गौरव सिंह सोगरवाल ने जनपद एवं ब्लॉक स्तरीय टास्कफोर्स के सभी अधिकारियों को निर्धारित लक्ष्य के अनुसार विद्यालयों का नियमित निरीक्षण करने और विद्यार्थियों के साथ बैठकर भोजन ग्रहण करने का निर्देश दिया है। यह व्यवस्था तत्काल प्रभाव से लागू कर दी गई है। शासन के निर्देशानुसार जिले के 1710 परिषदीय विद्यालयों में मध्यान्ह भोजन योजना के पर्यवेक्षण के लिए जनपद एवं ब्लॉक स्तरीय टास्कफोर्स गठित है, जो अबतक माह भर में कुल पांच निरीक्षण ही करती रहीं हैं। जिलाधिकारी ने निर्देश दिया है, कि टास्कफोर्स के सभी अधिकारी निर्धारित लक्ष्य के अनुसार विद्यालयों का निरीक्षण करते हुए बच्चों के साथ बैठकर भोजन करेंगे।

### आजमगढ़ में पुलिस मुठभेड़ में दो चोर गिरफ्तार, पैर में गोली लगने से घायल

**आजमगढ़।** तरवां थाना क्षेत्र में गुरुवार को पुलिस और अंतर्जनपदीय टप्पेबाज/चोरों के बीच हुई मुठभेड़ में एक बदमाश के पैर में गोली लगने से वह घायल हो गया। पुलिस ने उसके एक साथी को मौके से गिरफ्तार कर लिया। वहीं, मुठभेड़ के दौरान फरार हुए तीसरे आरोपित को पकड़ने के लिए की गई घेराबंदी के दौरान मेंहनगर पुलिस के साथ मुठभेड़ हो गई, जिसमें वह पैर में गोली लगने से घायल हो गया। इसमें गाजीपुर के भांवरकोल थाना क्षेत्र के सुखदेहरा निवासी 25 वर्षीय मुकेश यादव पुत्र अनिल यादव पैर में गोली लगने से घायल हो गया। उसे पुलिस ने घायल अवस्था में गिरफ्तार कर लिया। उसका साथी कुसनपुरा निवासी कमलेश पुत्र स्व. फतीगन भी मौके से पकड़ा गया, जबकि अंधेरे का लाभ उठाकर उनका एक साथी विकास यादव फरार हो गया। फरार विकास यादव की गिरफ्तारी के लिए आसपास के थानों को सतर्क किया गया। इसी क्रम में मेहनगर थाना क्षेत्र के कटहन नहर पुलिया के पास पुलिस ने घेराबंदी की। यहां हुई मुठभेड़ में गाजीपुर निवासी 22 वर्षीय विकास यादव पैर में गोली लगने से घायल हो गया, जिसे पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया। पुलिस ने घायल दोनों अभियुक्तों को उपचार के लिए अस्पताल भेज दिया।

# स्वतंत्रता दिवस को लेकर खजनी में तैयारियां पूरी

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

**खजनी, गोरखपुर।** देश के 79 वें स्वतंत्रता दिवस को लेकर तहसील क्षेत्र खजनी में सरकारी और गैर सरकारी संस्थानों में तैयारियां अंतिम चरण में पहुंच गई हैं। स्वतंत्रता दिवस के अवसर पर आयोजित होने वाले ध्वजारोहण, सांस्कृतिक कार्यक्रमों और विभिन्न गतिविधियों को लेकर प्रशासन ने सभी विभागों एवं संस्थानों को आवश्यक दिशा-निर्देश जारी किए हैं। तहसील प्रशासन की निगरानी में साफ-सफाई, सजावट, मंच, ध्वनि और सुरक्षा व्यवस्था को अंतिम रूप दे दिया गया है। तहसील मुख्यालय परिसर में उप जिलाधिकारी खजनी के निर्देश पर सुबह निर्धारित कार्यक्रम के अनुसार ध्वजारोहण किया जाएगा। इसके लिए परिसर की सफाई के साथ मंच, ध्वनि व्यवस्था और सुरक्षा के इंतजाम पूरे कर लिए गए हैं। वहीं विकास खंड कार्यालय सहित सभी ग्राम पंचायतों में ग्राम पंचायत अधिकारियों की देखरेख में ध्वजारोहण की तैयारियां पूरी कर ली गई हैं। पंचायत भवनों और सार्वजनिक परिसरों की सफाई कर तिरंगे से सजावट की जा रही है।

खजनी तहसील क्षेत्र के सभी सरकारी, सहायता प्राप्त और माध्यमिक विद्यालयों में भी स्वतंत्रता दिवस को लेकर विशेष तैयारियां की गई हैं। विद्यालयों में प्रभात फेरी, देशभक्ति गीत, भाषण, निबंध एवं चित्रकला प्रतियोगिताओं सहित विभिन्न कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे। विद्यालयों में शिक्षकों और कर्मचारियों की उपस्थिति अनिवार्य किए जाने के निर्देश दिए गए हैं। खजनी थाना सहित पुलिस-प्रशासन से जुड़े कार्यालयों में भी साफ-सफाई और सजावट का कार्य तेजी से पूरा कराया जा रहा है। स्वास्थ्य विभाग के सीएचसी खजनी, बिजली, सिंचाई, कृषि, डाकघर सहित अन्य सरकारी कार्यालयों में कार्यालय प्रमुखों द्वारा ध्वजारोहण किया जाएगा।

वहीं निजी स्कूल-कॉलेज और अन्य गैर सरकारी शिक्षण संस्थानों में भी स्वतंत्रता

दिवस समारोह की तैयारियां जोर-शोर से चल रही हैं। यहां सांस्कृतिक कार्यक्रम, देशभक्ति भाषण और ध्वजारोहण के आयोजन होंगे। व्यापार मंडल की ओर से बाजारों, प्रमुख चौराहों और दुकानों को तिरंगे तथा आकर्षक लाइटों से सजाने की तैयारी की गई है। स्वतंत्रता दिवस को लेकर पूरे खजनी क्षेत्र में देशभक्ति का माहौल दिखाई देने लगा है। प्रशासन ने सभी संस्थानों से कार्यक्रमों को गरिमापूर्ण ढंग से आयोजित करने तथा राष्ट्रीय ध्वज की गरिमा और सम्मान का विशेष ध्यान रखने की अपील की है।

### देवरिया के टीकमपार ताल में मिला मजदूर का शव, दो दिन से था लापता

**भाटपाररानी, (देवरिया)।** खड़ेसर गांव के रहने वाले 28 वर्षीय मजदूर मृत्युंजय खरवार का शव शुक्रवार सुबह टीकमपार ताल में मिलने से सनसनी फैल गई। वह दो दिन से लापता था। ताल में शव मिलने की सूचना पर स्वजन में चीख-पुकार मच गई। पुलिस ने शव कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। मौत के कारणों की जांच की जा रही है। मृत्युंजय मजदूरी कर परिवार का भरण-पोषण करता था। स्वजन के मुताबिक, बुधवार को वह टीकमपार में मजदूरी करने गया था। काम समाप्त होने के बाद वह घर नहीं लौटा। देर शाम तक उसके घर नहीं पहुंचने पर स्वजन ने तलाश शुरू की, लेकिन कोई सुराग नहीं मिला। पता नहीं चलने पर पत्नी गुड़िया देवी थाने पहुंची और पुलिस को जानकारी दी। पुलिस ने मृत्युंजय का फोटो लाने को कहा था। शुक्रवार सुबह गुड़िया फोटो लेकर थाने जाने की तैयारी कर रही थी। इसी बीच सूचना मिली कि टीकमपार ताल में एक युवक का शव मिला है। स्वजन मौके पर पहुंचे तो शव की पहचान मृत्युंजय के रूप में हुई। शव मिलने की खबर से परिवार में कोहराम मच गया। मृत्युंजय की पत्नी गुड़िया देवी के अलावा दो बेटियां ज्योति (10) और सृष्टि (7) हैं। उसके पिता दर्शन खरवार का पहले ही निधन हो चुका है। पुलिस ने शव विधिक कार्रवाई के लिए भेज दिया है।

# बादलों की आवाजाही, जारी रहेगा वर्षा का सिलसिला

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

**गोरखपुर।** वायुमंडलीय परिस्थितियां वर्षा के अनुकूल हो गई हैं। पूर्वी उत्तर प्रदेश में बादलों ने डेरा जमा लिया है और गुरुवार से वर्षा का सिलसिला शुरू हो गया। मौसम विज्ञानी कैलाश पांडेय ने 17 से 19 अगस्त के बीच मध्यम से भारी वर्षा का पूर्वानुमान जताया है। इससे तापमान में गिरावट आने के साथ उमस से परेशान लोगों को राहत मिलने की उम्मीद है। हालांकि कुछ स्थानों पर उमस बनी रह सकती है, लेकिन यह स्थायी नहीं होगी। मौसम विभाग के पैमाने पर गुरुवार को गोरखपुर में 26 मिलीमीटर वर्षा रिकार्ड की गई। मौसम विज्ञानी के अनुसार बंगाल की खाड़ी के ऊपर बना निम्न वायुदाब क्षेत्र धीरे-धीरे झारखंड होते हुए पूर्वी उत्तर प्रदेश की ओर बढ़ रहा है। इसके अगले दो दिनों में गोरखपुर पहुंचने की संभावना है। इसके साथ ही एक पश्चिमी विक्षोभ भी सक्रिय हो रहा है, जिसका प्रभाव भी दो दिन में दिखाई देने लगेगा। यही मौसमी परिस्थितियां 17 से 19 अगस्त के बीच मध्यम से भारी वर्षा का कारण बनेंगी। उन्होंने बताया कि गुरुवार को हुई वर्षा के पीछे मध्य प्रदेश के ऊपर बना निम्न वायुदाब क्षेत्र और पूर्वी उत्तर प्रदेश के ऊपरी वायुमंडल में बना चक्रवाती हवा का क्षेत्र प्रमुख कारण रहे।

इन्हीं कारणों से अगले दो दिनों में भी कुछ स्थानों पर हल्की वर्षा होने की संभावना है। मौसम विभाग के अनुसार अगले तीन-चार दिनों में अधिकतम तापमान 33 डिग्री सेल्सियस के आसपास रहेगा, जबकि न्यूनतम तापमान 25 डिग्री सेल्सियस से नीचे आने की संभावना है। मौसम विज्ञानी ने बताया कि 13 अगस्त तक गोरखपुर में 71 मिलीमीटर वर्षा हो चुकी है। अगस्त में सामान्य वर्षा का आंकड़ा 330 मिलीमीटर है। आगामी दिनों में होने वाली वर्षा से इसके सामान्य आंकड़े के करीब पहुंचने की उम्मीद है।

## पदोन्नति पाए तहसीलदारों ने डीएम से की शिष्टाचार मुलाकात

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

**गोरखपुर।** शासन द्वारा नायब तहसीलदार पद से तहसीलदार पद पर पदोन्नति पाए गोरखपुर के अधिकारियों ने शुक्रवार को जिलाधिकारी दीपक मीणा से शिष्टाचार मुलाकात की। नव पदोन्नत तहसीलदारों ने डीएम से आशीर्वाद प्राप्त करते हुए नई जिम्मेदारी के लिए मार्गदर्शन भी लिया। इस दौरान पदोन्नति पाने वाले अधिकारियों में देवेंद्र यादव, विजय यादव, अरविंद नाथ पांडेय, दुर्गेश कुमार चौरसिया, संजय सिंह, घनश्याम शुक्ला, हरीश यादव, जीवेंद्र त्रिपाठी और राकेश शुक्ला प्रमुख रूप से शामिल रहे। सभी अधिकारियों ने जिलाधिकारी से मुलाकात कर अपनी पदोन्नति की जानकारी साझा की और नई जिम्मेदारी के निर्वहन के लिए उनका आशीर्वाद प्राप्त किया।

शासन की ओर से हुई इस पदोन्नति के बाद गोरखपुर में लंबे समय से नायब तहसीलदार के रूप में कार्य कर रहे अधिकारियों को अब तहसीलदार के रूप में जिम्मेदारी मिलेगी। इनमें चार अधिकारी सदर तहसील में नायब तहसीलदार के पद पर तैनात थे, जिन्हें अब तहसीलदार पद पर पदोन्नति मिली है। जिलाधिकारी दीपक मीणा ने पदोन्नति पाने वाले सभी अधिकारियों को शुभकामनाएं देते हुए उनसे राजस्व कार्यों को पूरी पारदर्शिता, निष्पक्षता और संवेदनशीलता के साथ संपादित करने की अपेक्षा की। उन्होंने कहा कि तहसीलदार के रूप में अधिकारियों की जिम्मेदारी और बढ़ जाती है। आमजन की समस्याओं का समयबद्ध एवं गुणवत्तापूर्ण निस्तारण शासन की प्राथमिकताओं में शामिल है। पदोन्नति पाए अधिकारियों ने भी जिलाधिकारी को आश्वस्त किया कि वे शासन की मंशा के अनुरूप राजस्व कार्यों का प्रभावी ढंग से संचालन करेंगे और आम जनता को बेहतर प्रशासनिक सेवाएं उपलब्ध कराने के लिए पूरी निष्ठा से कार्य करेंगे।

**नायब तहसीलदार से तहसीलदार बने अधिकारियों ने लिया डीएम का आशीर्वाद, चार अधिकारी सदर तहसील से**

### दिव्यांगजनों ने निकाली भव्य तिरंगा यात्रा, शहीद झूरी सिंह को किया नमन

**भदोही।** प्रधानमंत्री के आह्वान पर हर घर तिरंगा अभियान के तहत शुक्रवार को दिव्यांगजनों ने देशभक्ति के जज्बे के साथ भव्य तिरंगा यात्रा निकाली। हाथों में तिरंगा लेकर निकली यात्रा में देश के प्रति श्रद्धा और शहीदों के सम्मान का भाव नजर आया। तिरंगा यात्रा मथतू तिराहा से शुरू होकर अमर शहीद झूरी सिंह स्मारक स्थल परऊपुर पहुंचकर समाप्त हुई। यात्रा में शामिल दिव्यांगजनों ने भारत माता के जयकारे लगाए और अमर शहीद झूरी सिंह को श्रद्धांजलि अर्पित की।

कार्यक्रम के मुख्य अतिथि अमर शहीद झूरी सिंह के प्रपौत्र डॉ. रामेश्वर सिंह ने दिव्यांगजनों के जज्बे को सलाम करते हुए कहा कि शहीदों के प्रति सम्मान और राष्ट्रभक्ति की भावना समाज के लिए प्रेरणादायी है। उन्होंने कहा कि दिव्यांगजनों ने जिस उत्साह के साथ तिरंगा यात्रा निकाली, वह सराहनीय है। इस दौरान शिवकुमार सिंह, बाबू, सलाम अंसारी, रविंद्र पाल, महेश कुमार, नीरज कनौजिया, प्रदीप कनौजिया, जितेंद्र कुमार, सूबेदार पाल, महावीर, धर्मेंद्र, दीनानाथ, दिनेश सहित बड़ी संख्या में दिव्यांगजन मौजूद रहे।

# काटकर लिनेन बेचेगा रेलवे, अब चादर से नहीं बन सकेगा कुर्ता-पायजामा

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

तस्वीर का इस्तेमाल प्रतीकात्मक प्रस्तुतीकरण के लिए किया गया है।

**गोरखपुर।** कुछ दिन पहले इंटरनेट मीडिया पर कुर्ता पहने किसी व्यक्ति का वीडियो प्रसारित हो गया था। कुर्ता पर रेलवे का लोगो साफ दिख रहा था। वीडियो कई दिनों तक चर्चा में रहा। लोग रेलवे को लेकर तरह-तरह के कमेंट भी करते रहे। इसे लेकर रेलवे की बदनामी हो रही थी और व्यवस्था पर सवाल खड़े हो रहे थे। ऐसी कोई तस्वीर या वीडियो रेलवे की छवि पर बट्टा न लगाए, इसके लिए रेल प्रशासन ने संबंधित विभागों को दिशा-निर्देश जारी किए हैं।

इसके तहत अब रेलवे प्रशासन चलन से बाहर लिनेन को काटकर बिक्री के लिए बोली आमंत्रित करेगा, ताकि बिकने के बाद कोई चादर का उपयोग पहनने के लिए वस्त्र सिलवाने में न कर सके। रेलवे प्रशासन समय-समय पर कंडम लिनेन की बोली लगाकर बेचता है। लोग बिक्री किए गए लाट से बेडशीट आदि निकालकर उसका उपयोग वस्त्र बनवाकर पहनने में न कर सकें, इसके लिए रेलवे प्रशासन ने बेडशीट आदि को दो तिहाई काटकर बेचने का निर्णय लिया है।

इस तरह रेलवे प्रशासन ने बिक्री की गई लिनेन के वस्त्र के रूप में उपयोग पर रोक लगाने की कवायद की है। पूर्वोत्तर रेलवे के मुख्य जनसंपर्क अधिकारी सुमित कुमार ने बताते हैं कि यह रेलवे बोर्ड की गाइडलाइन है। इसका अनुपालन सुनिश्चित कराया जा रहा है। हालांकि, वातानुकूलित कोचों से गायब होने वाले बेडरोल का दुरुपयोग रोकना अब भी बड़ी चुनौती है। जबकि, पिछले दिनों इंटरनेट मीडिया पर प्रसारित रेलवे के लिनेन से बने वस्त्र पहने व्यक्ति के वीडियो में इसे चोरी की चादर से निर्मित बताया गया था। गोरखपुर लाउंड्री से प्रतिदिन करीब 24 हजार बेडरोल के पैकेट तैयार होते हैं, जिन्हें यहां से बनकर चलने वाली 32 ट्रेनों के एसी कोचों के यात्रियों को उपलब्ध कराया जाता है।

**संसद तक में उठ चुका है लिनेन चोरी का मामला**

ट्रेनों के एसी कोचों से चोरी होने वाले लिनेन का मामला संसद तक में उठ चुका है। इसके बाद रेलवे बोर्ड ने सभी मंडलों से हिसाब मांगा था। पूर्वोत्तर रेलवे के लखनऊ मंडल ने जो रेलवे बोर्ड को आंकड़ा भेजा वह चौंकाने वाला था। गोरखपुर और ऐशबाग स्थित मैकेनाइज्ड लाउंड्री में पांच साल में लगभग 3 करोड़ 73 हजार रुपये के लिनेन (बेडरोल- बेडशीट, तौलिया, पिलो कवर और कंबल आदि) गायब हो चुके हैं। सिर्फ गोरखपुर लाउंड्री से ही छह माह में 15.40 लाख कीमत के 15,871 लिनेन गायब हो चुके हैं।

**बेडरोल की उम्र है निर्धारित**

रेलवे ने बेडरोल की उम्र भी निर्धारित की है। एक बेडशीट एक साल, कंबल दो साल तथा तौलिया और पिलो कवर आदि नौ-नौ माह चलते हैं। इसके बाद इन्हें कंडम घोषित कर दिया जाता है। स्टोर डिपो के माध्यम से बड़े पैमाने पर कंडम लिनेन की नीलामी की जाती है।

## शत्रु संपत्तियों पर प्रशासन की बड़ी कार्रवाई, 21 एकड़ भूमि होगी कब्जामुक्त

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

**गोरखपुर।** गोरखपुर में शत्रु संपत्तियों को कब्जामुक्त कराने के लिए प्रशासन ने एक बार फिर सर्वे कराने के साथ ही पुराने रिकार्ड और पूर्व में हुई कार्रवाई का विवरण जुटाना शुरू कर दिया है। गृह मंत्रालय के सात अगस्त के निर्देश के बाद जिले में चिह्नित 45 शत्रु संपत्तियों की वर्तमान स्थिति का सत्यापन कराया जा रहा है। केंद्र ने राज्यों को अवैध कब्जे वाली शत्रु संपत्तियों को खाली कराने के लिए 15 दिन की समयसीमा दी है। इनमें छह दिन बीत चुके हैं। प्रशासनिक रिकार्ड के अनुसार जिले में 45 शत्रु संपत्तियां चिह्नित हैं। इनका कुल क्षेत्रफल 21.96 एकड़ है। इनमें आवासीय व व्यावसायिक भवन के साथ खाली जमीन भी शामिल है। महानगर के घासीकटरा, इलाहीबाग, निजामपुर, मोहद्दीपुर के अलावा सदर तहसील का नयागांव, तुर्कवलिया, पिपराइच, करमहां बुजुर्ग, बांसगांव और चौरीचौरा तहसील क्षेत्र में ये संपत्तियां हैं।

प्रशासन से मिली जानकारी के अनुसार भटहट क्षेत्र के करमहा बुजुर्ग की सात शत्रु संपत्ति को लेकर मामला हाई कोर्ट में चल रहा है। महानगर और सदर तहसील क्षेत्र में 18 संपत्तियों के खाली होने और वहां पिलर लगाने के साथ ही प्रशासन का बोर्ड लगा दिए जाने का भी दावा किया जा रहा है। चौरीचौरा में एकड़ आठ एकड़ शत्रु संपत्ति है, जिसका सत्यापन चल रहा है। एक संपत्ति बांसगांव की है। राजस्व परिषद के निर्देश पर वर्ष 2022 में इन संपत्तियों पर काबिज लोगों को नोटिस जारी किए गए थे। साथ ही संपत्तियों का नए सिरे से सर्वे कर कब्जे की स्थिति दर्ज करने की प्रक्रिया शुरू की गई थी।

खाली जमीन को कब्जामुक्त कर लेने और पक्के निर्माण वाली संपत्तियों में शासन के निर्देश के अनुसार कार्रवाई की व्यवस्था तय की गई थी। अब नए निर्देश के बाद प्रशासन 2022 से संबंधित नोटिस, कब्जे की स्थिति और अब तक हुई कार्रवाई का रिकार्ड एकत्र कर रहा है। संपत्ति-वार अभिलेखों का मिलान कर यह तय किया जा रहा है कि कौन सी संपत्ति अभी कब्जे में है, किन मामलों में नोटिस की कार्रवाई हुई और किन प्रकरणों में न्यायालयी विवाद अथवा अन्य कानूनी अड़चन के कारण कार्रवाई आगे नहीं बढ़ सकी। प्रशासन की ओर से पुराने मामलों को नए सिरे से कार्रवाई के दायरे में लाने की तैयारी है। इससे वर्षों से लंबित शत्रु संपत्तियों के मामलों में अब संपत्ति-वार स्थिति स्पष्ट होने और नियमानुसार कब्जामुक्ति की कार्रवाई आगे बढ़ने की उम्मीद है। केंद्र की 15 दिन की समयसीमा के तहत संबंधित अभिलेखों और कार्रवाई की प्रगति को प्राथमिकता के आधार पर अपडेट किया जा रहा है।

**गोरखपुर प्रशासन 45 शत्रु संपत्तियों को कब्जामुक्त कराने के लिए नए सिरे से सर्वे और पुराने रिकॉर्ड खंगाल रहा है।**

## गोरखपुर गोला में प्रधान-प्रतिनिधि पर हमला, चार के खिलाफ मुकदमा

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

**गोलाबाजार, गोरखपुर।** गोला थाना क्षेत्र के बैकुण्ठपुर ग्राम सभा के प्रधान प्रतिनिधि सुनील यादव के साथ मारपीट का मामला सामने आया है। पीड़ित ने गांव के ही चार लोगों पर लाठी-डंडे से हमला करने, गाली-गलौज करने और जान से मारने की धमकी देने का आरोप लगाया है। तहरीर के आधार पर गोला पुलिस ने चारों आरोपितों के खिलाफ संबंधित धाराओं में मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। पुलिस को दी गई तहरीर के अनुसार, सुनील यादव बीते शुक्रवार को गेनुआडीह चौराहे पर पंचायत की ओर से कराए गए विकास कार्यों को अधिकारियों को दिखा रहे थे। आरोप है कि इसी दौरान गांव के अमित यादव उर्फ बादल पुत्र अनिरुद्ध यादव, अंगद यादव पुत्र हरिश्चंद्र यादव, सर्वजीत यादव पुत्र स्व. वंशराज यादव तथा अनिरुद्ध यादव पुत्र हरिश्चंद्र यादव वहां पहुंच गए। पीड़ित का आरोप है कि चारों पहले से घात लगाकर बैठे थे और मौका मिलते ही एक साथ लाठी-डंडे से हमला कर दिया।

अचानक हुए हमले में सुनील यादव को शरीर के कई हिस्सों में चोटें आईं। उन्होंने तहरीर में बताया कि मारपीट के दौरान उनके बाएं हाथ की कनिष्ठा उंगली भी टूट गई। घटना के दौरान किसी व्यक्ति द्वारा वीडियो बनाए जाने की बात भी तहरीर में कही गई है। पीड़ित का आरोप है कि वीडियो सामने आने के बाद आरोपित पक्ष लगातार गाली-गलौज करते हुए उन्हें जान से मारने की धमकी दे रहा है। सुनील यादव ने आरोपितों को दबंग किस्म का बताते हुए पुलिस से मामले में कड़ी कार्रवाई किए जाने की मांग की है। घटना को लेकर गांव में भी चर्चा का माहौल है। प्रभारी निरीक्षक सीपी पाण्डेय के निर्देश पर गोला पुलिस ने तहरीर के आधार पर भारतीय न्याय संहिता (बीएनएस) की धारा 115(2), 117(2), 352 और 351(3) के तहत चारों आरोपितों के खिलाफ मुकदमा दर्ज किया है। पुलिस का कहना है कि मामले की विवेचना की जा रही है। जांच के दौरान सामने आने वाले तथ्यों और साक्ष्यों के आधार पर आगे की कार्रवाई की जाएगी।

### सेमराध घाट पर निकली तिरंगा यात्रा, गंगा स्वच्छता का दिया संदेश

**भदोही।** 'हर घर तिरंगा, हर घाट तिरंगा अभियान-2026' के तहत जिला गंगा समिति की ओर से शुक्रवार को सेमराध घाट पर तिरंगा यात्रा, गंगा स्वच्छता अभियान एवं वंदे मातरम् के सामूहिक गान का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का उद्देश्य लोगों में राष्ट्रप्रेम की भावना मजबूत करने के साथ गंगा एवं उसके घाटों को स्वच्छ रखने के प्रति जागरूक करना रहा। श्री बृजभूषण सिंह सर्वोदय इंटर कॉलेज के 350 से अधिक छात्र-छात्राओं ने उत्साहपूर्वक तिरंगा यात्रा में भाग लिया। विद्यालय के प्रधानाचार्य ने यात्रा को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया। हाथों में तिरंगा लेकर विद्यार्थियों ने देशभक्ति के नारों के साथ यात्रा निकाली और गंगा स्वच्छता एवं संरक्षण का संदेश दिया।तिरंगा यात्रा के बाद विद्यार्थियों, अधिकारियों एवं कर्मचारियों ने सेमराध घाट पर स्वच्छता अभियान चलाया। घाट परिसर की साफ-सफाई कर लोगों से गंगा में कूड़ा-कचरा न डालने तथा घाटों को स्वच्छ बनाए रखने की अपील की गई। इसके बाद सभी ने सामूहिक रूप से राष्ट्रभक्ति से ओत-प्रोत 'वंदे मातरम्' का गान किया। कार्यक्रम में प्रभागीय वनाधिकारी विवेक यादव, डीसी पंचायत गौरव कुमार, डीपीओ नमामि गंगे मनीष शर्मा, क्षेत्रीय अधिकारी, उप क्षेत्रीय वनाधिकारी, वन दरोगा, बीट प्रभारी, पंचायत सचिव संदीप सिंह सहित पंचायत राज विभाग के कर्मचारी एवं रोजगार सेवक मौजूद रहे।

## गोरखपुर म्युनिसिपल बांड लिस्टिंग की तैयारी, सीएम योगी करेंगे उद्घाटन

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

**गोरखपुर।** नगर निगम के म्युनिसिपल बांड को स्टाक एक्सचेंज पर सूचीबद्ध कराने की प्रक्रिया अब अगले महत्वपूर्ण चरण की ओर बढ़ रही है। बांड की लिस्टिंग के अवसर पर स्टाक एक्सचेंज में होने वाले औपचारिक 'बेल रिंगिंग' कार्यक्रम की तैयारियां भी शुरू कर दी गई हैं। संभावना है कि सितंबर-अक्टूबर में होने वाले इस कार्यक्रम में मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ मुख्य अतिथि के रूप में शामिल होकर घंटी बजाकर बांड की लिस्टिंग की औपचारिक शुरुआत करें। हालांकि कार्यक्रम की तिथि और स्थान अभी तय नहीं हुआ है। म्युनिसिपल बांड के स्टाक एक्सचेंज पर सूचीबद्ध होने के अवसर पर घंटी बजाने की परंपरा महत्वपूर्ण मानी जाती है। यह औपचारिक आयोजन इस बात का प्रतीक होता है कि नगर निगम की ओर से जारी बांड अब शेयर बाजार के मंच पर निवेशकों के लिए उपलब्ध है।

सामान्य तौर पर स्टाक एक्सचेंज में किसी महत्वपूर्ण लिस्टिंग के अवसर पर मुख्य अतिथि या कंपनी अथवा संस्था के प्रतिनिधि घंटी बजाते हैं। नगर निगम के अधिकारियों के अनुसार, गोरखपुर के साथ मुरादाबाद नगर निगम के म्युनिसिपल बांड को भी स्टाक एक्सचेंज में सूचीबद्ध किया जाना है। दोनों नगर निकायों की बांड प्रक्रिया को लेकर संबंधित स्तर पर तैयारियां चल रही हैं। कार्यक्रम गोरखपुर में ही आयोजित किए जाने की संभावना है। बांड जारी करने की प्रक्रिया में एस्क्रो अकाउंट के लिए बैंक चयन, नगर निगम की वित्तीय स्थिति का आकलन और क्रेडिट रेटिंग समेत विभिन्न चरण शामिल हैं। निगम इन औपचारिकताओं को तेजी से पूरा कर रहा है, ताकि निर्धारित समय में बांड को बाजार में लाया जा सके। लिस्टिंग के साथ गोरखपुर नगर निगम के लिए यह केवल औपचारिक उपलब्धि नहीं होगी, बल्कि शहर के विकास के लिए पूंजी बाजार से संसाधन जुटाने की दिशा में भी महत्वपूर्ण कदम माना जाएगा।

**80 करोड़ रुपये का बांड, 350 करोड़ की परियोजना पर नजर**

नगर निगम ने 80 करोड़ रुपये के म्युनिसिपल बांड की योजना तैयार की है। इससे जुटाई जाने वाली धनराशि का उपयोग गोलघर अर्बन रिन्यूवल एवं सिटी ग्रोथ हब परियोजना में किया जाना प्रस्तावित है। करीब 314 करोड़ रुपये की पूरी परियोजना में लगभग 211 करोड़ रुपये की लागत से बहुमंजिला व्यावसायिक एवं मनोरंजन परिसर विकसित किया जाना है। चार्टर्ड अकाउंटेंट सौरभ अग्रवाल ने कहा कि म्युनिसिपल बांड के माध्यम से जुटाई गई राशि से इस तरह की शहरी आधारभूत संरचना परियोजनाओं को वित्तीय आधार मिलने की उम्मीद है।

## एसएसपी ने विभाजन पीड़ितों को दी श्रद्धांजलि

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

**गोरखपुर/**राष्ट्रीय एकता, अखंडता और सामाजिक समरसता को मजबूत करने के उद्देश्य से आज पुलिस लाइन्स गोरखपुर में 'विभाजन विभीषिका स्मृति दिवस' का भावपूर्ण आयोजन किया गया। इस कार्यक्रम का नेतृत्व वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक डॉ. कौस्तुभ ने किया। कार्यक्रम के दौरान भारत विभाजन के उस काले अध्याय को याद किया गया, जिसमें लाखों परिवारों को विस्थापन, असीम पीड़ा और जनहानि का सामना करना पड़ा था। एसएसपी डॉ. कौस्तुभ ने त्रासदी के शिकार हुए निर्दोष लोगों को भावभीनी श्रद्धांजलि अर्पित की और उनके संघर्ष को नमन किया। भारत विभाजन के समय अपनी जान गंवाने वाले और विस्थापन का दर्द झेलने वाले लोगों को याद कर श्रद्धांजलि दी गई। एसएसपी डॉ. कौस्तुभ ने उपस्थित सभी अधिकारियों और कर्मचारियों को देश की एकता, अखंडता और आपसी सौहार्द को हर कीमत पर बनाए रखने का संदेश दिया। उन्होंने कहा कि समाज में शांति और सुरक्षा बनाए रखने के साथ-साथ सामाजिक समरसता, भाईचारे और राष्ट्रीय एकता की भावना को मजबूत करना पुलिस व्यवस्था का प्रमुख दायित्व है। विभाजन की विभीषिका हमें याद दिलाती है कि आपसी सौहार्द और राष्ट्रीय एकता ही किसी देश की सबसे बड़ी ताकत है।

# सुल्तानपुर में पुलिस और नशे के सौदागरों के बीच मुठभेड़, पांच तस्कर गिरफ्तार

## सहजनपुर अंडरपास के पास तस्करों ने पुलिस पर की फायरिंग, जवाबी कार्रवाई में दो बदमाश गोली लगने से घायल, ओडिशा से लाते थे खेप

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

**राज्य ब्यूरो - विपिन शुक्ला**

**सुल्तानपुर।** जनपद के अखंडनगर थाना क्षेत्र में पुलिस को मादक पदार्थों की तस्करी के खिलाफ एक बड़ी सफलता हाथ लगी है। शुक्रवार तड़के पुलिस और शातिर तस्करों के बीच हुई मुठभेड़ में दो अभियुक्त गोली लगने से घायल हो गए, जबकि उनके तीन अन्य साथियों को घेराबंदी कर गिरफ्तार कर लिया गया। तस्करों के कब्जे से अंतरराष्ट्रीय बाजार में लगभग 5 करोड़ रुपये कीमत की 1.8 किलोग्राम अवैध मॉर्फिन, अवैध असलहे, कारतूस और तस्करी में इस्तेमाल होने वाली दो कारें (बलेनो और वरना) बरामद की गई हैं।

### मुखबिर की सूचना पर पुलिस ने की घेराबंदी

कादीपुर के क्षेत्राधिकारी (CO) विनय कुमार ने बताया कि अखंडनगर पुलिस को मुखबिर से सूचना मिली थी कि ड्रग्स तस्करों का एक गिरोह भारी मात्रा में माल की डिलीवरी करने के लिए निकलने वाला है। इस इनपुट पर त्वरित कार्रवाई करते हुए पुलिस टीम ने सहजनपुर अंडरपास के पास सुबह करीब 4:30 बजे सघन चेकिंग और घेराबंदी शुरू की। इसी दौरान दो संदिग्ध कारें (बलेनो और वरना) आती दिखाई दीं।

### आत्मरक्षार्थ पुलिस ने चलाई गोली

क्षेत्राधिकारी के अनुसार, जब पुलिस टीम ने कारों को रोककर पूछताछ का प्रयास किया, तो तस्करों ने खुद को घिरा देख पुलिस पर जान से मारने की नीयत से सीधे फायरिंग शुरू कर दी। अचानक हुए इस हमले पर पुलिस टीम ने संयम बरतते हुए आत्मरक्षार्थ जवाबी फायरिंग की। पुलिस की जवाबी कार्रवाई में दो बदमाश के पैर में गोली लगने से घायल हो गए, जिनकी पहचान खुर्शीद आलम (निवासी जैतपुर, जनपद बलरामपुर) और प्रशांत सिंह (थाना बल्दीराय, जनपद सुल्तानपुर) के रूप में हुई है।

### ओडिशा से जुड़े हैं तस्करी के तार

मौके से पुलिस ने उनके तीन अन्य साथियों रोहित तिवारी, अंकुर प्रजापति और रामबाबू को भी दबोच लिया। तलाशी के दौरान दोनों गाड़ियों से 1 किलो 800 ग्राम अवैध मादक पाउडर (मॉर्फिन) बरामद हुआ। पूछताछ में आरोपियों ने कुबूल किया कि वे इस खेप को ओडिशा से तस्करी कर लाए थे और उत्तर प्रदेश के विभिन्न जनपदों में गुप्त रास्तों से सप्लाई करने जा रहे थे।

### विधिक कार्रवाई जारी, घायलों का इलाज अस्पताल में

मुठभेड़ में घायल दोनों बदमाशों को पुलिस ने तुरंत इलाज के लिए अखंडनगर सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र (CHC) में भर्ती कराया है, जहां उनका उपचार चल रहा है। क्षेत्राधिकारी विनय कुमार ने बताया कि तहरीर के आधार पर सुसंगत धाराओं में अभियोग पंजीकृत किया जा रहा है। पुलिस इस रैकेट के पूरे नेटवर्क और स्थानीय संपर्कों को खंगालने के लिए आगे की विधिक कार्रवाई कर रही है।

# 80 वें स्वतंत्रता दिवस पर निकली भव्य तिरंगा यात्रा एवं बाइक रैली

## महिला पुलिसकर्मियों ने बाइक रैली में लिया हिस्सा, करीब 300 पुलिसकर्मी शामिल

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

**कानपुर।** 80 वें स्वतंत्रता दिवस के अवसर पर राष्ट्रभक्ति, राष्ट्रीय एकता एवं अखंडता की भावना को जन-जन तक पहुंचाने के उद्देश्य से पुलिस कमिश्नरेट कानपुर नगर की ओर से शुक्रवार को 'हर घर तिरंगा अभियान-2026' के तहत भव्य तिरंगा यात्रा एवं बाइक रैली निकाली गई। रिजर्व पुलिस लाइन से शुरू हुई यात्रा को पुलिस आयुक्त रघुबीर लाल ने हरी झंडी दिखाकर रवाना किया। बाइक रैली में महिला पुलिसकर्मियों ने उत्साहपूर्वक भाग लेकर राष्ट्रभक्ति के साथ महिला सशक्तीकरण का संदेश दिया। तिरंगा यात्रा रिजर्व पुलिस लाइन से लाल इमली चौराहा, नवीन मार्केट, बड़ा चौराहा, नानाराव पार्क, वीआईपी रोड और जिलाधिकारी कार्यालय होते हुए सरसैया घाट चौराहा पहुंची। इसके बाद यात्रा वापस रिजर्व पुलिस लाइन पहुंचकर संपन्न हुई। यात्रा में कोतवाली थाना, महिला थाना, पुलिस लाइन सहित विभिन्न थानों की महिला पुलिस अधिकारी एवं कर्मचारी तथा मिशन शक्ति टीमों के करीब 300 अधिकारी-कर्मचारी शामिल हुए। तिरंगा यात्रा के माध्यम से लोगों को हर घर तिरंगा अभियान से जुड़ने तथा अपने घरों एवं प्रतिष्ठानों पर राष्ट्रीय ध्वज फहराने के लिए प्रेरित किया गया। इस मौके पर अपर पुलिस आयुक्त कानून-व्यवस्था डॉ. विपिन ताडा, अपर पुलिस आयुक्त संकल्प शर्मा, पुलिस उपायुक्त मुख्यालय दिनेश त्रिपाठी, अपर पुलिस उपायुक्त मुख्यालय स्नेहा तिवारी, अपर पुलिस उपायुक्त योगेश कुमार, अपर पुलिस उपायुक्त अर्चना सिंह, सहायक पुलिस आयुक्त स्वरूपनगर ज्योतिश्री, सहायक पुलिस आयुक्त सीसामऊ प्रगति यादव, सहायक पुलिस आयुक्त कर्नलगंज आकांक्षा पांडेय सहित अन्य अधिकारी एवं कर्मचारी मौजूद रहे। पुलिस आयुक्त रघुबीर लाल ने कहा कि तिरंगा केवल एक ध्वज नहीं, बल्कि वीर जवानों के बलिदान, देश की एकता-अखंडता और करोड़ों भारतीयों के गौरव का प्रतीक है। उन्होंने नागरिकों से 'हर घर तिरंगा अभियान-2026' में बढ़-चढ़कर भाग लेने और राष्ट्रीय ध्वज की गरिमा एवं सम्मान बनाए रखने की अपील की।

## तिरंगा रैली गांधी तिराहे से शास्त्री पार्क तक गूंजे भारत माता के जयकारे

**उन्नाव।** हर घर तिरंगा कार्यक्रम के तहत गुरुवार को गांधी तिराहे से शास्त्री पार्क तक भव्य तिरंगा यात्रा निकाली गई। जिलाधिकारी घनश्याम मीना, पुलिस अधीक्षक जय प्रकाश सिंह और सदर विधायक पंकज गुप्ता की गरिमामयी मौजूदगी में आयोजित इस यात्रा में बड़ी संख्या में लोगों ने उत्साहपूर्वक भाग लेकर राष्ट्रभक्ति का संदेश दिया।तिरंगा यात्रा के दौरान भारत माता की जय, वंदे मातरम् सहित देशभक्ति के नारों और राष्ट्रगीतों से पूरा शहर गूंज उठा। हाथों में तिरंगा लेकर निकले जनसमूह में खासा उत्साह नजर आया। यात्रा में एनसीसी, स्काउट-गाइड, पीआरडी जवानों के साथ बेसिक एवं माध्यमिक विद्यालयों के छात्र-छात्राओं और शिक्षकों ने भी बढ़-चढ़कर प्रतिभाग किया। रैली का विधिवत शुभारंभ गांधी तिराहे से जिलाधिकारी घनश्याम मीना, पुलिस अधीक्षक जय प्रकाश सिंह एवं सदर विधायक पंकज गुप्ता ने किया। इसके बाद तिरंगा यात्रा शास्त्री पार्क की ओर रवाना हुई। इस अवसर पर मुख्य विकास अधिकारी कृति राज, अपर जिलाधिकारी वित्त एवं राजस्व सुशील कुमार गोंड, सिटी मजिस्ट्रेट मनोज कुमार सिंह, परियोजना निदेशक तेजवंत सिंह सहित विभिन्न विभागों के जिला स्तरीय अधिकारी मौजूद रहे। भाजपा जिलाध्यक्ष अनुराग अवस्थी समेत बड़ी संख्या में पार्टी पदाधिकारी एवं कार्यकर्ता, शैक्षणिक संस्थानों के शिक्षक-शिक्षिकाएं और छात्र-छात्राएं भी यात्रा में शामिल हुए। भव्य तिरंगा यात्रा ने शहर में राष्ट्रभक्ति और एकता का माहौल बना दिया। बड़ी संख्या में लोगों की भागीदारी ने हर घर तिरंगा अभियान के संदेश को जन-जन तक पहुंचाया।

## स्वच्छता अभियान में छात्र-छात्राओं ने दिया स्वस्थ वातावरण का संदेश

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

**कोंच(जालौन)-** शिक्षा महानिदेशक स्कूल शिक्षा के आदेश एवं जिला विद्यालय निरीक्षक राजकुमार पंडित के निर्देशन में शुक्रवार को एसआरपी इंटर कॉलेज में स्वच्छता अभियान चलाया गया। अभियान के तहत विद्यालय परिसर, प्रयोगशालाओं सहित विभिन्न शैक्षणिक एवं उपयोगी स्थलों की साफ-सफाई कर उन्हें व्यवस्थित किया गया। शिक्षकों और छात्र-छात्राओं ने अभियान में सहभागिता करते हुए स्वच्छता का संदेश दिया। शिक्षकों ने विद्यार्थियों को व्यक्तिगत स्वच्छता के साथ विद्यालय एवं आसपास के वातावरण को स्वच्छ रखने के लिए प्रेरित किया। विद्यार्थियों से कूड़ा निर्धारित स्थान पर डालने और विद्यालय परिसर को साफ रखने की अपील की गई। विद्यालय प्रशासन ने कहा कि स्वच्छ वातावरण का विद्यार्थियों के स्वास्थ्य और पढ़ाई पर सकारात्मक प्रभाव पड़ता है। अभियान के दौरान सभी ने स्वच्छता को दैनिक जीवन का हिस्सा बनाने का संकल्प लिया। इस दौरान प्रधानाचार्य आशीष पोरवाल, पीटी अध्यापक जितेंद्र वर्मा, अतुल कुमार, नंदन कुमार, अविनीश लोहिया, अनुपम शर्मा, शैलेंद्र मोहन बसेडिया, नरेंद्र परिहार सहित छात्र-छात्राएं मौजूद रहे।

## छात्र छात्राओं ने हर घर तिरंगा यात्रा का कार्यक्रम का आयोजन किया

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

**सीखड़।** नरोत्तम सिंह पदम सिंह राजकीय यात्रा स्नातकोत्तर महाविद्यालय में हर घर तिरंगा एवं आनंदी मां एक जीवन बचाओ एवं कैंसर मुक्त भारत यात्रा अभियान के संयुक्त तत्वाधान में विभिन्न कार्यक्रमों का आयोजन किया गया। छात्र-छात्राओं द्वारा हर घर तिरंगा कार्यक्रम का आयोजन किया गया, जिसका उद्देश्य आमजन में लोगों के दिलों में देशभक्ति की भावना जगाना और राष्ट्रीय ध्वज के प्रति व्यक्तिगत जुड़ाव को बढ़ावा देना। महिला स्वास्थ्य संबंधित प्रचार प्रसार हेतु महाविद्यालय के के छात्र-छात्राओं को डॉ. सबीहा नाज द्वारा महिला स्वास्थ्य संबंधी शपथ दिलाई गयी। इस कार्यक्रम में राष्ट्रीय सेवा योजना प्रभारी डॉ. प्रेम यादव रोवर्स एवं रेंजर्स प्रभारी डॉ. राम नरेश यादव एवं डॉ. नीलम यादव, डॉ. मधु तिवारी, डॉ. दीपक वर्मा समेत महाविद्यालय के सभी प्राध्यापक उपस्थित रहे। तत्पश्चात गृह विज्ञान प्रभारी डॉ0 पल्लवी मिश्रा द्वारा महाविद्यालय की बीएससी की छात्राओं के समक्ष 'महिला स्वास्थ्य एवं पोषण' विषय पर व्याख्यान दिया गया, जिसमें उन्होंने सर्वाइकल एवं ब्रेस्ट कैंसर संबंधित टीकाकरण की विस्तृत जानकारी छात्राओं से साझा की। सभी कार्यक्रमों में महाविद्यालय के छात्र-छात्राओं ने बड़ी संख्या में प्रतिभाग किया। समस्त कार्यक्रम महाविद्यालय प्राचार्य प्रो. दिनेश कुमार यादव जी के मार्गदर्शन में संपन्न हुआ।

## नवाबगंज में गूंजा तिरंगा, देशभक्ति के नारों से सराबोर हुआ सोहरामऊ

**नवाबगंज, उन्नाव।** क्षेत्र के रसूलपुर गांव स्थित शहीद चंद्रशेखर आजाद इंटर कॉलेज एवं आरके इंफ्रास्टेट, सोहरामऊ के संयुक्त तत्वावधान में शुक्रवार को विशाल तिरंगा यात्रा का आयोजन किया गया। यात्रा में विद्यालय के छात्र-छात्राओं के साथ संभ्रांत नागरिकों, सामाजिक कार्यकर्ताओं एवं शिक्षकों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया।तिरंगा यात्रा का शुभारंभ विद्यालय परिसर में शहीद चंद्रशेखर आजाद एवं विद्यालय के संस्थापक अध्यक्ष स्मृतिशेष रघुराज सिंह सेंगर की प्रतिमाओं पर माल्यार्पण कर किया गया। भाजपा नेता एवं ब्लॉक प्रमुख प्रतिनिधि रवि प्रताप सिंह, सेवानिवृत्त शिक्षक रमाकांत दीक्षित, प्रधानाचार्य अवधेश कुमार सिंह, आरके इंफ्रास्टेट के एमडी सुधांशु शेखर सिंह सहित शिक्षक-शिक्षिकाओं एवं छात्र-छात्राओं ने प्रतिमाओं पर श्रद्धासुमन अर्पित किए। यात्रा विद्यालय परिसर से शुरू होकर राजमार्ग स्थित रसूलपुर, आशाखेड़ा होते हुए सोहरामऊ कस्बे पहुंची।

## आई जी आर एस में लापरवाही पर डीएम का बड़ा एक्शन, 22 अधिकारियों का वेतन रोका

**उन्नाव।** शासन की प्राथमिकता वाली समन्वित शिकायत निवारण प्रणाली आई जी आर एस में लापरवाही बरतना उन्नाव के 22 अधिकारियों को भारी पड़ गया। शिकायतों का समयबद्ध एवं संतुष्टिपरक निस्तारण न किए जाने पर जिलाधिकारी घनश्याम मीना ने बड़ी कार्रवाई करते हुए संबंधित अधिकारियों का अग्रिम आदेशों तक वेतन रोकने के साथ स्पष्टीकरण तलब किया है। जिलाधिकारी ने स्पष्ट किया कि जब तक संबंधित विभाग आई जी आर एस की स्थिति में सुधार नहीं करते, तब तक अधिकारियों का वेतन आहरित नहीं किया जाएगा। समीक्षा के दौरान 20 प्रतिशत से अधिक शिकायतकर्ता असंतुष्ट पाए गए, जिसे डीएम ने गंभीर लापरवाही मानते हुए कड़ी नाराजगी जताई। कार्रवाई की जद में विद्युत विभाग, समाज कल्याण, लोक निर्माण विभाग, महिला कल्याण, पशुपालन, जिला पंचायत, माध्यमिक शिक्षा, पंचायती राज, बैंकिंग, परिवहन, बाल विकास पुष्टाहार, खाद्य एवं रसद, होमगार्ड, रोडवेज, खेलकूद, वाणिज्य कर, आवास एवं विकास परिषद, मंडी परिषद, स्वास्थ्य, ग्रामीण सड़क योजना और मनरेगा समेत विभिन्न विभागों के अधिकारी शामिल हैं। डीएम ने कहा कि शिकायतों के निस्तारण में केवल औपचारिकता नहीं, बल्कि शिकायतकर्ता से संवाद कर उसकी संतुष्टि सुनिश्चित करना जरूरी है। असंतुष्टि का बढ़ता प्रतिशत यह दर्शाता है कि संबंधित अधिकारियों द्वारा शिकायतकर्ताओं से प्रभावी जनसंवाद एवं संतुष्टिपरक निस्तारण का पर्याप्त प्रयास नहीं किया जा रहा है। उन्होंने संबंधित अधिकारियों को निर्देश दिया कि स्पष्टीकरण पत्र प्राप्ति के एक सप्ताह के भीतर यह स्पष्ट करें कि किन परिस्थितियों में शिकायतकर्ताओं से संवाद करते हुए संतुष्टिपरक निस्तारण सुनिश्चित नहीं किया गया।

## हर घर तिरंगा अभियान के अंतर्गत जागरूकता रैली आयोजित

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

**चुनार, मीरजापुर ।** शुक्रवार को हर घर तिरंगा अभियान के अंतर्गत राष्ट्रीय सेवा योजना, रोवर्स-रेंजर्स,भातखंडे एवं मिशन शक्ति के संयुक्त तत्वावधान में राजकीय स्नातकोत्तर महाविद्यालय में जागरूकता रैली का आयोजन किया गया। महाविद्यालय की प्राचार्य प्रोफेसर डॉ माधवी शुक्ला के नेतृत्व में जागरूकता रैली महाविद्यालय परिसर से पिरल्लीपुर के लिए रवाना हुई। रैली में छात्र-छात्राओं एवं स्वयंसेवकों ने हाथों में तिरंगा लेकर उत्साहपूर्वक सहभागिता की तथा आमजन को हर घर तिरंगा अभियान के प्रति जागरूक किया। इस अवसर पर 'वंदे मातरम्', 'विजयी विश्व तिरंगा प्यारा' आदि देशभक्ति गीतों का सामूहिक गायन किया गया। डॉ दीप नारायण ने अपने ओजपूर्ण देशभक्ति गीतों की प्रस्तुति से आम जनमानस को रोमांचित एवं भावविभोर कर दिया, उनके गीतों से रैली में उत्साह और देशभक्ति का वातावरण और अधिक प्रभावशाली हो गया। इस दौरान 'हर घर तिरंगा—हर दिल तिरंगा', 'भारत माता की जय', 'वंदे मातरम' आदि देशभक्ति नारों से वातावरण गूंज उठा। रैली के माध्यम से राष्ट्रीय एकता,अखंडता एवं राष्ट्रप्रेम का संदेश आमजन तक पहुंचाया गया रैली के संयोजक डॉ दीप नारायण एवं डॉ दीपक कुमार सिंह रहे। प्राचार्य प्रोफेसर डॉ माधवी शुक्ला ने कहा कि हर घर तिरंगा अभियान नागरिकों में राष्ट्रध्वज के प्रति सम्मान तथा देश के प्रति गौरव की भावना को सुदृढ़ करने का महत्वपूर्ण माध्यम है। रैली में डॉ चंदन शाहू ,प्रोफेसर कुसुमलता,डॉ भास्कर प्रसाद द्विवेदी,डॉ सत्येंद्र कुमार,डॉ संकटा प्रसाद सोनकर,डॉ अरविंद कुमार,डॉ अवधेश सिंह यादव, डॉ नलिनी सिंह,डॉ स्मिता, डॉ गुरु प्रसाद सिंह,डॉ चन्दन कुमार द्विवेदी,डॉ शिखा तिवारी,डॉ विद्या सिंह, डॉ मंजुला शुक्ला , डॉ अमित यादव,डॉ शैलेंद्र कुमार,धर्म चंद सहित कर्मचारीगण, राष्ट्रीय सेवा योजना के स्वयंसेवक,रोवर्स-रेंजर्स, मिशन शक्ति के सदस्य एवं छात्र-छात्राएँ उपस्थित रहे।

## पुलिस ने शांति भंग में छह महिला समेत सात को किया गिरफ्तार

स्वतंत्र प्रभात

**रतनपुर/महराजगंज।** परसामलिक क्षेत्र में पुलिस ने शांति व्यवस्था को प्रभावित करने वाले तत्वों के खिलाफ एक बड़ी कार्रवाई की है। इस विशेष अभियान के तहत पुलिस टीम ने थाना क्षेत्र के छह महिला समेत कुल सात आरोपियों को गिरफ्तार किया है। जानकारी के मुताबिक परसामलिक पुलिस ने धारा 170/126/135 बीएनएसएस के तहत एक बड़ी कार्रवाई करते हुए कुल 07 अभियुक्तों को गिरफ्तार किया है। जिनमें 01 पुरुष और 06 महिलाएं शामिल हैं। गिरफ्तार किए गए आरोपियों की पहचान दिनेश चौहान (30) निवासी असुरैना टोला मल्लूडीह तथा महिलाओं में रूपा (35), आशा (28), पुष्पा (30), श्रीकला (26), कौशल्या (45) और अनारी (45) निवासीगण विशुनपुरा के रूप में हुई है। पुलिस टीम ने इन सभी आरोपियों के खिलाफ कार्रवाई करते हुए आवश्यक अग्रिम विधिक प्रक्रिया पूरी कर ली है, जिसके बाद सभी को न्यायालय के समक्ष पेश किया गया है। इस संबंध में थानाध्यक्ष विवेक कुमार सिंह ने बताया कि सात लोगों के खिलाफ शांति भंग की कार्यवाही करते हुए न्यायालय भेजा गया है।

## विद्यालय के छात्र-छात्राओं ने चलाया स्वच्छता अभियान

### सफाई के दौरान प्राचीन शिव मंदिर की भी की साफ-सफाई

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

**रतनपुर/महराजगंज।** नौतनवां ब्लाक क्षेत्र के ग्राम पंचायत महरी में स्थित कम्पोजिट विद्यालय के छात्र-छात्राओं और शिक्षकों ने राष्ट्र निर्माण और सामाजिक विकास के प्रति अपनी सहभागिता सुनिश्चित करते हुए एक वृहद स्वच्छता अभियान चलाया, जिसके तहत पूरे विद्यालय परिसर के साथ-साथ बगल में स्थित ऐतिहासिक व प्राचीन शिव मंदिर की भी सघन साफ-सफाई की। प्रधानाध्यापक शेर सिंह के नेतृत्व में आयोजित इस विशेष प्रेरणादायक अभियान में न केवल विद्यालय के बच्चों बल्कि समस्त शिक्षक स्टाफ ने भी पूरे उत्साह के साथ बढ़-चढ़कर श्रमदान किया, जिसके बाद परिसर की सूरत बदली हुई नजर आई। इस दौरान आयोजित एक विशेष सभा में सभी छात्र-छात्राओं और उपस्थित लोगों को अपने दैनिक जीवन, परिवार और आसपास के परिवेश को स्वच्छ रखने तथा प्लास्टिक मुक्त समाज बनाने के प्रति निष्ठापूर्वक काम करने की सामूहिक शपथ दिलाई गई। इस मौके पर सहायक अध्यापक अमित कुमार, सुधीर पटेल सहित विद्यालय के छात्र-छात्राएं मौजूद रहे।

# बिराहिमपुर में प्रधान पर गबन से लेकर हत्या की धमकी तक के आरोप!

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

**मलिहाबाद/लखनऊ।** मलिहाबाद थाना क्षेत्र के ग्राम रामपुर बस्ती में ग्राम प्रधान पर गंभीर आरोप लगाते हुए एक प्रार्थना पत्र सामने आया है। प्रार्थना पत्र में मृतक पिता के नाम पर शासन से मिली आर्थिक सहायता की रकम में कथित हेराफेरी, जमीन को लेकर विवाद, नाबालिग भाइयों के साथ कथित उत्पीड़न, घर के निर्माण में बाधा डालने तथा हथियारबंद लोगों के साथ मिलकर जान से मारने का प्रयास करने जैसे गंभीर आरोप लगाए गए हैं। पीड़ित पक्ष ने मामले में उच्च अधिकारियों से हस्तक्षेप कर आरोपियों के खिलाफ मुकदमा दर्ज कराने और जान-माल की सुरक्षा सुनिश्चित करने की मांग की है। प्रार्थना पत्र के अनुसार, शिकायतकर्ता धर्म और राजवीर (नाबालिग), पुत्र स्वर्गीय लल्लू, निवासी ग्राम रामपुर बस्ती, थाना मलिहाबाद, जिला लखनऊ हैं। शिकायतकर्ता ने स्वयं को अनुसूचित जाति के पासी समाज से संबंधित बताते हुए कहा है कि उनके पिता लल्लू की वर्ष 2021 में नदी में डूबने से मृत्यु हो गई थी। पिता की आकस्मिक मृत्यु के बाद शासन की ओर से परिवार को आर्थिक सहायता प्रदान की गई थी। शिकायतकर्ता का आरोप है कि वर्तमान ग्राम प्रधान रामशंकर कश्यप पुत्र राम औतार, निवासी ग्राम रामपुर बस्ती, उनके पास बैंक से संबंधित बुक और अन्य कागजात लेकर पहुंचे थे। आरोप है कि ग्राम प्रधान द्वारा परिवार से 20 हजार रुपये की मांग की गई और रुपये न देने पर कथित रूप से जातिसूचक गालियां दी गईं तथा दबाव बनाया गया। प्रार्थना पत्र में आरोप लगाया गया है कि परिवार को शासन से मिली करीब 1.25 लाख रुपये की सहायता राशि में से 16 हजार रुपये कथित रूप से हड़प लिए गए। शिकायतकर्ता का कहना है कि उसके माता-पिता नहीं हैं और परिवार अनुसूचित जाति से होने के कारण मेहनत-मजदूरी कर अपना जीवनयापन करता है। ऐसे में सरकारी सहायता की रकम उनके लिए बेहद महत्वपूर्ण है। शिकायत में एक अन्य गंभीर आरोप यह लगाया गया है कि करीब दो माह पूर्व ग्राम प्रधान ने शिकायतकर्ता के बड़े भाई करन को बहला-फुसलाकर तथा कथित रूप से शराब पिलाकर उसके हिस्से की जमीन का सौदा करा दिया। आरोप है कि जमीन का विक्रय बिना उचित भुगतान किए कराया गया और बिक्री की पूरी रकम कथित रूप से हड़प ली गई। पीड़ित पक्ष के अनुसार, इस मामले को लेकर उसके भाई की ओर से न्यायालय में आपत्ति भी दाखिल की गई है। इसी जमीन विवाद के बाद से ग्राम प्रधान और शिकायतकर्ता परिवार के बीच तनाव और बढ़ने का दावा प्रार्थना पत्र में किया गया है। शिकायतकर्ता ने आरोप लगाया है कि वह अपने रहने के लिए मकान का निर्माण करा रहा है, लेकिन ग्राम प्रधान द्वारा निर्माण कार्य में लगातार हस्तक्षेप किया जा रहा है। आरोप है कि पीड़ित को अपने भाई की जमीन से बचाने के नाम पर दूसरे स्थान पर मकान बनाने की बात कही गई, लेकिन वहां भी निर्माण कार्य में कथित रूप से बाधा उत्पन्न की जा रही है। पीड़ित पक्ष का दावा है कि ग्राम प्रधान द्वारा उन्हें मानसिक रूप से परेशान किया जा रहा है और लगातार दबाव बनाया जा रहा है। प्रार्थना पत्र में सबसे गंभीर आरोप 9 अगस्त 2026 की घटना को लेकर लगाया गया है। शिकायतकर्ता के मुताबिक, ग्राम प्रधान अपने करीब 10-12 अज्ञात लोगों के साथ हथियारों से लैस होकर उनके पास पहुंचे। आरोप है कि सभी लोग एक वाहन में सवार

## संक्षिप्त खबरें

### प्रधानमंत्री मत्स्य संपदा योजना के लिए 24 अगस्त तक करें आवेदन

**प्रतापगढ़।** मुख्य कार्यकारी अधिकारी मत्स्य पालक विकास अभिकरण कमलेश कुमार बौद्ध ने बताया कि मत्स्य विभाग द्वारा संचालित प्रधानमंत्री मत्स्य संपदा योजना हेतु पात्र लाभार्थी विभागीय पोर्टल पर आनलाइन आवेदन 14 अगस्त से 24 अगस्त तक कर सकते है। प्रधानमंत्री मत्स्य संपदा योजना के अंतर्गत खारे जल में तालाब निर्माण एवं निवेश के लिए 33.93 हेक्टेयर क्षेत्र, जिसमें सामान्य, महिला एवं अनुसूचित जाति वर्ग के लाभार्थी शामिल हैं, के लिए लक्ष्य निर्धारित किया गया है। इसके अतिरिक्त मध्याकार आरएएस में 3 यूनिट (सामान्य वर्ग) एवं रियरिंग यूनिट, महिला एवं अनुसूचित जाति वर्ग के लिए 22.667 हेक्टेयर, बैकयार्ड आरएएस की 241 यूनिट महिला वर्ग तथा 500 यूनिट पारंपरिक मछुआरा परिवारों के लिए आजीविका एवं पोषण संबंधी सहायता योजनाओं का लक्ष्य निर्धारित किया गया है। इन योजनाओं के माध्यम से पात्र लाभार्थियों को मत्स्य पालन से जुड़ी विभिन्न परियोजनाओं के लिए शासन द्वारा निर्धारित प्रावधानों के अनुसार लाभ प्रदान किया जाएगा। इच्छुक लाभार्थी विभागीय पोर्टल http://fisheries.up.gov.in पर ऑनलाइन आवेदन कर सकते हैं। उन्होने बताया है कि योजनाओं से संबंधित परियोजना का विवरण, इकाई लागत, आवेदन प्रक्रिया तथा आवेदन के साथ संलग्न किए जाने वाले अभिलेखों की विस्तृत जानकारी विभागीय पोर्टल पर उपलब्ध है। इसके अतिरिक्त मत्स्य विभाग के जनपदीय एवं मण्डलीय कार्यालय से भी कार्यदिवस में जानकारी प्राप्त की जा सकती है। उन्होने पात्र एवं इच्छुक लोगों से अपील की है कि वे निर्धारित अंतिम तिथि 24 अगस्त से पहले ऑनलाइन आवेदन कर योजना का लाभ उठाएं।

### राजकीय आईटीआई में 17 अगस्त को लगेगा रोजगार मेला

**प्रतापगढ़।** राजकीय औद्योगिक प्रशिक्षण संस्थान के नोडल प्रधानाचार्य आलोक कुमार ने बताया है कि राजकीय औद्योगिक प्रशिक्षण संस्थान प्रतापगढ़ में 17 अगस्त को रोजगार मेले का आयोजन किया जा रहा है। रोजगार मेले में न्यूवेन सिस्टम प्राइवेट लिमिटेड बड़ोदरा गुजरात की कम्पनी अपना प्लेसमेन्ट ड्राइव की प्रक्रिया पूर्ण करेगी। कम्पनी से प्राप्त जानकारी के अनुसार कुल 130 अप्रेन्टिस की रिक्तियां उपलब्ध होगी। कैम्पस इन्टरव्यू के अन्तर्गत फिटर, इलेक्ट्रीशियन, इलेक्ट्रानिक मैकेनिक, वायरमैन के उत्तीर्ण कर चुके/अपेयरिंग प्रशिक्षार्थियों की आवश्यकता है। विस्तृत जानकारी के लिये संस्थान के कैम्पस सेल प्रभारी सौरभव शुक्ला मोबाइल नम्बर 7011251675 (टीपीओ) से सम्पर्क कर सकते है।

### साइबर ठग गिरोह का साइबर क्राइम पुलिस ने किया पर्दाफाश, तीन गिरफ्तार

**प्रतापगढ़।** पीड़ित निवासी 39 पल्टन बाजार, थाना कोतवाली नगर, जनपद प्रतापगढ़ द्वारा साइबर क्राइम पुलिस थाना प्रतापगढ़ पर लिखित तहरीर दी गई कि अज्ञात जालसाजों द्वारा पार्सल डिलीवरी के नाम पर उन्हें झांसे में लेकर एक विशेष कोड डायल करवाया गया, जिसके फलस्वरूप उनके मोबाइल नंबरों पर कॉल फॉरवर्डिंग सक्रिय हो गई। इसके बाद साइबर अपराधियों द्वारा उनके दोनों मोबाइल नंबरों के व्हाट्सऐप अकाउंट पर अवैध रूप से नियंत्रण प्राप्त कर उनके रिश्तेदारों एवं परिचितों से धोखाधड़ी की गई। अभियोग के शीघ्र अनावरण हेतु पुलिस अधीक्षक दीपक भूकर के निर्देशन में साइबर क्राइम पुलिस टीम द्वारा अपराध में प्रयुक्त बैंक खातों, मोबाइल नंबरों, यूपीआई आईडी एवं अन्य डिजिटल साक्ष्यों को ट्रेस किया गया। जिससे अभियुक्तगण अमित कुमार पुत्र स्व0 केदार राम, उम्र करीब 20 वर्ष, लालटुश कुमार पुत्र चन्द्रिका यादव उर्फ चाँद व सोनू कुमार पुत्र रामचन्द्र उर्फ मुन्नाराम निवासीगण ग्राम नसरतपुर, थाना बरबीघा, जनपद शेखपुरा, बिहार को शुक्रवार को गिरफ्तार किया गया। पूछताछ एवं तकनीकी जांच से प्रकाश में आया कि उक्त गिरोह द्वारा इंटरनेट एवं गूगल सर्च के माध्यम से संभावित पीड़ितों के नाम, पते एवं मोबाइल नंबरों से संबंधित जानकारी एकत्र की जाती थी। इसके बाद गिरोह के सदस्य फर्जी/अन्य सिमकार्ड से पीड़ितों को कॉल कर स्वयं को कूरियर अथवा पार्सल सर्विस का प्रतिनिधि बताते थे तथा पार्सल डिलीवरी अथवा पता सत्यापन के नाम पर पीड़ित को कॉल फॉरवर्डिंग एक्टिवेट करने के लिए कहते थे।

# एक माह से सचिव विहीन कटेहरी बसंतपुर क्लस्टर, ग्रामीण बेहाल

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

**कटेहरी (अम्बेडकरनगर):** विकासखंड कटेहरी के बसंतपुर क्लस्टर में प्रशासनिक लापरवाही का एक बड़ा मामला सामने आया है। पिछले एक महीने से अधिक समय से यहां किसी सचिव की तैनाती नहीं हुई है। इस गंभीर लापरवाही के कारण क्लस्टर के अंतर्गत आने वाली सभी ग्राम सभाओं के विकास कार्य पूरी तरह ठप पड़े हैं। सबसे बड़ी मार उन आम नागरिकों पर पड़ रही है जो अपने जरूरी दस्तावेजों के लिए सरकारी दफ्तरों के चक्कर काट रहे हैं।

**21 दिन की समयसीमा बीती, अब तहसील की दौड़ लगाने को मजबूर जनता**

नियम के मुताबिक, जन्म और मृत्यु प्रमाण पत्र आवेदन के 21 दिनों के भीतर ब्लॉक स्तर पर आसानी से बन जाने चाहिए। सचिव न होने के कारण यह समयसीमा पार हो चुकी है। अब नियमों के फेर में फंसी जनता को इन प्रमाण पत्रों के लिए तहसील के चक्कर काटने पड़ेंगे। जो काम गांव और ब्लॉक स्तर पर आसानी से हो सकता था, वह अफ़सरों की सुस्ती के कारण अब आम जनता के लिए भारी मुसीबत बन गया है।

**डीपीआरओ के खोखले आश्वासन, 15 दिनों से सिर्फ मिल रही 'तारीख पर तारीख'**

इस गंभीर समस्या को लेकर जब जिला पंचायत राज अधिकारी (DPRO) से संपर्क किया गया, तो पिछले 15 दिनों से सिर्फ खोखले आश्वासन ही मिल रहे हैं। डीपीआरओ हर बार फोन पर यही रटा-रटाया जवाब देते हैं कि 'आज काम हो जाएगा' या 'कल सचिव की तैनाती कर दी जाएगी। लेकिन हकीकत यह है कि आज तक बसंतपुर क्लस्टर को कोई सचिव नहीं मिला है।अफ़सरों के इस गैर-जिम्मेदाराना रवैये से स्थानीय ग्रामीणों में भारी आक्रोश है। जनता का सीधा सवाल है कि आखिर अधिकारियों की इस सुस्ती और लापरवाही की सजा आम नागरिक क्यों भुगते?

### ऑटो की चपेट में आने से 12 वर्षीय छात्रा की मौत

**बिस्कोहर (सिद्धार्थनगर)।** त्रिलोकपुर थाना क्षेत्र के दोपेड़ऊवा तिराहे के पास शुक्रवार सुबह ऑटो की चपेट में आने से स्कूल जा रही 12 वर्षीय छात्रा की मौत हो गई। हादसे के बाद परिजनों में कोहराम मच गया। गदाखौवा गांव निवासी राकेश चौरसिया की बेटी आरती कक्षा तीन की छात्रा थी। शुक्रवार सुबह करीब नौ बजे वह पैदल विद्यालय जा रही थी। इसी दौरान विपरीत दिशा से आए ऑटो ने उसे टक्कर मार दी।

गंभीर रूप से घायल छात्रा को स्थानीय लोगों की मदद से बिस्कोहर के एक अस्पताल में भर्ती कराया गया। प्राथमिक उपचार के बाद उसे जिला अस्पताल रेफर किया गया। परिजन उसे जिला मुख्यालय के एक निजी अस्पताल ले गए, जहां इलाज के दौरान उसकी मौत हो गई। ग्रामीणों के मुताबिक हादसे में शामिल ऑटो क्षेत्र का ही बताया जा रहा है। प्रभारी निरीक्षक हरेकृष्ण उपाध्याय ने बताया कि पुलिस आवश्यक कार्रवाई कर रही है। तहरीर मिलने पर आगे की कार्रवाई की जाएगी।

### हर घर तिरंगा अभियान के तहत वृद्धाश्रम में निकाली गई भव्य तिरंगा यात्रा

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

**प्रतापगढ़।** महुली वृद्धाश्रम में बुजुर्गों ने शुक्रवार को उत्साह पूर्वक तिरंगा यात्रा निकालकर देशभक्ति का संदेश दिया। इस अवसर पर बुजुर्गों ने हाथों में तिरंगा लेकर भारत माता की जय और वंदे मातरम के नारों के साथ यात्रा निकाली। सभी बुजुर्गों ने देश की एकता अखंडता और राष्ट्र प्रेम के प्रति अपनी भावनाएं व्यक्त की। जिला समाज कल्याण अधिकारी नागेन्द्र कुमार मौर्य ने कहा कि तिरंगा देश की एकता, अखंडता, स्वाभिमान, गौरव का प्रतीक है। अभियान का उद्देश्य प्रत्येक नागरिक के मन में राष्ट्रध्वज के प्रति सम्मान एवं देशभक्ति की भावनाओं को और सुदृढ़ करना है।

कार्यक्रम में उपस्थित वरिष्ठ समाजसेवी रोशनलाल उमरवैश्य ने कहा कि तिरंगा हमारे देश व राष्ट्र की शान और सम्मान का प्रतीक है तथा हर नागरिक का कर्तव्य है कि वह राष्ट्रीय ध्वज के प्रति सम्मान बनाए रखें। वृद्धाश्रम के प्रबंधक अंबिका प्रसाद ने सभी के प्रति आभार ज्ञापित किया। इस अवसर पर धर्मेंद्र, अतुलसिंह, जयराम, शिव बाबू, साक्षी, भारतीय सचान, बलबीर कुमार, कंचन पांडे, प्रीति, तारावती, सुनील कुमार, शिवचंद शुक्ला, पंकज आज उपस्थित रहे।

# नहीं हो सकी बजट को लेकर बुलाई गई पालिका की बोर्ड बैठक

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

**पहली ही बैठक से मायूस लौटे नामित सभासद, परिचय भी नहीं हो सका**

**कोंच(जालौन)- नगरपालिका कोंच में शासन द्वारा नामित किए गए सभासद सुनील शर्मा, कृष्णा झा, अरविंद निरंजन मुनिया, नरेश वर्मा शुक्रवार को पहली बार बोर्ड बैठक में शामिल होने के लिए बड़े ही उत्साह के साथ नगरपालिका में पहुंचे थे लेकिन बैठक स्थगित हो जाने के कारण उन्हें मायूस होकर लौटना पड़ा। यहां तक कि बोर्ड मैंबरों से उनका परिचय तक नहीं हो सका जबकि उन लोगों के स्वागत सत्कार के पूरे इंतजाम किए गए थे।**

**कोंच(जालौन)-** नगरपालिका परिषद कोंच के इतिहास में शायद ऐसा पहली बार हो रहा हो कि छह महीने तक बोर्ड बैठक ही नहीं हो पाई और जैसे तैसे 14 अगस्त को बोर्ड बैठक बुलाई भी गई थी तो पालिका अध्यक्ष के मौजूद नहीं होने के कारण इसे स्थगित करनी पड़ी। पालिका के इतिहास में यह भी लिखा जाएगा कि बिना बजट पास कराए कैसे नगरपालिका के काम-धाम चलते रहे। हैरान करने वाली बात यह भी है कि छह महीने तक बोर्ड बैठक नहीं हो पाने का ठीकरा भी ईओ ने पालिकाध्यक्ष के सिर मढ़ने की कोशिश की है।

पालिका बोर्ड की शुक्रवार 14 अगस्त को बुलाई गई बजट बैठक स्थगित कर दी गई। बैठक नहीं हो पाने की वजह ईओ मोनिका उमराव द्वारा पालिकाध्यक्ष प्रदीप गुप्ता का मौजूद नहीं होना बताया गया। मीडिया के इस सवाल पर कि छह महीने से बोर्ड बैठक क्यों नहीं हो पा रही है तो इसके जवाब में ईओ ने यह कहकर कि ये तो अध्यक्ष जी ही बता पाएंगे, सारा ठीकरा अध्यक्ष के सिर पर फोड़ने की कोशिश की। बता दें कि 7 फरवरी 2026 को पालिका की 9वीं बोर्ड बैठक संपन्न हुई थी जिसमें ईओ की कार्यशैली को सवालों के घेरे में लाते हुए बोर्ड ने उनके खिलाफ निंदा प्रस्ताव पारित किया था और उसे बाकायदा प्रोसीडिंग्स में लिखा भी गया था जिसे लेकर असहज हुई ईओ मोनिका उमराव डैमेज कंट्रोल में जुट गई थी। मार्च या अप्रैल में पालिका की बजट बैठक हो जानी चाहिए थी लेकिन ईओ के खिलाफ निंदा प्रस्ताव वाली बोर्ड बैठक ने सब गुड़ गोबर कर डाला। उस बैठक को शून्य घोषित कराने की लंबी चली कवायद के बाद हालांकि उक्त बैठक को अपर जिलाधिकारी के आदेश पर शून्य घोषित कर दिया गया लेकिन इस चक्कर में छह महीने तक बोर्ड बैठक नहीं हो सकी।

### शमशाद मार्केट में टिफिन को लेकर दुकान पर हमला, 20-25 लोगों ने घेरकर की मारपीट

**अलीगढ़।** सिविल लाइंस क्षेत्र के शमशाद मार्केट में दुकान पर कई लोगों के हमला करने और मारपीट का वीडियो इंटरनेट मीडिया पर प्रसारित हो रहा है। वीडियो में बड़ी संख्या में लोग एक दुकान पर हमला करते और दुकानदार व उसके परिवार के सदस्यों से मारपीट करते नजर आ रहे हैं। मौके पर पुलिस भी थी लेकिन हमलावर नहीं रुके। अब मुकदमा दर्ज करने की कार्रवाई की जा रही है। शमशाद मार्केट में फैजान बहादुर के परिवार की तीन दुकानें हैं। इनमें जनरल स्टोर, गारमेंट्स और टॉय की दुकान शामिल हैं। आलमबाग क्षेत्र का एक युवक अंडे बेचने का काम करता है। उसने फैजान की दुकान पर दो दिन पहले अपना टिफिन रख दिया था। बाद में टिफिन गायब होने को लेकर युवक की दुकानदार से कहासुनी हो गई। फैजान के अनुसार, युवक उसी दिन अपना टिफिन वापस ले गया था और इसके बाद कोई विवाद नहीं हुआ। आरोप है कि गुरुवार की रात युवक अपने परिवार के करीब 20-25 लोगों को लेकर दुकान पर पहुंच गया। इसके बाद वहां मारपीट शुरू हो गई। फैजान का कहना है कि आरोपितों ने पुलिस की मौजूदगी में भी मारपीट की। उसके छह साथियों को घेरकर पीटा।

# कृमि मुक्ति अभियान में एक्सपायरी डेट करीब, दवाओं की सप्लाई से अभिभावक नाराज

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

**सिद्धार्थनगर।** राष्ट्रीय कृमि मुक्ति दिवस के तहत सरकारी और निजी स्कूलों में बच्चों को बांटी गई एल्बेंडाजोल टैबलेट की एक्सपायरी डेट करीब को लेकर नया विवाद खड़ा हो गया है। सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र उस्का बाजार द्वारा बीआरसी के माध्यम से स्कूलों में जो दवाएं भिजवाई गई, उनमें कुछ दवाओं की एक्सपायरी तिथि इसी वर्ष सितंबर अंकित है। अभियान के समय दवा की वैधता में सिर्फ कुछ ही दिन का समय बचा है। इसे लेकर अभिभावकों और स्कूल प्रबंधन ने स्वास्थ्य विभाग की कार्यप्रणाली और दूरदर्शिता पर गंभीर सवाल उठाए हैं। अभिभावकों का कहना है कि बच्चों के स्वास्थ्य से जुड़े अभियानों में इतनी कगार (बॉर्डरलाइन) पर खड़ी दवाओं की सप्लाई करना प्रशासनिक लापरवाही को दर्शाता है। यदि कोई बच्चा 10 अगस्त को बीमार होने के कारण दवा नहीं खा पाया, या 'मॉप-अप राउंड' के बाद भी उसकी तबीयत खराब रही, तो सितंबर आते ही यह दवा बेकार और असुरक्षित हो जाएगी। सवाल यह उठ रहा है कि सीएचसी प्रशासन ने केंद्रीय भंडार से कम से कम 6 महीने या साल भर की लंबी एक्सपायरी वाली दवाओं की मांग न करके गत वर्ष के अभियान में बचे दवाओं को इस वर्ष खपा दिया। चिकित्सा विशेषज्ञों का कहना है कि सितंबर 2026 की एक्सपायरी वाली दवा अगस्त में खाना सुरक्षित है, लेकिन वे भी मानते हैं कि ऐसी दवाओं के वितरण में जोखिम रहता है। यदि किसी वजह से बाढ़, छुट्टी या प्रशासनिक देरी के कारण अभियान टल जाता, तो यह दवाएं एक्सपायर हो जातीं और सरकारी धन की भारी बर्बादी होती। अभिभावकों ने मांग की है कि भविष्य में बच्चों को दी जाने वाली किसी भी दवा की आपूर्ति करते समय एक्सपायरी डेट में कम से कम छह से 12 महीने का अंतर अनिवार्य किया जाना चाहिए, ताकि किसी भी विपरीत परिस्थिति में बच्चों की सेहत और सरकारी संसाधनों पर आंच न आए।

**क्या कहते हैं अधिकारी**

**स्वास्थ्य विभाग को दी गई सूचना**

सीएचसी उसका द्वारा बीआरसी पर दवा उपलब्ध कराई गई थी। दवा की एक्सपायरी डेट बहुत करीब होने के संबंध में जानकारी सीएचसी अधीक्षक को समय से दे दी गई थी। अशोक कुमार सिंह, बीईओ उसका

विभागीय नियम के अनुसार स्टाक में उपलब्ध जल्द एक्सपायर होने वाली दवाओं की आपूर्ति पहले की गई। सितंबर में एक्सपायर होने वाली दवा का इस समय प्रयोग सुरक्षित है। डॉ. एसके पटेल, चिकित्सा अधीक्षक, सीएचसी उसका

# भगत सिंह, राजगुरु, सुखदेव और महात्मा गांधी की झांकी के साथ निकली तिरंगा यात्रा

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

**सिद्धार्थनगर।** शोहरतगढ़ कस्बा के सेठ रामकुमार खेतान बालिका इंटर कॉलेज की बालिकाओं व शिक्षकों के साथ विधानसभा क्षेत्र शोहरतगढ़ विधायक विनय वर्मा के नेतृत्व में हर घर तिरंगा कार्यक्रम के तहत भव्य तिरंगा यात्रा शुक्रवार को निकाली गई। जिसमें भारत माता की जय घोष, हिंदुस्तान जिंदाबाद, वंदे मातरम का नारा लगाया गया। तिरंगा यात्रा के दौरान विद्यालय की छात्राओं द्वारा आकर्षक झांकी भी निकाली गई, जो कि आकर्षण का केंद्र रहा। तिरंगा यात्रा कार्यक्रम में एनसीसी के छात्राओं व महिला कांस्टेबल द्वारा विशेष सहयोग दिया गया। विद्यालय प्रधानाचार्या अंजू मिश्रा व विधायक विनय वर्मा के साथ तहसील के निकट विद्यालय से तिरंगा यात्रा चलकर रेलवे तहसील मुख्यालय, स्टेट बैंक, पुलिस पिकेट चौराहा, तिरंगा तिराहा होते हुए नगर पंचायत शोहरतगढ़ के विभिन्न मोहल्ले का भ्रमण करते हुए कॉलेज वापस लौटी। यात्रा के दौरान हजारों छात्राएं, एनसीसी कैडेट्स व शिक्षक हाथों में तिरंगा लेकर भारत माता की जय, एक भारत, श्रेष्ठ भारत, वंदे मातरम का जय घोष करते हुये नागरिकों में देश प्रेम भावना के लिए जागरूक किया।

विधायक विनय वर्मा ने कहा कि देश के प्रधानमंत्री व उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री के आह्वान पर क्षेत्र के गांव, गली- गली, घर -घर हर तरफ तिरंगा आन बान शान से लहरा रहा है। तिरंगा झंडा हमारे राष्ट्र के गौरव और स्वाभिमान का प्रतीक है। यह यात्रा देश की एकता, अखंडता और भाईचारे को बढ़ावा दे रहा है। कहा कि तिरंगा केवल एक ध्वज नहीं, बल्कि हमारे स्वतंत्रता संग्राम की अमर गाथा और बलिदान का प्रतीक है। प्रधानाचार्या अंजू मिश्रा ने कहा कि तिरंगे के तीन रंग हमें सत्य, शांति और साहस का संदेश देते हैं, जबकि अशोक चक्र हमें निरंतर प्रगति और कर्मपथ पर अग्रसर रहने की प्रेरणा देता है। उन्होंने छात्र-छात्राओं से आह्वान किया कि वे सदैव राष्ट्रध्वज की गरिमा बनाए रखें और देशभक्ति की भावना को जीवन के हर क्षेत्र में जीवित रखें। इस दौरान प्रधानाचार्या अंजू मिश्रा, सत्य प्रकाश शुक्ला, मेघ श्याम गुप्ता, डॉक्टर विनय सिंह, विपिन कुमार सहित कॉलेज की हजारों छात्राएं मौजूद रहीं।

### जनपद में भव्यता और उत्साह के साथ मनाया जाएगा 80 वां स्वतंत्रता दिवस-डीएम

**सुबह आठ बजे शासकीय एवं गैर-शासकीय भवनों पर होगा ध्वजारोहण**

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

**प्रतापगढ़।** जनपद में 15 अगस्त को 80वां स्वतंत्रता दिवस हर्षोल्लास, उत्साह एवं उमंग के साथ मनाया जाएगा। स्वतंत्रता दिवस के अवसर पर जिलेभर में विभिन्न कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे। जिलाधिकारी अभिषेक पाण्डेय ने सभी संबंधित अधिकारियों को कार्यक्रमों की तैयारियां समय से पूर्ण कर भव्य आयोजन सुनिश्चित करने के निर्देश दिए हैं। जिलाधिकारी ने बताया है कि स्वतंत्रता दिवस के अवसर पर प्रातः 7 बजे से 7.30 बजे तक स्टेडियम में 5000 मीटर क्रास कंट्री रेस आयोजित होगी। रेस के विजेताओं को स्टेडियम में पुरस्कृत किया जाएगा। इसके बाद प्रातः 8 बजे जनपद के सभी शासकीय एवं गैर-शासकीय भवनों पर राष्ट्रीय ध्वज फहराया जाएगा। ध्वजारोहण के दौरान तिरंगे में गुलाब की पंखुड़ियां बांधी जाएंगी तथा झंडा अभिवादन के समय राष्ट्रगान का भावपूर्ण गायन किया जाएगा। कलेक्ट्रेट परिसर में स्वतंत्रता संग्राम सेनानियों के आश्रितों को सम्मानित किया जाएगा तथा परिसर में वृक्षारोपण कार्यक्रम भी आयोजित होगा।

इसी क्रम में ग्राम कहला, रूर एवं कालाकांकर स्थित शहीद स्मारकों पर संबंधित उपजिलाधिकारी द्वारा माल्यार्पण एवं वृक्षारोपण कराया जाएगा। पूर्वान्ह 9.30 बजे तुलसीसदन (हादीहाल) में सांस्कृतिक कार्यक्रम आयोजित किया जाएगा। इसके उपरांत पूर्वान्ह 10.30 बजे जिला अस्पताल में गरीब, बीमार बच्चों एवं महिलाओं को प्रधानाचार्य मेडिकल कॉलेज द्वारा फल वितरित किए जाएंगे। वहीं पूर्वान्ह 11 बजे जिला कारागार में बच्चों एवं बीमार कैदियों को फल वितरित किए जाएंगे। स्वतंत्रता दिवस के कार्यक्रमों की श्रृंखला में अपरान्ह 4 बजे तुलसीसदन (हादीहाल) में विचार गोष्ठी आयोजित की जाएगी। इसमें स्वतंत्रता संग्राम के गौरवशाली इतिहास, राष्ट्रप्रेम और देश के विकास में नागरिकों की भूमिका पर विचार-विमर्श किया जाएगा।

### बच्चों का सर्वांगीण विकास, प्रशिक्षण का मूल उद्देश्य

**सुरियावां।** शुक्रवार 14 अगस्त 2026 ।विभाग में चल रही समस्त गतिविधियों का वास्तविक केंद्र हमारे विद्यालयों के बच्चे हैं,और पांच दिन के एफ एल एन प्रशिक्षण का मुख्य केंद्र भी वही हैं,यह विचार खंड शिक्षा अधिकारी सुरियावां श्री चन्द्रशेखर आजाद ने पांच दिन के प्रशिक्षण के समापन सत्र पर व्यक्त किए।इसके पूर्व पांच दिवसीय एफ एल एन और एन सी आर टी पाठ्य पुस्तक पर आधारित प्रशिक्षण के अनेक सत्रों में,विस्तारित निपुण लक्ष्यों, भाषा शिक्षण की रणनीतियों, वीणा, और गणित मेला, संतूर की पाठ्य पुस्तक पर चर्चा की गई।कैच अप की रणनीति के अंतर्गत, बेस लाइन आकलन, और आई के एस, तथा नॉलेज ऑफ इंडिया के बारे में विस्तार से चर्चा की गई। प्रशिक्षण सत्र का सफल संचालन, सन्दर्भदाता देवेंद्र कुमार मिश्र, भास्कर मिश्र,संतोष कुमार गौतम,वेद प्रकाश रघुवंशी,भोला नाथ सरोज, द्वारा किया गया। इस अवसर पर प्राथमिक शिक्षक संघ के अध्यक्ष डॉ ओम प्रकाश मिश्रा द्वारा अध्यापकों को प्रेरित किया गया।संचालन देवेन्द्र कुमार मिश्र द्वारा किया गया।

### सेल्फी के चक्कर में युवक नहर में डूबा, गोताखोरों ने देर तक की तलाश; नहीं लगा कोई सुराग

**जवां (अलीगढ़)।** नहर सुमेरा झाल पर सेल्फी ले रहे एक युवक का पैर फिसल जाने से डूब कर नहर में बह गया, सूचना पर पुलिस ने पहुंचकर गोताखोरों की मदद से युवक को तलाश करने की कोशिश की लेकिन उसका पता नहीं लग सका। मारुक पुत्र शकील खान 18 वर्ष, निवासी ठाकुर वाली गली भुजपुरा अलीगढ़ तीन बहनों मुस्कान,इल्मा, माहेरा के साथ गुरुवार को करीब शाम साढ़े चार बजे जनपद बुलंदशहर के थाना छतारी क्षेत्र स्थित बननेर शरीफ दरगाह के दर्शन करके बाइक से अपने घर लौट रहा था कि नहर सुमेरा झाल पर अपनी तीनों बहनों को नहर के किनारे खड़ी करके पुल से नीचे उतर कर नहर पुल से सेल्फी लेने लगा।

जहां उसका पैर नहर में फिसल गया जिस पर वह डूब कर बह गया, उसकी तीनों बहनों ने शोर मचाया लेकिन पानी के तेज बहाव को देखकर युवक को बचाने की किसी ने हिम्मत नहीं की, किसी ने मामले की सूचना थानाध्यक्ष धीरज कुमार को फोन पर दी तो वह पुलिस बल के साथ मौके पर पहुंच गए एवं स्थानीय गोताखोरों की मदद से युवक को तलाश किया लेकिन उसका कहीं पता नहीं लग सका पुलिस ने नहर को हरदू गंज पुल तक नाकेबंदी कर युवक को तलाश किया लेकिन देर शाम तक पता नहीं लग सका। मृतक अपने पिता व भाइयों के साथ मजदूरी कर फर्नीचर पर पालिश का काम करता था उसके डूबने से उसके माता-पिता भाई व बहनों का रो-रो कर बुरा हाल है।

**सेल्फी लेने में दे रहे हैं मौत को न्यौता**

नहर में पानी का बहाव बहुत तेज है, लेकिन सेल्फी व इंस्टाग्राम वीडियो बनाने वाले लोग वहां पर जाकर वीडियो बनाते हैं, जो अपनी मौत को न्योता दे रहे हैं। जब भी पुलिस जाती है ऐसे लोगों को वहां से खदेड़ देती है, लेकिन लोग फिर भी अपनी आदत से बाज नहीं आ रहे।

### भटकता मिला आठ वर्षीय बालक, पुलिस ने परिजनों से मिलाया

**गोपीगंज।** थाना गोपीगंज क्षेत्र के गोपपुर में भटक रहे आठ वर्षीय बालक को डायल-112 की पुलिस टीम ने सकुशल बरामद कर उसके परिजनों के सुपुर्द कर दिया। बच्चे के सकुशल मिलने पर परिजनों ने पुलिस की त्वरित कार्रवाई की सराहना करते हुए आभार जताया। पुलिस के अनुसार, 13 अगस्त को डायल-112 पर सूचना मिली कि गोपपुर में करीब आठ वर्षीय एक बालक भटक रहा है और अपना नाम-पता नहीं बता पा रहा है। सूचना मिलते ही पीआरबी-7672 के पुलिसकर्मी मौके पर पहुंचे और बालक को सुरक्षित अभिरक्षा में लेकर उससे पूछताछ की। पूछताछ में बालक ने अपना नाम रिजवान तथा निवासी नई बस्ती, गोपीगंज बताया। इसके बाद गोपीगंज पुलिस ने बच्चे को नई बस्ती के वार्ड नंबर-12 स्थित बताए गए पते पर पहुंचाया, जहां उसकी मां रिजवाना मौजूद मिलीं। नाम-पता एवं पहचान की तस्दीक के बाद पुलिस ने बालक को सकुशल उसकी मां के सुपुर्द कर दिया। पुलिस अधीक्षक अभिनव त्यागी के निर्देश एवं अपर पुलिस अधीक्षक शुभम अग्रवाल के पर्यवेक्षण में हुई इस कार्रवाई से बच्चे को सुरक्षित उसके परिवार तक पहुंचाया गया।

# 'ऐसी मां को तो फांसी मिलनी चाहिए', अदालत में छलके छह साल की बेटी के आंसू

## छह साल की बेटी ने मां के लिए फांसी मांगी।

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

**अलीगढ़।** पति की हत्या कराने वाली मां के खिलाफ उसकी ही छह साल की बेटी के मुंह से निकले शब्दों ने अदालत का माहौल गमगीन कर दिया। न्यायाधीश ने जब बच्ची से पूछा कि 'आप क्या चाहती हो?' तो उसने रोते हुए कहा, 'ऐसी मां को तो फांसी मिलनी चाहिए।' बच्ची की बात सुनकर अदालत में मौजूद लोगों की आंखें नम हो गईं। इस मामले में मृतक के नाबालिग बेटे की गवाही भी बेहद अहम रही। मां के खिलाफ बेटे के गवाही पर ही अदालत ने पति की हत्या कराने वाली महिला व उसके प्रेमी को आजीवन कारावास की सजा सुनाई। यह सनसनीखेज घटना 10 जुलाई 2025 को बरला कस्बे के मुहल्ला कोठी में हुई। जहां सुरेश की गोली मारकर हत्या कर दी। हत्या की रिपोर्ट सुरेश के भाई विजय सिंह ने दर्ज कराई। रिपोर्ट में उसने बताया कि उसके भाई सुरेश की पत्नी बीना के मुहहल्ले के ही मनोज से प्रेम संबंध थे। घटना वाले दिन विजय अपने भाई सुरेश के साथ घर के बाहर बैठा था। बीना भी दरवाजे पर खड़ी थी। इसी दौरान मनोज वहां पहुंचा। आरोप है कि बीना ने मनोज से कहा कि सुरेश को गोली मार दो, आज इसे जिंदा मत छोड़ना। इसके बाद मनोज ने तमंचे से सुरेश को गोली मार दी। गोली लगने से सुरेश की मौके पर ही मौत हो गई। विजय भाई को बचाने के लिए दौड़ा तो मनोज ने उस पर भी फायर किया, लेकिन गोली दीवार में जा लगी। पुलिस ने बीना और मनोज को गिरफ्तार कर जेल भेज दिया।

अभियोजन पक्ष के अधिवक्ता जेपी राजपूत ने बताया कि विवेचना पूरी होने के बाद आरोप पत्र अदालत में दाखिल किया गया। सुनवाई के दौरान अभियोजन ने गवाह और साक्ष्य पेश किए। इनमें मृतक के नाबालिग बेटे की गवाही को अहम माना गया। बेटे ने मां पर ही पिता की हत्या कराने का आरोप लगाया। गुरुवार को दोनों पक्षों को सुनने और साक्ष्यों का अवलोकन करने के बाद अपर सत्र न्यायाधीश द्वितीय तोष कुमार शर्मा ने बीना और मनोज को दोषी मानते हुए उम्रकैद और 35 हजार रुपये जुर्माने की सजा सुनाई। फैसले के बाद भी अदालत में सबसे ज्यादा चर्चा उस छह साल की बच्ची के शब्दों की रही, जिसने अपनी मां के लिए उम्रकैद को भी कम बताते हुए फांसी की मांग कर दी।